नई दिल्ली
मंगलवार 16 जून 2026
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
प्रतिपदा/द्वितीया वर्ष : 30, अंक : 58
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 39
न्यून. 31

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

अमेरिका-ईरान के बीच हुए ऐतिहासिक शांति समझौते का प्रधानमंत्री मोदी ने किया स्वागत

एक्स पर पोस्ट में लिखा, संघर्ष समाप्त करने के निर्णय का स्वागत करता हूं

समझौते के कार्यान्वयन से क्षेत्र में बहाल होगी शांति और स्थिरता

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया और खाड़ी क्षेत्र में इस साल 28 फरवरी से शुरू हुए युद्ध के मध्य अमेरिका और ईरान के शांति समझौते तक पहुंचने की घोषणा का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वागत किया है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर सोमवार को एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि मैं, दोनों पक्षों के बीच इस संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक समझ तक पहुंचने का स्वागत करता हूं। जिसने दुनियाभर में आर्थिक व्यवधान पैदा किया और यह कई देशों में जीवन की हानि का कारण बना है। पीएम ने पोस्ट में यह भी लिखा कि भारत उम्मीद करता है कि अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष समाप्ति को लेकर बनी इस समझ के कार्यान्वयन से क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा नौवहन और वाणिज्य की स्वतंत्रता सुनिश्चित होगी। हम यह भी आशा करते हैं कि बाकी बचे हुए मुद्दों पर विचार-विमर्श के तहत अंतिम समझौते पर पहुंचा जाएगा।

विशेष साझेदार के रूप में मिला न्योता

जी-7 दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक और विकसित देशों जैसे अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, जापान, इटली का समूह है। यूरोपीय संघ (ईयू) की भी इसमें भागीदारी है। भारत को फ्रांस ने अपने एक विशेष साझेदार देश के रूप में जी-7 की बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें देश का नेतृत्व करेंगे। यह पहला मौका नहीं है। जिब भारत जी-7 की बैठक में शामिल होगा। बल्कि इससे पहले वह दर्जनभर से अधिक बार इस महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच से आयोजन में शामिल हो चुका है।

फ्रांस में होगी मोदी-ट्रंप की मुलाकात

इस पूरे घटनाक्रम के बीच फ्रांस में होने वाली जी-7 की बैठक से इतर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ भी एक द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। विदेश मंत्रालय ने बीते दिनों सम्मेलन के बारे में जानकारी देते पीएम की दुनिया के कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों के साथ होने वाली बैठकों की पुष्टि की थी। इस साल अमेरिका, ईरान के बीच युद्ध की शुरुआत के बाद से लेकर अब तक यह पहला ऐसा मौका होगा। जब दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच यह मुलाकात होगी। जिसमें संघर्ष के बीच स्थायी शांति, वैश्विक जलमार्गों से सुचारू नौवहन व्यवस्था को दीर्घकालिक रूप से बहाल करने और भारत, अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं (द्विपक्षीय व्यापार समझौते) पर चर्चा की संभावना है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 : पीएम मोदी कोलकाता में लगाएंगे पद्मासन, करेंगे योगासन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय आयुष मंत्री प्रताप राव जाधव ने घोषणा की है कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (आईडीवाई) 2026 का मुख्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 21 जून को कोलकाता में आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री योग समारोहों का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का आयोजन योग को वैश्विक जनआंदोलन के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। अअंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के कर्टेन-रेज़र कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जाधव ने बताया कि इस वर्ष की थीम ॅयोग फॉर हेल्दी एजिंगॅ (स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग) रखी गई है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बढ़ती आयु के साथ स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर जीवन बनाए रखना है। योग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और लोगों को शारीरिक रूप से स्वस्थ, मानसिक रूप से मजबूत तथा आत्मविश्वासी बनाए रखने में मदद करता है। आयुष मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में योग आज एक वैश्विक जनआंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2014 में भारत के प्रस्ताव को द्वारा अभूतपूर्व समर्थन मिलने के बाद 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता मिली थी। तब से लेकर अब तक दुनिया के करोड़ों लोग योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बना चुके हैं। जाधव ने बताया कि इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर वैश्विक स्तर पर अभूतपूर्व उत्साह और समर्थन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि के समन्वय से दुनिया भर में भारत के 210 से अधिक मिशन लगभग 2,500 स्थानों पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि योग अब केवल भारत की सांस्कृतिक विरासत नहीं रह गया है, बल्कि स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक साझा वैश्विक आंदोलन बन चुका है। केंद्रीय मंत्री ▶▶ शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

प्रीतम बॉलीवुड म्यूजिक से ले रहे हैं ब्रेक?

नई दिल्ली। बॉलीवुड के दिग्गज संगीतकार और गायक प्रीतम ने अपने जन्मदिन पर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिससे करोड़ों फैंस के बीच उनके बॉलीवुड छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। प्रीतम ने लिखा, सभी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। आज मैंने खुद को कुछ साल अलग तरह से जीने का तोहफा देने का फैसला किया है।

थोक महंगाई 43 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली। देश में महंगाई की मार और बढ़ गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर बढ़कर 9.68% पर पहुंच गई है, जो पिछले 43 महीनों में सबसे अधिक है। अप्रैल में यह 8.26% थी। इसकी मुख्य वजह ईंधन, बिजली रोजमर्रा की चीजों के दामों में हुई बढ़ोतरी है।

मुंबई के घर में मिली लाश सदमे में आई टीवी इंडस्ट्री

मुंबई। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। मशहूर टीवी और फिल्म अभिनेत्री संचिता उगले का 30 वर्ष की कम उम्र में निधन हो गया है। अभिनेत्री ने मुंबई के वसई स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। यह दुखद घटना रविवार शाम की है। संचिता वसई में अपने माता-पिता और छोटी बहन के साथ रहती थीं।

व्यापक साझेदारी में तब्दील हुए भारत-स्लोवाकिया के द्विपक्षीय संबंध

एआई का भविष्य विश्वास, जिम्मेदारी और मानव गरिमा पर आधारित होना चाहिए: पीएम मोदी

- *दोनों देश सभी विवादों, तनावों का शांतिपूर्ण समाधान निकाले जाने को लेकर सहमत हैं*
- *प्रधानमंत्री मोदी की स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री के साथ हुई बैठक से निकला यह निष्कर्ष*
- *बैठक के अंत में दोनों देशों के बीच 11 एमओयू, आशय पत्रों के साथ की गई 3 जरूरी घोषणाएं*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोमवार को ब्रातिस्लावा में स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक हुई। जिसमें दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हर मामले के अलावा साझा हितों से संबंधित अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी चर्चा की गई है। वार्ता के अंत में दोनों देशों के बीच कुल 11 समझौता ज्ञापनों (एमओयू), आशय पत्रों पर हस्ताक्षर के साथ उनका आदान-प्रदान किया गया। जबकि 3 अहम घोषणाएं भी की गई हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान साझा कर बताया कि पीएम मोदी और रॉबर्ट फिको के बीच बैठक के बाद दिए संयुक्त प्रेस वक्तव्य में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज की बातचीत में हमने दोनों ▶▶ शेष पेज 5 पर

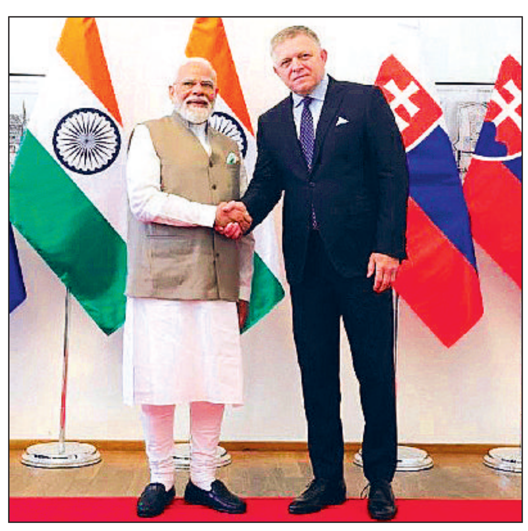

मानवता की सेवा का माध्यम बने एआई

पीएम ने यह भी कहा कि तकनीक हमारी साझेदारी का एक जरूरी स्तंभ है। मुझे अत्यधिक प्रसन्नता है कि स्लोवाकिया के एक विश्वविद्यालय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के विषय पर इंडिया चेयर स्थापित की जा रही है। इस विषय को लेकर दोनों देशों की यह साझा सोच है कि एआई मानवता की सेवा और प्रगति का सशक्त माध्यम बने। इस तकनीक का भविष्य महज नवाचार से नहीं बल्कि विश्वास, जिम्मेदारी और मानव गरिमा पर आधारित होना चाहिए। डिजिटल तकनीक पर किए गए एमओयू से डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर में सहयोग की नई संभावनाएं बनेंगी।

रक्षा सहयोग सामरिक समन्वय का प्रमाण

प्रधानमंत्री ने रक्षा सहयोग को भारत, स्लोवाकिया के गहरे विश्वास, सामरिक समन्वय का प्रमाण बताया और कहा कि इस जरूरी क्षेत्र में दोनों देशों ने एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। जिससे संयुक्त विकास, उत्पादन और रक्षा उद्योगों के बीच सहयोग को नई गति मिलेगी। असैन्य परमाणु ऊर्जा भी दोनों देशों के लिए मुख्य प्राथमिकता का क्षेत्र है। हमारी वार्ता से दोनों देशों के उद्योगों और विशेषज्ञों के बीच सहयोग बढ़ाने पर बल दिया। दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की बहुत बड़ी क्षमता मौजूद है। स्लोवाकिया की पहली सैटेलाइट वर्ष 2017 में भारत ने लांच की थी। वर्तमान में भारत का स्पेस क्षेत्र अभूतपूर्व गति से नई ऊंचाइयों को छू रहा है। मैं भारत की कंपनियों को इस विकास यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित करता हूं।

अर्थव्यवस्था-समाज में देते योगदान

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और स्लोवाकिया के बीच गहरे सांस्कृतिक, लोगों के बीच संबंध दोनों देशों के संबंधों को मजबूत आधार प्रदान करते हैं। दोनों देशों के मध्य पेशेवरों और कुशल कर्मियों की गतिशीलता बढ़ाने के लिए हमने श्रम गतिशीलता पर एमओयू की घोषणा की है। जल्द ही सामाजिक सुरक्षा पर पर भी एमओयू को अंतिम रूप देंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री फिको को भारत की यात्रा के लिए आमंत्रित किया। जिसे उन्होंने स्वीकार किया।

ये हैं एमओयू और घोषणाएं

मंत्रालय ने बताया कि दोनों देशों के बीच हुई 3 घोषणाओं में संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर आगे बढ़ाने, आतंकवाद से मुकाबले को लेकर गठित किए गए संयुक्त कार्य समूह और काउंसलर संवाद का गठन मुख्य रूप से शामिल है। जबकि श्रम गतिशीलता, डिजिटल तकनीक, उच्च-शिक्षा व शोध, तकनीकी विश्वविद्यालय कोसिसे में आईसीसीआर चेयर की स्थापना, पर्यटन सहयोग, वैज्ञानिक सहयोग, क्वांटम संचार-क्रिटिकल ढांचागत सुरक्षा, छात्रों के आदान-प्रदान कार्यक्रम, छात्रवृत्तियां और शोध सहयोग के लिए आईआईटी दिल्ली व स्लोवाकिया के तकनीकी विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू शामिल हैं।

अमेरिका द्वारा भारतीय नाविकों की हत्या पर कांग्रेस का हमला, पीएम मोदी की चुप्पी पर उठाए सवाल

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने तीन भारतीय नाविकों की कथित हत्या के मामले में अमेरिका की कड़ी निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। पार्टी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार इस मामले में न तो पर्याप्त कूटनीतिक दबाव बना रही है और न ही देश की संप्रभुता तथा सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठा रही है। सोमवार को नई दिल्ली में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रवक्ता और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म विभाग की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने मृतक भारतीय नाविकों आदित्य शर्मा, शिवानंद चौरसिया और पतनाला सुरेश के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया तथा उनके परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट की। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर द्वारा अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ इस मुद्दे को उठाए जाने के बावजूद अमेरिका की ओर से न तो कोई खेद व्यक्त किया गया और न ही मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताई गई। श्रीनेत ने कहा कि इसके विपरीत अमेरिकी पक्ष की प्रतिक्रिया से यह संदेश गया कि भविष्य में भी ऐसी कार्रवाई दोहराई जा सकती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस मामले में या तो विदेश मंत्री की बात सही है या फिर अमेरिकी विदेश मंत्री की। उन्होंने दावा किया कि यदि भारत सरकार ने वास्तव में कड़ा विरोध दर्ज कराया होता तो अमेरिकी बयान का तत्काल खंडन किया जाता। उन्होंने कहा कि भारत को अमेरिका से औपचारिक माफी, मृतकों के परिवारों के लिए मुआवजा और भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर ठोस आश्वासन की मांग करनी चाहिए थी। सुप्रिया श्रीनेत ने सुझाव दिया कि इस घटना को देखते हुए भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताओं से जुड़े कार्यक्रमों पर भी पुनर्विचार किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि जब पूरे देश में भारतीय नागरिकों की मौत को लेकर आक्रोश है, तब अमेरिका के साथ सामान्य कूटनीतिक और व्यापारिक गतिविधियों को जारी रखना उचित संदेश नहीं देता।उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मांग की कि वे इस मुद्दे पर अपनी चुप्पी तोड़ें और आगामी जी-7 शिखर सम्मेलन ▶▶ शेष पेज 5 पर

परीक्षण में शामिल हुए संगठन के वरिष्ठ अधिकारी नौसेना और वायुसेना के प्रतिनिधि

डीआरडीओ ने किया लंबी दूरी की क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने सोमवार को ओडिशा तट पर डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से स्वदेश में विकसित लंबी दूरी की सतह पर हमला करने में सक्षम क्रूज मिसाइल (एलआरएलएसीएम) का सफल परीक्षण किया है। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि परीक्षण में मिसाइल ने सभी तय किए गए लक्ष्यों को सफलता के साथ पूरा किया। यह एक 100% देश के अंदर विकसित की गई क्रूज मिसाइल है। तमाम प्रमुख उप-प्रणालियां डीआरडीओ की विभिन्न प्रयोगशालाओं और भारत के रक्षा उद्योग साझेदारों द्वारा विकसित की गई हैं। जबकि एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एस्टेब्लिशमेंट (एडीई) इस परियोजना की नोडल प्रयोगशाला है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत सरकार भी लेगी जल्द फैसल

ब्रिटेन में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों पर सोशल मीडिया प्रतिबंध, ऑनलाइन सुरक्षा के लिए सरकार का बड़ा फैसला

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बच्चों और किशोरों की ऑनलाइन सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से ब्रिटेन सरकार ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए उच्च जोखिम वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों तक पहुंच पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री क़ीर स्टॉर्मर ने इस निर्णय को ॅएक बड़ा क्षणॅ बताते हुए कहा कि इससे बच्चों के जीवन में वास्तविक बदलाव आएगा और उन्हें उनका बचपन वापस मिल सकेगा। आज के परिवेश बच्चों के बीच सोशल मीडिया का फैलता ॅनशाॅ विश्वव्यापी हो चुका है। हर देश अपने नौनिहालों को इन जंजाल से निकलने को उत्सुक है लेकिन फिलहाल शुरुआत ब्रिटेन ने कर दी है। ब्रिटेन सरकार के अनुसार, यह पहल केवल सोशल मीडिया पर सामान्य प्रतिबंध तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने के लिए कई अतिरिक्त सुरक्षा उपाय भी लागू किए जाएंगे। सरकार ने कहा है कि 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए लाइवस्ट्रीमिंग, अजनबियों के साथ सीधे संवाद (स्ट्रेंजर कम्युनिकेशन) और अन्य संभावित रूप से हानिकारक डिजिटल सुविधाओं को भी प्रतिबंधित किया जाएगा। प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा कि ▶▶ शेष पेज 5 पर

गडकरी ने दी वाहनों के लिए ई100 फ्यूल नियमों को मंजूरी

अब टोयोटा, मारुति सुजुकी, हुंडई और एमजी जैसी कंपनियां ई100 फ्लैक्स फ्यूल व्हीकल लॉन्च कर सकेंगी

देश में जल्द लॉन्च होंगी 100% एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियां

अच्छी खबर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में ई100 फ्यूल के उपयोग को कानूनी मंजूरी देने वाले नियमों को स्वीकृति दे दी है। इस फैसले के साथ देश में 100 प्रतिशत एथेनॉल आधारित फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों के लिए रास्ता साफ हो गया है। गडकरी ने नागपुर में आयोजित चीनी, इथेनॉल और बायो-एनर्जी इंडिया सम्मेलन के दौरान कहा कि उन्होंने ई100 फ्यूल को कानूनी रूप से मान्यता देने वाली फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। यह कदम भारत के मौजूदा ई 20 कार्यक्रम से आगे बढ़कर एथेनॉल को प्रमुख ईंधन के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

क्या है ई100 फ्यूल?

ई100 नाम सुनने में 100 प्रतिशत एथेनॉल जैसा लगता है, लेकिन वास्तव में इसमें लगभग 93 से 95 प्रतिशत एथेनॉल होता है। बाकी हिस्सा पेट्रोल और कुछ विशेष एडिटिव्स का होता है, जो इंजन स्टार्ट करने और ईंधन की स्थिरता बनाए रखने में मदद करते हैं। हाल ही में मारुति सुजुकी ने फ्लेक्स-फ्यूल वैगनआर का प्रदर्शन किया था, जबकि हीरो मोटोकॉर्प भी एथेनॉल आधारित मोटरसाइकिलें पेश कर चुकी है। नितिन गडकरी के अनुसार आने वाले डेढ़ महीने के भीतर टोयोटा, सुजुकी, हुंडई ▶▶ शेष पेज 5 पर

क्या हैं चुनौतियां?

- देशभर में ई 100 फ्यूल पंप और डिस्पेंसिंग इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करना होगा
- तेल विपणन कंपनियों को स्टोरेज और सप्लाई नेटवर्क अपग्रेड करना पड़ेगा
- फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों की कीमत शुरुआती दौर में अधिक हो सकती है
- एथेनॉल में पेट्रोल की तुलना में ऊर्जा घनत्व कम होता है, जिससे माइलेज प्रभावित हो सकता है।

क्या होंगे फायदे?

- कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम होगी। किसानों और चीनी उद्योग को फायदा मिलेगा। कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में मदद मिल सकती है।

दो लोगों को किया गिरफ्तार

एक करोड़ 56 लाख रुपये के ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने लगभग 1.56 करोड़ रुपये की ठगी से जुड़े एक ऑनलाइन निवेश धोखाधड़ी गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। शाहदरा के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) राजेंद्र प्रसाद मीणा ने कहा कि आरोपी पीड़ितों से पैसे ठगने के लिए 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खातों का इस्तेमाल कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आरोपियों की पहचान मोहम्मद सादिक (32) एवं जावेद अंसारी (34) के रूप में हुई है। दोनों ही उत्तर प्रदेश के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, शाहदरा जिले के साइबर थाने में दर्ज धोखाधड़ी से संबंधित मामले में ये गिरफ्तारियां की गई हैं। दिल्ली की एक महिला के साथ ऑनलाइन निवेश के नाम पर 21 लाख रुपये की धोखाधड़ी की गई थी।

मीणा ने कहा कि जीटीबी एन्क्लेव निवासी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर इस साल नौ अप्रैल को यह मामला दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि महिला ने सोशल मीडिया पर शेयर बाजार में निवेश से संबंधित एक ऑनलाइन विज्ञापन देखा था और संबंधित लिंक पर क्लिक करने के बाद, उसे एक समूह में जोड़ा गया जहां जालसाज़ों ने खुद को निवेश विशेषज्ञ के रूप में पेश किया और पैसा निवेश करने पर मोटे मुनाफे का वादा किया। डीसीपी के मुताबिक, शिकायतकर्ता ने इन दावों पर विश्वास करते हुए, कुल मिलाकर 21 लाख रुपये निवेश किए, लेकिन जब उसने लाभ की मांग की, तो आरोपी ने उसकी बातों का कोई जवाब नहीं दिया, और अंततः उसका अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया। उन्होंने कहा कि जांच के दौरान, टीम ने धोखाधड़ी में इस्तेमाल किए गए बैंक खातों की पहचान करने के लिए तकनीकी विश्लेषण किया। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने अमरोहा एवं मुरादाबाद में छापेमारी की और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच से पता चला कि आरोपियों को साइबर ठगी की जानकारी थी और वे ठगी के पैसे प्राप्त करने और उसे स्थानांतरित करने के लिए बैंक खाते उपलब्ध करा रहे थे।₹ उनके मुताबिक, वे कथित तौर पर अपने सहयोगियों के संपर्क में रहे और निवेश के नाम पर ऑनलाइन ठगी और अन्य साइबर धोखाधड़ी के माध्यम से प्राप्त पैसे को इधर उधर करने के लिए खातों के इस्तेमाल की अनुमति दी। जांचकर्ताओं को कई राज्यों में फैले एक व्यापक साइबर धोखाधड़ी गिरोह के संकेत मिले हैं और वे गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने के लिए काम कर रहे हैं। डीसीपी मीणा ने कहा कि हमने बैंक खातों में 1.56 करोड़ रुपये का लेनदेन भी देखा है। पैसे के पूरे लेनदेन का पता लगाने के प्रयास जारी हैं।

बीमा पॉलिसी के नवीनीकरण के नाम पर बुजुर्ग से चार लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में चार गिरफ्तार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने बीमा पॉलिसी के नवीनीकरण के नाम पर कथित रूप से ठगी करने वाले गिरोह का भंड़ाफोड़ करते हुए चार आरोपियों को पकड़ा है। पुलिस ने एक अधिकारी ने सोमवार को बताया कि आरोपियों ने एक बीमा पॉलिसी के नवीनीकरण के नाम पर एक वरिष्ठ नागरिक से चार लाख रुपये की कथित रूप से ठगी की थी। दक्षिण पश्चिम दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) अमित गोयल ने कहा कि पुलिस ने इस गिरोह में शामिल चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया जिनकी पहचान सुनील कुमार रावत (38), राहुल (28), सोनू (37) एवं शिवम उर्फ मोनू (26) के रूप में हुई। अधिकारी ने कहा कि इस गिरोह ने बीमा कंपनियों के प्रतिनिधि बनकर लोगों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को अपना शिकार बनाया और पीड़ितों का विश्वास जीतकर बीमा पॉलिसियों को नवीनीकृत करने के नाम पर उनसे पैसे ठग लिए। पुलिस के अनुसार, यह मामला तब सामने आया, जब एक बुजुर्ग ने पुलिस के पास शिकायत की कि उसे एक व्यक्ति का फोन आया था, जिसने खुद को किसी वित्तीय कंपनी से जुड़ा हुआ बताया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने उसे बताया कि उसकी बीमा पॉलिसी की अवधि समाप्त हो चुकी है एवं इसे नवीनीकृत करने के लिए चार लाख रुपये देने होंगे। गोयल ने कहा कि इस दावे को सच मानकर, पीड़ित ने जालसाज़ों द्वारा बताए गए बैंक खातों में राशि जमा कर दी। बाद में उसे नकली बीमा दस्तावेज भी भेजे गए। उन्होंने कहा कि शिकायत के आधार पर, 18 मई को एक ई-प्राथमिकी दर्ज की गई। इस मामले की जांच के लिए एक टीम गठित की गई। डीसीपी ने बताया कि जांच के दौरान, टीम ने मोबाइल फोन संबंधी जानकारियों, डिजिटल सुरागों, वित्तीय लेन-देन आदि का विश्लेषण किया। इसके आधार पर दिल्ली के गांधी नगर इलाके से रावत को गिरफ्तार किया गया। गोयल ने कहा कि रावत ने इस गिरोह के अन्य सदस्यों की संलिप्तता के बारे में जानकारी दी और उसकी निशानदेही पर, पुलिस ने राहुल एवं सोनू को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इन लोगों ने 'म्यूल' (कमीशन पर मिलने वाले) बैंक खाते की व्यवस्था की, धोखे से प्राप्त राशि को बांटा एवं नकली बीमा दस्तावेज भी तैयार किए। अधिकारी के मुताबिक, आगे की जांच के दौरान शिवम को गिरफ्तार किया गया। शिवम उन सिम कार्डों को हासिल करने में कथित तौर पर शामिल था, जिनका उपयोग इस अपराध में किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपियों ने अपनी पहचान छिपाने और धोखाधड़ी को असली दिखाने के लिए 'म्यूल' सिम कार्ड और बैंक खातों का इस्तेमाल किया। आगे की जांच की जा रही है।

डाबड़ी के अस्पताल में लगी आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के डाबड़ी इलाके में स्थित एएस अस्पताल में बिजली संबंधी उपकरणों में आग लग जाने के कारण वहां से दर्जनों मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। किसी के घायल होने की कोई सूचना नहीं है।

दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के अनुसार, रविवार रात लगभग 10:25 बजे, डाबड़ी-पालम रोड पर स्थित एएस मल्टी किडनी अस्पताल में आग लगने की सूचना मिली। अधिकारियों ने बताया कि मौके पर दमकल की पांच गाड़ियों को भेजा गया।

डीएफएस के एक अधिकारी ने कहा कि रात करीब 10:40 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि रात 10:27 बजे सागरपुर थाने को आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद लगभग 15 पुलिसकर्मी एवं कैट्स एम्बुलेंस टीमें मौके पर पहुँचीं। पुलिस अधिकारी ने कहा कि जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तब तक अस्पताल के कर्मचारियों ने अग्निशामक यंत्रों का उपयोग करके आग को पहले ही बुझा दिया था।₹ प्रारंभिक जांच से पता चला कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

पुलिस के अनुसार, घटना के समय अस्पताल में 15 से अधिक मरीज मौजूद थे।

अधिकारी ने कहा कि अस्पताल प्रशासन ने तुरंत ही सभी मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया, एवं उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की। अधिकारी ने कहा कि घटना के दौरान, सुरक्षा गार्ड तुरंत मौके पर पहुंचे, ताकि अस्पताल के कर्मचारियों एवं आपातकालीन सेवा के कर्मियों की मदद की जा सके। आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

छात्रों को किया जाएगा 23 विरासत स्थलों के भ्रमण के लिए प्रोत्साहित

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली सरकार बच्चों को राजधानी की समृद्ध विरासत से परिचित कराने और उसे जानने के लिए प्रोत्साहित करने की अपनी तरह की पहली पहल के तहत कक्षा 4 से 6 तक के विद्यार्थियों के लिए पासपोर्ट जैसी एक पुस्तिका पेश करेगी। इस पुस्तिका में शहर के 23 स्मारकों के बारे में जानकारी दी जाएगी, जहां भ्रमण के दौरान बच्चे दिल्ली के इतिहास के बारे में जान सकेंगे। शिक्षा विभाग दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) के सहयोग से यह पुस्तिका पेश करने पर काम कर रहा है। एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि यह कार्यक्रम 15 अगस्त के बाद शुरू किए जाने की संभावना है और यह छह महीने तक चलेगा।

अधिकारी ने कहा कि यात्रा पासपोर्ट के आधार पर तैयार की गई इस पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर छात्र का फोटो और बुनियादी विवरण होगा, जबकि बाकी पृष्ठों पर दिल्ली के 23 स्मारकों की संक्षिप्त जानकारी और मुहर लगाने के लिए निर्धारित स्थान होंगे, जहां बच्चे अपने भ्रमण के दौरान मुहरें लगवा सकेंगे। अधिकारी ने कहा, ₹इसका उद्देश्य बच्चों के लिए विरासत की खोज को रोमांचक बनाना है।

उन्होंने कहा कि केवल पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से स्मारकों को देखने के बजाय छात्रों को वहां जाकर उनके इतिहास को जानने और शहर की सांस्कृतिक विरासत को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

दिल्ली में जलापूर्ति की समस्या बरकरार

वजीराबाद में यमुना का जलस्तर सामान्य से कम

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) में जल शोधन कार्य प्रभावित होने के कारण राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में पानी की किल्लत बनी हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। बारिश और हरियाणा से अतिरिक्त पानी हासिल करने के प्रयासों के बावजूद स्थिति गंभीर बनी हुई है। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार, वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 950 से 960 मिलियन गैलन (एमजीडी) जल का शोधन हो पा रहा है, जो गर्मियों के लिए निर्धारित 1,000 एमजीडी के लक्ष्य से लगभग 40 एमजीडी कम है। दिल्ली जल बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ₹यमुना के प्रवाह में मामूली बढ़ोतरी हुई है, लेकिन कमी अब भी बरकरार है क्योंकि जल शोधन लगभग 960 एमजीडी ही हो पा रहा है। जल शोधन क्षमता में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले करीब एक महीने से अशोधित जल की कम आपूर्ति के कारण दिल्ली जल बोर्ड के दो प्रमुख जल शोधन संयंत्रों वजीराबाद और चंद्रावल में जल का शोधन कम हो गया है, जिससे कई इलाकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वजीराबाद में यमुना का जलस्तर आवश्यक 674.5 फीट के सामान्य स्तर के मुकाबले 669.5 फीट पर बना हुआ है, जो कि सामान्य से काफी कम है। उन्होंने कहा कि जब तक नदी में जलस्तर सामान्य नहीं हो जाता, तब तक जल शोधन संयंत्रों में उत्पादन कम रहने की आशंका है। सरकारी अधिकारियों के अनुसार, अशोधित जल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए पड़ोसी राज्य हरियाणा की सरकार से बातचीत की जा रही है। एक अधिकारी ने कहा कि चंद्रावल जल शोधन संयंत्र में स्थिति सुधर रही है और अगले दो से तीन दिनों में जल शोधन कार्य सामान्य स्तर पर लौट सकता है।₹ वजीराबाद संयंत्र की औसत जल शोधन क्षमता 131 एमजीडी है, जबकि चंद्रावल संयंत्र से औसतन 94 एमजीडी जल का शोधन किया जाता है। इन दोनों संयंत्रों की क्षमता में 25 से 30 प्रतिशत की कमी आने से दिल्ली जल बोर्ड का कुल जल शोधन कार्य प्रभावित हुआ है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82(2) (ii) Cr.P.C देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त (1) **कृष्ण कुमार पुत्र शंभू कापर निवासी 5810, गली नं. 4, ब्लॉक नं. 4, देव नगर, करौल बाग, दिल्ली, (2) सुशील कुमार पुत्र स्वर्गीय राम देव कुमार निवासी 626, तोमर कॉलोनी, गली नं. 29, संत नगर बुराड़ी, दिल्ली** ने एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **426/2022 अन्तर्गत धारा 380/381/411/34 आईपीसी, थाना प्रसाद नगर, मध्य जिला, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त (1) **कृष्ण कुमार** (2) **सुशील कुमार** मिल नहीं रहा/रही है, और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त (1) **कृष्ण कुमार** (2) **सुशील कुमार** फरार हो गया/गई है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा/रही है) इसलिए इसके द्वारा अभियुक्त व्यक्तिय की उद्घोषणा की जाती है कि एफआईआर नं./कोर्ट केस नं. **426/2022 अन्तर्गत धारा 380/381/411/34 आईपीसी, थाना प्रसाद नगर, मध्य जिला, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त (1) **कृष्ण कुमार** (2) **सुशील कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक 05.09.2026 को **प्रातः 10:00 बजे** या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री करणबीर सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-02
कमरा नं. 26, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7807/CD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 C.r.P.C./84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **जितेंद्र नागर उर्फ वरुण भाटी**, **पुत्रः** सोहन पाल नागर, **निवासीः** ए–1, सावित्री स्टील, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने मुकदमा **E-FIR No. 09/26, U/s 308/318(4)/319/340, भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः स्पेशल सैल, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेंद्र नागर उर्फ वरुण भाटी** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **जितेंद्र नागर उर्फ वरुण भाटी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि मुकदमा **E-FIR No. 09/26, U/s 308/318(4)/319/340, भारतीय न्याय संहिता, 2023, थानाः स्पेशल सैल, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **जितेंद्र नागर उर्फ वरुण भाटी** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
श्री मृदुल गुप्ता
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी–26
ग्राउंड फ्लौर, एनैक्सी बिल्डिंग
पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली

DP/7943/Spl. Cell/2026
(Court Matter)

खबर का असरः आईजीएल ने भरा खुला गड्ढा, गैस लाइन का कार्य भी किया पूरा

जनकपुरी में गड्ढे में गिरने से हुई मौत के बाद भी नहीं चेता विभाग

आईजीएल का खुला गड्ढा बना खतरा, क्या जनकपुरी जैसी दुर्घटना का इंतजार?

शिकायत की गई, मिल रहा सिर्फ आश्वासन

- समाचार प्रकाशित होते ही हरकत में आया विभाग, 10 दिन से लंबित कार्य हुआ पूरा
- स्थानीय लोगों ने राहत की ली सांस, संभावित हादसे का टला खतरा

दया राम ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली देहात के नरेला क्षेत्र की संजय कॉलोनी, गली नंबर-10 में आईजीएल द्वारा छोड़े गए खुले गड्ढे को लेकर रविवार को हरिभूमि दिल्ली के अंक में प्रकाशित समाचार का असर रविवार शाम तक देखने को मिला है। समाचार में स्थानीय निवासियों की चिंता और संभावित दुर्घटना के खतरे को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद आईजीएल प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए न केवल गैस लाइन स्थापित कर दी, बल्कि करीब 10 दिनों से खुले पड़े गड्ढे को भी भरवा दिया।

गौरतलब है कि आईजीएल द्वारा घरेलू गैस कनेक्शन देने के लिए सड़क की खुदाई की गई थी, लेकिन कार्य अधूरा छोड़ दिया गया था। करीब पांच फुट गहरा गड्ढा खुले में पड़ा होने से स्थानीय लोगों में लगातार चिंता बनी हुई थी। यह मार्ग सफियाबाद रोड और सबौली रोड को जोड़ने वाला व्यस्त रास्ता है, जहां दिन-रात वाहनों, बुजुर्गों, महिलाओं और स्कूली बच्चों की आवाजाही रहती है।

प्रशासन ने गंभीरता के साथ दिखाई तत्परता

खबर प्रकाशित होने के बाद आईजीएल अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लिया और मौके पर टीम भेजकर लंबित गैस लाइन का कार्य पूरा कराया। इसके साथ ही खुले गड्ढे को भरकर सड़क को सुरक्षित बनाया गया, जिससे संभावित दुर्घटना का खतरा टल गया। वहीं, क्षेत्र के निवासियों ने समय रहते कार्रवाई होने पर राहत व्यक्त की है। उनका कहना है कि यदि गड्ढा लंबे समय तक खुला रहता तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता था।

विभाग की लापरवाही खड़े कर रही थी गंभीर सवाल

प्रकाशित खबर में यह भी रेखांकित किया गया था कि हाल ही में जनकपुरी में खुले गड्ढे में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद संबंधित एजेंसियों की लापरवाही गंभीर सवाल खड़े कर रही थी। स्थानीय निवासियों ने कई बार शिकायत करने के बावजूद केवल आश्वासन मिलने की बात कही थी। यह मामला एक बार फिर दर्शाता है कि जनसमस्याओं को जिम्मेदारी के साथ उठाए जाने पर प्रशासनिक तंत्र सक्रिय होता है और लोगों को राहत मिलती है।

टूरिस्ट संगठन ने इथेनॉल मिश्रण नीति की समीक्षा करने को लेकर पीएम को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली टैक्सी एंड टूरिस्ट ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नई इथेनॉल मिश्रण नीति की गंभीरता से पुनः समीक्षा की मांग की है। संगठन के अध्यक्ष संजय सम्राट ने बताया कि उन्होंने पत्र में पीएम से अपील की है कि पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण की वर्तमान नीति की गंभीरता से समीक्षा करना बेहद जरूरी हो गई है। क्योंकि देश के लाखों वाहन मालिकों, टैक्सी संचालकों तथा ट्रांसपोर्टरों की चिंताओं को गंभीरता से सुनना और उनका निराकरण होना चाहिए। इस समय देश में बड़ी संख्या में ऐसी पेट्रोल गाड़ियां चल रही हैं जिन्हें मूल रूप से पारंपरिक पेट्रोल पर चलने के लिए डिजाइन किया गया था। उनका दावा है कि इथेनॉल मिश्रित ईंधन के उपयोग से अनेक वाहन मालिकों को माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट तथा इंजन से असामान्य आवाजें आने जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संजय के अनुसार पुरानी पेट्रोल और डीजल गाड़ियों पर लागू विभिन्न प्रतिबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि वाहन मालिक पहले से ही कई प्रकार के आर्थिक दबावों का सामना कर रहे हैं और ऐसी स्थिति में ईंधन संबंधी अतिरिक्त समस्याएं उनकी परेशानियां बढ़ा रही हैं। जबकि इथेनॉल उत्पादन से इसमें उपयोग किए जाने वाले गन्ना, मक्का तथा चावल जैसे कृषि उत्पादों के संबंध में भी चिंता होनी चाहिए।

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	बोर्ड/निगम/ प्राधि. का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि (समय)	राशि/ईएमडी (लगभग) रु.में	बोर्ड/निगम/प्राधि. की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	एचवीपीएनएल	220 केवी सब स्टेशन कॉलोनी, रेवाड़ी में आवासीय भवन की मरम्मत और रखरखाव।	12.06.2026 25.06.2026	8,43,323/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
2	एचवीपीएनएल	220 केवी सब स्टेशन एचवीपीएनएल कॉलोनी, रेवाड़ी में अधीनस्थ विश्राम गृह की मरम्मत और रखरखाव।	12.06.2026 25.06.2026	2,42,687/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
3	एचवीपीएनएल	वित्तीय वर्ष 2024–25 के प्रथम अर्ध में एचवीपीएनएल द्वारा अतिरिक्तता के लिए 1×20/25एमवीए, 132/33 केवी जमा 1×16/20 एमवीए, 132/11केवी टी/एफएस से 2×20/25एमवीए, 132/33केवी जमा 1×16/20एमवीए, 132/11 केवी टी/एफएस तक 132 केवी सब स्टेशन जुलाना का संवर्धन। (प्लानिंग कोड 1A4237*) (हिसार)	13.06.2026 24.06.2026	1,35,80,451/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN
4	एचवीपीएनएल	220 केवी सब स्टेशन भिवानी में यार्ड में चारदिवारी, यार्ड फेंसिंग, ग्रेवलिंग और अन्य सम्बद्ध कार्यों का निर्माण (कैपिटल)।	13.06.2026 24.06.2026	2,26,23,214/-	www.hvpn.org.in	0172-2583789 PRO@HVPN.ORG.IN

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.haryanaeprocurement.gov.in or www.etenders.hry.nic.in संवाद–13/2027/100/46246/I/88/7 दि. 15.06.26

हरियाणा सरकार — निविदा सूचना

क्र. सं.	विभाग का नाम	कार्य सूचना निविदा का नाम	खुलने की तिथि बंद होने की तिथि	राशि/ईएमडी (लगभग) रु. में	विभाग की वेबसाइट	नोडल अधिकारी / सम्पर्क विवरण/ई-मेल
1	लोनिवि भ व प कैथल	कैथल जिले में गांव सजुमा में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय का निर्माण।	बंद होने की तिथि 22.06.2026	447.14 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896320998 pwd-eepd-kaithal@hry.nic.in
2	पंचायती राज भिवानी	अपशिष्ट जल नाला सहित आईपीबी फिरनी की पेवमेंट, 1. (लोनिवि रोड से पुराना एनएच-9), 2. जलघर से राजकीय विद्यालय) – मुंढाल खुर्द – एचआरडीएफ + 1 कार्य।	12.06.2026 19.06.2026	119.05 लाख	https://etenders.hry.nic.in	1664243927 prexeeng.bhw@hry.nic.in
3	पंचायती राज फरीदाबाद	गांव कोट ब्लॉक फरीदाबाद, जिला फरीदाबाद में टो वाल्स और आईपीबी सहित गलियों की पेवमेंट, वीएएनजीवाई + 2 कार्य।	10.06.2026 19.06.2026	44.36 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467905067 prexeeng.fbd1@gmail.com
4	पंचायती राज करनाल	मंजुरा – गांव मंजुरा ब्लॉक चिराव में राजकीय विद्यालय के निकट बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण, स्कीम वीएएनजीवाई + 3 कार्य।	12.06.2026 20.06.2026	47.80 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9896634422 prexeeng.krl@hry.nic.in
5	पंचायती राज सिरसा	सिरसा – सिरसा जिले में ब्लॉक सिरसा, ओढां, ऐलनाबाद, डबवाली, बारागुढ़ा, रानियां में गांव भावदीन, सुचान, दादू, घुकांवाली, जलालाना, लाकरांवाली, नुहियांवाली, ढाणी बचन सिंह, केहरवाला, गोरीवाला, लोहगढ़, मसीतां, अलीकां, बीरूवालागुढ़ा, सुखचैन, बाहिया, भरोलियांवाली, ओढां (कुल-18 अदद गांव) में स्ट्रीट लाइट्स की आपूर्ति स्थापना और विखण्डन। (एचजीवीवाई-द्वितीय चरण)।	09.06.2026 17.06.2026	35.37 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9017262246 prexeening.srs@hry.nic.in
6	कृषि एवं किसान कल्याण झज्जर	गांवों ढराना, देसलपुर, मांगावास, चिमनी, इस्लामगढ़, बिरहड़ तामसपुरा और फोर्टपुरा जिला झज्जर में वर्टिकल ड्रेनेज टेक्नोलॉजी प्रोजैक्ट के माध्यम से वाटरलॉग्ड भूमि और सैलाइन सोइल कार्य का रिक्लेमेशन, क्षेत्रफल 6900 एकड़।	13.06.2026 26.06.2026	868.52 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467007194 jhajjarasco@gmail.com
7	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सिरसा	सिरसा कस्बा :- शिव चौक से कटारिया आयरन स्टोर निकट जगदेव सिंह चौक, सिरसा तक आकार 750 मिमी पाइप सीवर के मौजूदा मेन ट्रंक सीवर का मजबूतीकरण (सीआईपीपी टेक्नोलॉजी द्वारा) और उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्य।	12.06.2026 22.06.2026	234.85 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467070175 eepsirsa@gmail.com
8	जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी सिरसा	सिरसा कस्बा :- ऑटो मार्केट (बुटा राम कॉलोनी) में नये आईपीएस अर्थात पम्पिंग मशीनरी का निर्माण, पम्प चेम्बर, चारदिवारी का निर्माण, 315 मिमी ओ/डी एचडीपीई राइजिंग मेन बिछाना, आरसीसी संग्रहण टैंक और मौजूदा आईपीएस बाल भवन के संवर्धन समेत आर.सी.सी. संग्रहण टैंक का निर्माण, चारदिवारी, पम्प चेम्बर का निर्माण, मौजूदा एम.एच. से संग्रहण टैंक तक 400 मिमी आई/डी आरसीसी पाइप बिछाना, आरसीसी स्क्रीन चेम्बर का निर्माण और मौजूदा स्थल से मौजूदा मेन हॉल चेम्बर नत्तार रोड सिरसा तक 315 मिमी एचडीपीई राइजिंग मेन का विस्तार और उससे सम्बद्ध अन्य सभी कार्य।	10.06.2026 19.06.2026	123.70 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9467070175 eepsirsa@gmail.com
9	महिला एवं बाल विकास भिवानी	वित्तीय वर्ष 2026-27 हेतु जीओआई द्वारा निर्धारित नॉर्म्स पर सेडान/बोलेरो वाहनों को किराये पर लेना।	13.06.2026 23.06.2026	20,000/-	https://etenders.hry.nic.in	7015484549 pobhw.wcd@hry.nic.in
10	सिविल सर्जन भिवानी	औषधि/कंज्यूमेबल्स/दंत मदों/छोटे उपकरण और लैब वस्तुओं हेतु निविदा।	16.06.2026 06.07.2026	1 लाख	https://etenders.hry.nic.in	9992174254 dycsnrhm.bhiwani@gmail.com

अधिक जानकारी हेतु कृपया पधारें : www.etenders.hry.nic.in पीआरडीएच–11/2027/200/46260/I/88/7 दि. 15.06.26

दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य

दिल्ली सरकार शुरू करेगी 'एक पेड़ मां के नाम दिल्ली महा पौधारोपण अभियान 2026'

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार जल्द 'एक पेड़ मां के नाम - दिल्ली मेगा पौधारोपण अभियान 2026' की शुरुआत करने जा रही है। इस अभियान का लक्ष्य दिल्लीभर में 70 लाख पौधे लगाना है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार दिल्ली सचिवालय में इसकी तैयारियों को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता के बाद यह जानकारी दी।

बैठक में अभियान की रूपरेखा, जन-भागीदारी, डिजिटल प्लेटफॉर्म, पौधारोपण लक्ष्यों और विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा व विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की भावना को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली में इसे व्यापक जन-अभियान का रूप दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस महा पौधारोपण अभियान की शुरुआत कर सकते हैं। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम - दिल्ली मेगा पौधारोपण अभियान 2026' केवल पौधे लगाने का कार्यक्रम नहीं, बल्कि दिल्ली को हरित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने का व्यापक जन-आंदोलन है।

उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की कि वे अपनी मां के सम्मान में कम-से-कम एक पौधा अवश्य लगाएं और दिल्ली को देश की सबसे हरित राजधानी बनाने के इस अभियान का हिस्सा बनें। सिरसार ने बताया कि इस अभियान के माध्यम से दिल्ली के नागरिकों, आरडब्ल्यूए, शैक्षणिक संस्थानों, धार्मिक संगठनों, सामाजिक संस्थाओं और युवाओं को एक साझा पर्यावरणीय मिशन से जोड़ा जाएगा। ई-फॉरेस्ट ग्रीन ड्राइव पोर्टल, वृक्ष रथ, जियो-टैग्ड पौधारोपण, डिजिटल हरित मानचित्र और मुख्यमंत्री हस्ताक्षरित 'पर्यावरण रक्षक' प्रमाणपत्र जैसी पहलें नागरिकों की भागीदारी को आसान और प्रभावी बनाएंगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अभियान का दूसरा चरण जुलाई के प्रथम सप्ताह में 'मेगा रिज पोधारोपण अभियान' के रूप में आयोजित किया जाएगा। पीबीजी ग्राउंड, सेंट्रल रिज, साउथ सेंट्रल रिज और नानकपुरा रिज सहित दिल्ली रिज क्षेत्र के विभिन्न स्थलों पर पारिस्थितिकी-पुनर्स्थापन वृक्षारोपण कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा। इसी दिन लगभग दो लाख पचास हजार पौधे लगाए जाएंगे और स्वयंसेवकों को फ्लैग-ऑफ कर जन-आंदोलन की शुरुआत की जाएगी।

सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि अभियान का तीसरा और सबसे बड़ा चरण जुलाई के मध्य में जन-भागीदारी आधारित मेगा पौधारोपण कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाएगा। रोहिणी के स्वर्ण जयंती पार्क में केंद्रीय कार्यक्रम आयोजित होगा, जो दिल्ली की 51 लाइव लोकेशनों से रियल टाइम रूप से जुड़ा रहेगा। लगभग 11 हजार लोग एक साथ पौधारोपण में भाग लेंगे और सभी स्थलों से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया जाएगा। यह अभियान 70 विधानसभा क्षेत्रों और 13 जिलों तक पहुंचेगा और सेवा पर्व अवधि तक दिल्लीभर में 70 लाख पौधारोपण के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में कार्य किया जाएगा। अभियान के विभिन्न चरणों में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य व्यक्तियों की सहभागिता प्रस्तावित है।

अभियान का पहला चरण 22 जून को होगा शुरू

मुख्यमंत्री के अनुसार अभियान का पहला चरण 22 जून को डिजिटल शुभारंभ के रूप में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री द्वारा ई-फॉरेस्ट ग्रीन ड्राइव पोर्टल और अभियान का आधिकारिक वीडियो लॉन्च किया जाएगा। साथ ही पूरे शहर में डिजिटल और सोशल मीडिया आधारित जन-जागरूकता अभियान की शुरुआत होगी। 22 जून से 4 जुलाई तक व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा तथा विभिन्न सामाजिक, धार्मिक, शैक्षणिक और सामुदायिक समूहों के साथ संवाद स्थापित कर अभियान की जानकारी जन-जन तक पहुंचाई जाएगी ताकि अधिकतम नागरिक इस अभियान से जुड़ सकें।

हल्की बारिश और तेज हवा से दिल्ली को मिली मामूली राहत

नई दिल्ली। दिल्ली में कहीं कहीं हुई हल्की बारिश व तेज हवा के चलते मामूली राहत मिली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार सोमवार को दिन के समय तेज हवाओं के साथ कहीं कहीं हल्की बारिश दर्ज हुई। बावजूद पारे में एक डिग्री तक की गिरावट देखने को मिली, जिससे गर्मी से मामूली राहत जरूर मिली है। आईएमडी के अनुसार सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे के बीच सफदरजंग वेधशाला ने समग्र दिल्ली में 0.2 मिमी बारिश दर्ज की। लेकिन पालम में सबसे ज्यादा 9 मिमी बारिश दर्ज हुई। इसके अलावा आया नगर में 4.6 मिमी, पूसा में 4.5 मिमी, राजघाट में 1.1 मिमी, मयूर विहार में 1.0 मिमी और लोधी रोड 0.2 मिमी बारिश दर्ज की गई।

आईएमडी ने बताया कि बारिश व हवा के चलते अधिकतम तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो सामान्य से 1.3 डिग्री नीचे है। वहीं न्यूनतम तापमान 28.2 दर्ज हुआ जो सामान्य से 0.7 डिग्री कम है। आईएमडी ने ताजा अनुमान में कहा कि मंगलवार को ग्रीन अलर्ट के तहत आसमान में बादल छाए रह सकते है। दोपहर बाद कहीं कहीं हल्की बूंदाबांदी हो सकती है। लेकिन इस दौरान 40-50 किमी प्रति घंटा की गति से हवाएं चल सकती है।

खबर संक्षेप

राष्ट्रीय ध्वज के आस-पास सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर को लिखा पत्र

नई दिल्ली। जनहित प्रयास समिति ने दिल्ली में जगह जगह लगे राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा के आस पास सफाई व्यवस्था को लेकर महापौर प्रवेश वाही को पत्र लिखा है। इस बारे में जनहित प्रयास समिति के महासचिव हितेश शर्मा ने बताया कि पूरी दिल्ली में लगभग 500 स्थानों पर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा झंडा के आसपास नियमित एवं सुचारू सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए महापौर को पत्र लिखा है। पत्र के माध्यम से महापौर का ध्यान दिल्ली के गौरव और हमारी राष्ट्रीय आन-बान-शान के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज से जुड़े एक अत्यंत संवेदनशील विषय की ओर आकर्षित कराया है।

डीयू : मेडिकल स्टोर खोलने की मांग

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस (शिक्षक संगठन) के चेयरमैन प्रोफेसर हंसराज सुमन ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखा है। पत्र के अनुसार, दिल्ली विश्वविद्यालय के नॉर्थ कैंपस स्थित पटेल चेस्ट इंस्टीट्यूट, स्वास्थय केंद्र के निकट मेडिकल स्टोर खोलने की मांग की है। बता दें कि फिलहाल हैल्थ सेंटर, भीमराव अम्बेडकर कॉलेज (पूर्वी दिल्ली), शिवाजी कॉलेज (पश्चिमी दिल्ली) साउथ कैंपस आदि स्थानों पर चल रहे हैं। डीयू हेल्थ सेंटर के डॉक्टरों द्वारा लिखी गई दवाइयाँ कैंपस के आसपास नहीं मिलती।

आईपी यूनिवर्सिटी ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में 17 जून तक भागीदारी का अवसर

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के 12 प्रोग्राम में दाखिले के लिए चल रही ऑनलाइन काउंसलिंग प्रक्रिया में कल, 17 जून तक भागीदारी की जा सकती है। आईपीयू के जनसंपर्क अधिकारी डॉ. नलिनी रंजन ने सोमवार को यह जानकारी दी। प्रशासन ने बताया कि एलएलएम, बीसीए, बीए एलएलबी / बीबीए एलएलबी, बी.एड , बीबीए / बीबीए-एमबीए इंटीग्रेटेड, बीए जेएमसी, डिप्लोमा धारकों के लिए लेटरल एंट्री टू बी.टेक, बी.टेक, बी.कॉम (ऑनर्स), बी.एड (विशेष शिक्षा), चार वर्षीय बीए अंग्रेजी (ऑनर्स), चार वर्षीय बीए अर्थशास्त्र (ऑनर्स) हैं। इन बारह प्रोग्राम में एलएलएम में दाख़िले नेशनल लेवल टेस्ट्स क्लैट पीजी, एलएलबी में क्लैट यूजी और बी. टेक में जेईई मेंस पेपर वन से होंगे। आईपीयू प्रशासन ने बताया कि नेशनल लेवल टेस्ट्स आधारित इन तीनों प्रोग्राम में 17 जून तक ऑनलाइन पंजीकरण भी किया जा सकता है। इस अवधि में आरक्षित श्रेणी के दस्तावेज़ एवं अन्य जरूरी कागज़ात अपलोड किये जा सकते हैं, विकल्प चयन किया जा सकता है और भरे हुए फॉर्म को एडिट किया जा सकता है।

15 हजार से अधिक नागरिकों की भागीदारी से यमुना स्वच्छता अभियान बना जन आंदोलन : प्रवेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार द्वारा यमुना स्वच्छता अभियान के तहत 15 हजार से अधिक नागरिकों की भागीदारी ने जन आंदोलन का रूप लिया। इस दौरान 116.6 मीट्रिक टन कचरा हटाकर दिल्ली ने यमुना स्वच्छता का नया अध्याय लिखा है। दिल्ली के जल, लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार ने यमुना को स्वच्छ, निर्मल और अविरल बनाने के संकल्प को जनभागीदारी का स्वरूप देते हुए रविवार को राजधानी के 28 प्रमुख यमुना घाटों पर एक साथ 'मां यमुना तट स्वच्छता अभियान' आयोजित किया। मंत्री प्रवेश ने कहा कि दिल्ली सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता और जनभागीदारी के विजन से प्रेरित होकर यमुना पुनर्जीवन के लिए लगातार कार्य कर रही है। यमुना की सफाई किसी एक दिन का अभियान नहीं है। यह एक सतत संकल्प है, जिसे सरकार और समाज को मिलकर आगे बढ़ाना होगा। यदि हम सभी यह निश्चय करें कि यमुना में कचरा नहीं जाएगा, तो यमुना को स्वच्छ बनने से कोई नहीं रोक सकता। मंत्री प्रवेश ने बताया कि इस ऐतिहासिक अभियान में 15 हजार से अधिक नागरिकों, स्वयंसेवकों, सामाजिक संगठनों, आरडब्ल्यूए, विभिन्न सरकारी विभागों और एजेंसियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अभियान के दौरान यमुना घाटों, नदी तटों, पहुंच मार्गों और आसपास के सार्वजनिक क्षेत्रों की व्यापक सफाई की गई तथा 116.6 मीट्रिक टन कचरे को एकत्र कर वैज्ञानिक तरीके से निस्तारित किया गया। दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली जल बोर्ड, नगर निगम, राजस्व विभाग सहित कई विभागों ने संयुक्त रूप से इस अभियान को सफल बनाया।

कांग्रेस ने यमुना सफाई अभियान को बताया नाटक 1500 करोड़ खर्च की जांच की मांग

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अगुवाई में रविवार को हुए यमुना सफाई अभियान को एक बार फिर दिल्ली कांग्रेस ने नाटक करार दिया है। सोमवार को बयान जारी करते हुए प्रदेश के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ. नरेश कुमार ने आरोप लगाए कि यमुना की सफाई के नाम पर रेखा सरकार नाटक बंद करे। क्योंकि 1500 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद यमुना और अधिक प्रदूषित हो चुकी है। आज यमुना में 23 गंदे नाले गिर रहे हैं, इसलिए विज्ञापनबाजी और क्रूज़ की राजनीति छोड़कर ठोस कदम उठाए। डॉ. नरेश ने मांग करते हुए कहा कि यमुना सफाई पर 1500 करोड़ रुपये खर्च का स्वतंत्र ऑडिट कराया जाए। अगर यह स्वतंत्र ऑडिट हो जाए तो ताकि जनता के सामने सच्चाई आएगी और यमुना के नाम पर किए गए घोटाले का पर्दाफाश भी हो जाएगा।

ऐसे ही चलता रहा कार्य, तो दिसंबर 2026 तक खत्म हो जाएगा भलस्वा कूड़े का पहाड़

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सबसे बड़े पर्यावरणीय संकटों में शामिल भलस्वा कूड़े के पहाड़ को खत्म करने की दिशा में नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा कार्य अब तेजी पकड़ता दिखाई दे रहा है। स्थल पर चल रहे कार्य की ताजा तस्वीरें संकेत देती हैं कि यदि वर्तमान गति बरकरार रही तो दिसंबर 2026 तक भलस्वा कूड़े के पहाड़ को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। यहां कूड़े के विशाल ढेर पर भारी मशीनरी, बड़े बड़े वाहन सिस्टम और कई डंपर लगातार काम करते नजर आ रहे हैं। कूड़े के इस पहाड़ के विभिन्न हिस्सों में कूड़े की खुदाई, छंटाई और निस्तारण का कार्य जारी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि निगम द्वारा पुराने कचरे के वैज्ञानिक निपटान की प्रक्रिया को गति देने का प्रयास किया जा रहा है। बता दें कि भलस्वा लैंडफिल साइट लंबे समय से आसपास के क्षेत्रों के निवासियों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई है। गर्मियों में बदबू, धूल और आग लगने की घटनाएं तथा वर्षा के दौरान प्रदूषित पानी का रिसाव स्थानीय लोगों के स्वास्थय और पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती रहा है। ऐसे में कूड़े के पहाड़ को समाप्त करने की दिशा में हो रही प्रगति स्थानीय निवासियों के लिए राहत की उम्मीद लेकर आई है।

वैज्ञानिक मानकों का करना होगा सख्ती से पालन

निगम नेताओं और अधिकारियों का दावा है कि लक्ष्य की समय पर प्राप्ति के लिए कार्य की वर्तमान गति को बनाए रखना होगा और वैज्ञानिक मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। साथ ही दिल्ली में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले नए कचरे के प्रभावी प्रबंधन पर भी समान रूप से ध्यान देना आवश्यक है, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह मशीनें और संसाधन लगातार लगे रहे, तो वर्षों से दिल्ली की पहचान बन चुका भलस्वा का कूड़े का पहाड़ दिसंबर 2026 तक इतिहास बन सकता है।

'फिर क्षतिग्रस्त हुई एमटीएनएल की केबल, राजस्व सेवाएं ठप'

प्रमाणपत्रों के बनने का इंतजार कर रहें लोग, सरकार के डिजिटल शासन के दावों पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार के डिजिटल प्रशासन और नागरिक सेवाओं को घर-घर पहुंचाने के दावों के बीच एक बार फिर बुनियादी संचार व्यवस्था की कमजोरी सामने आई है। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के अंतर्गत आउटर नॉर्थ जिले के अंतर्गत नरेला एसडीएम कार्यालय की सेवाएं दोबारा प्रभावित होने से आय, जाति, निवास, ईडब्ल्यूएस समेत विभिन्न प्रमाणपत्रों के लिए आवेदन करने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले एमटीएनएल की ऑप्टिकल फाइबर केबल जल जाने के कारण अलीपुर स्थित राजस्व कार्यालय की इंटरनेट सेवाएं प्रभावित हुई थीं। अभी यह समस्या पूरी तरह से सुलझ भी नहीं पाई थी कि सोमवार को खेड़ा कलां गांव में एयरटेल द्वारा की गई खुदाई के दौरान एमटीएनएल की भूमिगत केबल क्षतिग्रस्त होने की सूचना है। इससे एक बार फिर इंटरनेट और ऑनलाइन सेवाओं पर असर पड़ा है। लोगों का कहना है कि यदि सरकारी कार्यालयों की इंटरनेट व्यवस्था किसी एक नेटवर्क या केबल पर निर्भर रहेगी तो इस प्रकार की समस्याएं बार-बार सामने आती रहेंगी। सवाल यह भी उठ रहा है कि महत्वपूर्ण सरकारी सेवाओं के लिए वैकल्पिक इंटरनेट कनेक्टिविटी, बैकअप नेटवर्क और आपदा प्रबंधन व्यवस्था क्यों नहीं विकसित की गई।

खुदाई कार्य के दौरान केबल को हुआ नुकसान

एमटीएनएल के क्षेत्रीय अधिकारी ने पुष्टि करते हुए कहा कि खेड़ा कलां क्षेत्र में निजी कंपनी के खुदाई कार्य के दौरान केबल को नुकसान पहुंचा है, जिसके कारण संबंधित सेवाएं प्रभावित हुई हैं। विभाग की तकनीकी टीम मरम्मत कार्य में जुटी हुई है। फिलहाल लोग सेवाएं बहाल होने का इंतजार कर रहे हैं, जबकि संबंधित विभागों पर जल्द से जल्द समस्या का समाधान करने का दबाव बढ़ता जा रहा है।

छात्रों और आम नागरिकों की बढ़ी मुश्किलें

राजस्व विभाग से जारी होने वाले आय, जाति, निवास और ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र उच्च शिक्षा, छात्रवृत्ति, प्रवेश प्रक्रिया और विभिन्न सरकारी योजनाओं के लिए अनिवार्य दस्तावेज हैं। ऐसे में सेवाएं बाधित होने से बड़ी संख्या में छात्रों, अभिभावकों और आम नागरिकों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। लोगों का कहना है कि सरकार लगातार डिजिटल सेवाओं को बढ़ावा देने की बात करती है, लेकिन एक केबल क्षतिग्रस्त होने से पूरी व्यवस्था ठप पड़ जाना चिंता का विषय है।

डीडीए ने बढ़ाई कर्मयोगी आवास योजना की अंतिम तिथि

नई दिल्ली। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने लोगों की बेहद मांग का हवाला देते हुए एक बार फिर कर्मयोगी आवास योजना की अंतिम तिथि को बढ़ाने की घोषणा की है। डीडीए के अनुसार अब कर्मयोगी आवास योजना 30 जून 2026 तक लागू रहेगी। इस बारे में डीडीए के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कर्मयोगी आवास योजना को लेकर लोगों में बेहद उत्साह है, इसी अंतिम तिथि को बढ़ाने की मांग हो रही थी जिसके बाद उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू से मंजूरी लेकर इसकी समय सीमा 30 जून तक बढ़ाई गई है। अधिकारी के अनुसार यह योजना नरेला के पॉकेट -6, 9 और 13 व ए1-ए4 सेक्टर में डेवलप की गई है। जिसमें वर्तमान सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को फ्लैट की कीमत में 25 प्रतिशत की भारी छूट दी जा रही है। डीडीए द्वारा इन फ्लैट्स को पहले आओ पहले पाओ के आधार पर बेचा जा रहा है। इस योजना में 61.27 वर्ग मीटर के कुल 424 वन बीएचके फ्लैट हैं। इनकी शुरुआती कीमत 33.63 लाख रुपये है। साथ ही 126 वर्ग मीटर के 776 टू बीएचके फ्लैट हैं, जिनकी कीमत 75.55 लाख रुपये से शुरू होती है। वहीं, थ्री बीएचके के 352 फ्लैट भी हैं। इनका एरिया 164.54 वर्गमीटर है और इनकी कीमत 106.79 लाख रुपये से शुरू होती है।

उपराज्यपाल ने विकासपुरी में आधार सेवा केंद्र का किया उद्घाटन

आधार अब सिर्फ डिजिटल पहचान नहीं बल्कि एक प्रमुख स्तंभों में से एक : तरनजीत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आधार अब सिर्फ एक डिजिटल पहचान प्लेटफ़ॉर्म नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रमुख स्तंभों में से एक बन गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोमवार को पश्चिमी दिल्ली के विकासपुरी में आधार सेवा केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

उन्होंने कहा कि आधार से सीधे फायदे पहुंचाने (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफ़र) में बेहद आसानी होती है जो वित्तीय समावेश को मजबूत बनाता है। साथ ही नागरिकों और संस्थाओं के बीच एक मजबूत स्तंभ बनाकर बड़े पैमाने पर गवर्नेंस के बेहतर नतीजे सुनिश्चित करता है। उप-राज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि यह पहल राजधानी दिल्ली में नागरिकों पर केंद्रित सेवा वितरण को और ज्यादा मजबूत करने और डिजिटल गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर तक पहुंच बढ़ाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। इस मौके पर दिल्ली के परिवहन, स्वास्थय और आईटी मंत्री और विकासपुरी के विधायक डॉक्टर पंकज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। साथ ही पश्चिमी दिल्ली की सांसद कमलजीत सहरावत, पश्चिमी दिल्ली के जिलाधिकारी, यूनिक आइडेंटिफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई) के वरिष्ठ अधिकारी, जन-प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उप-राज्यपाल ने पिछले एक दशक में भारत के गवर्नेंस इकोसिस्टम में आधार की परिवर्तनकारी भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी पर आधारित सुधारों ने गवर्नेंस को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और सुलभ बनाकर सार्वजनिक सेवा वितरण में महत्वपूर्ण सुधार किया है।

इस अवसर पर दिल्ली के परिवहन, स्वास्थय और आईटी मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हाल ही में शुरू हुए आधार सेवा केंद्र से पश्चिमी दिल्ली और आस-पास के पूरे इलाकों के नागरिकों को आधार से जुड़ी सेवाओं तक बेहतर पहुंच मिलेगी, जिससे लोगों को बहुत ज्यादा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि विकासपुरी केंद्र के शुरू होने से नागरिकों को आधार एनरोलमेंट, अपडेट और उससे जुड़ी अन्य दूसरी सेवाओं के लिए इंद्रलोक, प्रगति मैदान और ऐसी ही दूरस्त केंद्रों पर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने नागरिक-केंद्रित सेवाओं के विस्तार और डिजिटल गवर्नेंस तक पहुंच बढ़ाने के लिए यूआईडीएआई के प्रयासों की जमकर सराहना की।

बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर सभी 14 जिलों में सफलतापूर्वक किया संपन्न : यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाया गया बीएलए-2 प्रशिक्षण शिविर सभी 14 जिलों में सफलतापूर्वक आयोजन संपन्न हो गया है। इसको लेकर प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा 14 जिलों में सफलतापूर्वक आयोजन साबित करता है कि कांग्रेस जमीन स्तर पर 13026 बूथों पर बहुत मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस पार्टी के बीएलए-2 की जिम्मेदारी है कि अपने बूथ की वोटर लिस्ट में मतदाताओं की एक-एक करके जांच करें, कि

कहीं किसी वैध मतदाता का वोट किसी साजिश के तहत काटा तो नही गया है। यादव सोमवार को अम्बेडकर भवन में करोल बाग जिला कांग्रेस कमेटी का प्रशिक्षण शिविर वोट बचाओ, लोकतंत्र बचाओ में बोल रहे थे। इस मौके पर यादव के अलावा बूथ मैनेजमेंट कमेटी के चेयरमैन राजेश गर्ग, पूर्व मंत्री डॉ नरेंद्र नाथ, पार्टी मुख्यालय इंचार्ज मनीष चतरथ, महासचिव संगठन अनिल भारद्वाज, पूर्व विधायक हरि शंकर गुप्ता व राजेश लिलोठिया, जिला अध्यक्ष महेन्द्र भास्कर सहित अन्य मौजूद थे। इस अवसर पर यादव ने कहा कि भाजपा की वोट धांधली के खिलाफ सभी 13026 बूथों पर बीएलए-2 नियुक्त किए है। सभी 14 जिलों में एसआईआर प्रशिक्षण शिविरों के सफल आयोजन के बाद मैं विश्वास के साथ कह सकता हु कि सभी बूथों पर कांग्रेस की टीम मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस के बीएलए-2 की जिम्मेदारी है कि अपने अपने बूथ की वोटर लिस्ट में मतदाताओं की एक-एक करके जांच करें, कि कहीं किसी वैध मतदाता का वोट किसी साजिश के तहत काटा तो नही गया है। उन्होंने कहा कि एक बूथ पर 1200 के लगभग मतदाता होते है और 200-250 घर होते है। अगर आप अपने क्षेत्र के 400-500 लोगों को जानते है, उनके अलावा अगर ईमानदारी से 50-60 घरों में जाकर गंभीरता पूर्वक लोगों से सम्पर्क साध कर जांच करेंगे, तो कोई सूरत नही कि कोई भी वहां अवैध रूप में वोट बनाने और वैध वोट काटने का काम कर सके।

खबर संक्षेप

चोरी के मामले में टीम ने दो आरोपियो को दबोचा

फरीदाबाद। बीते 9 जून को नीलम बाटा रोड स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीनने व उसकी मोटरसाइकिल चोरी करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर 56 की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। जिनकी पहचान अमित कुमार एवं राहुल निवासी पंचफेडवा जिला बलिया हाल निवासी सेक्टर-22 फरीदाबाद के रूप में हुई है। अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपियों ने मिलकर वारदात को अंजाम दिया था। राहुल मोटरसाइकिल पर आया और शिकायतकर्ता के हाथ से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गया। जब शिकायतकर्ता राहुल के पीछे दौड़ा, तो अमित शिकायतकर्ता की मोटरसाइकिल चोरी कर ले गया।

अवैध हथियार रखने के मामले पांच गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस की विभिन्न अपराध शाखाओं की टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 4 अवैध देसी कट्टे बरामद किए हैं। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि अपराध शाखा डीएलएफ की टीम ने रजत निवासी धीरज नगर फरीदाबाद को गिरफ्तार किया, कब्जे से एक अवैध देसी कट्टा बरामद हुआ। अपराध शाखा की टीम ने सूरज साहनी निवासी क्षेत्र कोतवाली, फरीदाबाद को गिरफ्तार किया। पूछताछ में सूरज ने बताया कि उसने बरामद देसी कट्टा आजाद निवासी आजमगढ़ लोना, यूपी हाल निवासी कोतवाली क्षेत्र फरीदाबाद से लिया था।

भजनों में समां बांधा, श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस भक्तिमय आयोजन का आनंद उठाया

मंदिर प्रांगण में सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर का 68वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गयाः राजेश भाटिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

सिद्धपीठ श्री हनुमान मंदिर मार्किट नंबर 1 का 68वां वार्षिकोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ मनाया गया। मंदिर प्रांगण में सां 7:30 बजे बालाजी की चौकी की गई इस दौरान भजन गायक रोहित कपूर तथा दीपक लक्खा ने अपने भजनों ने समां बांधाए श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर इस भक्तिमय आयोजन का आनंद उठाया व सभी श्रद्धालु बालाजी के भजनों पर खूब झूमते हुए दिखे। अंत बालाजी के केक काट कर प्राण-प्रतिष्ठा दिवस मनाया गया इसके पश्चात सभी श्रद्धालओं में प्रशाद वितरित किया गया और भंडारा वितरित किया गया।

आज सुबह हवन का आयोजन किया गया, जिसमें मंदिर के प्रधान डा. राजेश भाटिया सहित मंदिर कमेटी के अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों सहित गणमान्य लोगों ने आहुति डाली। इसके उपरांत 21 बार हनुमान चालीसा का पाठ किया गया तत्पश्चात पूजा-अर्चना की गई पूजा में मुख्य यजमान वार्ड नं 9 की पार्षद संगीता भाटिया व नीरज भाटिया रहे, उसके बाद बाला जी की भव्य चौकी का आयोजन किया गया। इस दौरान भजन गायक रोहित कपूर ने बालाजी का गुणगान किया और उनके मनमोहक भजनों से हर श्रद्धालु का मन आनंदित हो उठा और भक्तिमय होकर नाचने पर मजबूर होना पड़ा तथा सभी ने एक स्वर में जयकारे लगाकर बालाजी के चरणों में आशीष झुकाया। इसके उपरांत केक काटकर बालाजी व अन्य देवी देवताओं को भोग लगाया गया और प्रसाद लोगों में वितरित किया गया, तत्पश्चात दोपहर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर मंदिर के प्रधान डा. राजेश भाटिया ने बताया कि हनुमान जी की प्राण.प्रतिष्ठा दिवस एवं मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गयाए हजारों श्रद्धालुओं ने इसमें भाग लिया और पिछले कई दिनों से इस आयोजन को लेकर मंदिर प्रबंधन कमेटी की बैठक करके रुपरेखा तय की गई है। शहर के अनेकों गणमान्य लोगों ने इस आयोजन में हिस्सा लेकर आर्शीवाद प्राप्त किया। डॉ.भाटिया ने कहा कि हर वर्ष हमारा प्रयास यही रहता है कि मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया जाए ताकि इस आयोजन में आने वाले श्रद्धालु इसका पूरा आनंद उठा सके। इस मौके पर जगदीश भाटिया, बलजीत भाटिया, संजीव ग्रोवर, संजय अरोड़ा, बब्बू भाटिया, मोहन लाल अरोड़ा, महंत विष्णु दास ओल्ड फरीदाबाद, कैलाश गुगलानी, वेद भाटिया मामा, वेद भाटिया, बंसी लाल कुकरेजा, सचिन ठाकुर, इशांत कथूरिया, लोचन भाटिया, हरीश भाटिया, मुकेश आदि।

ग्राम कौराली में व्यापक वृक्षारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर मंत्री राजेश नागर ने किया मंडल प्रवास

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य लोगो को जागरूक करना | प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर हरियाणा सरकार में मंत्री राजेश नागर ने तिगांव मंडल प्रवास के अंतर्गत ग्राम कौराली में विशेष वृक्षारोपण किया और जनता को सरकार की नीतियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मंत्री राजेश नागर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन ने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ सामाजिक भागीदारी को भी मजबूत किया है।

उन्होंने कहा कि बढ़ता प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन आज वैश्विक चुनौती बन चुके हैं जिनसे निपटने के लिए वृक्षारोपण सबसे प्रभावी उपायों में से एक है। प्रत्येक नागरिक को अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभानी चाहिए।

मंत्री ने कहा कि हरित वातावरण न केवल प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने में सहायक है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और स्वस्थ जीवन प्रदान करने का माध्यम भी है। उन्होंने सभी नागरिकों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास करने तथा अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों, सामाजिक संस्थाओं, युवाओं, जनप्रतिनिधियों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सीमा भारद्वाज, मंडल तिगांव अध्यक्ष कृष्ण पहलवान, मंडल खेड़ी अध्यक्ष सुधीर मेहता, मार्केट कमेटी अध्यक्ष राजेश सरपंच, उप चेयरमैन श्रीपाल शर्मा, सरपंच तिगांव अधाना वेद अधाना, सरपंच तिगांव नागर विक्रम नागर, जिला सचिव गिर्राज त्यागी, सरपंच मंधावली बृजेश शर्मा, सरपंच फज्जूपुर कमल भाटी, पर्यावरण प्रकोष्ठ ललित भारद्वाज, पंचायती राज जिला संयोजक विनय भाटी, अजब सरपंच, सतवीर सरपंच, शिवकुमार सरपंच, अशोक सरपंच, महामंत्री नेहपाल, देवी मेंबर, ब्लॉक मेंबर कुलदीप सरधाना, जसवंत अधाना एवं सुनील कुमार, सरपंच मुकेश, हरिओम शर्मा, सुनील सरधाना, राधेश्याम पंडित, देवेंद्र तंवर, वीरपाल जैलदार, ब्लॉक मेंबर नरेंद्र एडवोकेट आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मुलाकात के दौरान युवाओं से जुड़े मुद्दे पर चर्चा हुई

संविधान और सामाजिक न्याय की लड़ाई के अग्रदूत हैं खड़गे: सुखबीर कटारिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

हरियाणा के पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया और युवा कांग्रेस हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष निशित कटारिया ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने उन्हें राज्यसभा सांसद चुने जाने पर बधाई दी और हरियाणा के सियासी हालात पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान हरियाणा में कांग्रेस की गतिविधियों, जनआंदोलनों और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। कांग्रेस को मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और जनहित के मुद्दों पर संघर्ष तेज करने की रणनीति पर भी बात हुई। पूर्व मंत्री सुखबीर कटारिया ने बताया कि दक्षिण हरियाणा और गुरुग्राम लोकसभा में कांग्रेस किसानों, मजदूरों, युवाओं और आमजन की आवाज मजबूती से उठा रही है। आज लोकतांत्रिक संस्थाओं पर दबाव है, जनता महंगाई-बेरोजगारी से त्रस्त है। ऐसे में मल्लिकार्जुन खड़गे का अनुभवी नेतृत्व कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भर रहा है। वहीं निशित कटारिया ने एक साल के कार्यकाल में युवाओं के हितों के लिए चलाए गए आंदोलनों की जानकारी दी। एचएसएससी कार्यालय घेराव, नीट पेपर लीक और सीबीएसई अनियमितताओं के खिलाफ कुरुक्षेत्र में दीपेंद्र हुड्डा और उदयभानु चिब के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन का जिक्र किया।

हरियाणा प्रदेश विचार विभाग की बैठक फरीदाबाद में हुई

मोदी सरकार की विदेश नीति फेल, पड़ोसी देश भी नहीं खड़े साथः डावर

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी विचार-विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन कैप्टन प्रवीन डावर ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विदेश नीति अब तक के शासनकालों में सबसे खराब रही है। मोदी विदेशों की यात्रा सबसे ज्यादा करके वाहवाही लूटते है जब वक्त आता है तो पड़ौसी देश भी साथ नहीं मिलते। कांग्रेस की जब सरकार थी तो प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह के नेतृत्व में एक ऐसी विदेश नीति थी कि उन्होंने अपने प्रधानमंत्री काल में देश को विश्व के विकसित देशों में शामिल करने का काम किया था। भारत की पहचान विश्व में बनाई थी। आर्थिक नीतियों में भी कांग्रेस की सरकार अव्वल दर्जे पर थी। मगर आज हालात इस कद्र होते जा रहे है कि देश संकट के दौर से गुजर रहा है आने वाले समय में आर्थिक सुनामी आने के संकेत दिख रहे है न ही युवाओं के पास रोजगार है और न ही गरीबों के पास दो जून की रोटी। डावर आज सैक्टर-9 स्थित जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी विचार-विभाग की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। इस अवसर पर एआईसीसी विचार विभाग की उपाध्यक्ष डा. नीता मिश्रा, डा. जया शुक्ला, जिला कांग्रेस के अध्यक्ष बलजीत कौशिक विशेष रूप से मौजूद थे। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश कांग्रेस विचार विभाग के चेयरमैन विनोद कौशिक ने की। वहीं आए हुए सभी अतिथियों का बुक्के व माला के साथ-साथ पगड़ी बांधकर स्वागत किया और विचार-विभाग द्वारा किए गए कार्यों की रिपोर्ट भी पेश की।

डावर ने कहा कि आज देश को जात-पात के चक्कर में घूमा कर बांटने का काम किया जा रहा है। भाई को भाई से लड़ाकर व हिन्दू-मुस्लिम करके माहौल को पूरी तरह खराब कर दिया है।

प्राकृतिक हीरों का नया कलेक्शन है नुवा

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने नया डायमंड कलेक्शन नुवा लॉन्च किया है। नुवा का मतलब ही है प्रकृति की अनदेखी कला का जश्न। इसमें स्ट्राइप्स, ऑर्गेनिक शेप्स और नैचुरल टेक्सचर को हीरों के साथ खूबसूरती से उकेरा गया है। इस कलेक्शन को करीना कपूर खान प्रमोट कर रही हैं। मलाबार का कहना है कि करीना की सहज शालीनता और मॉडर्न एटीट्यूड नुवा की सोच से बिल्कुल मैच करता है। मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एमपी अहमद ने कहा कि नुवा के जरिए हम प्रकृति की उन बनावटों को हीरों में ढालना चाहते थे जो चुपचाप दुनिया को खूबसूरत बनाती हैं। ये कलेक्शन प्रकृति का सुकून और मॉडर्न डिजाइन का स्टाइल एक साथ लाता है। कलेक्शन की प्रत्येक डिजाइन में प्रकृति की सहज कलात्मकता और उत्कृष्ट शिल्पकला का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसकी प्रेरणा आकर्षक स्ट्राइप्स, हनीकॉम्ब पैटर्न्स, प्रवाहमयी आकृतियों तथा धरती द्वारा रचे गए ऑर्गेनिक फॉर्मेशन्स और प्राकृतिक बनावटों से ली गई है। प्राकृतिक सौंदर्य और समकालीन डिज़ाइन का यह शानदार मेल नुवा को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है, जो आधुनिक महिलाओं के लिए परिष्कृत लग्जरी और कालातीत आकर्षण का प्रतीक है।

120 रक्तवीरों ने किया रक्तदान

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने लगाया रक्तदान शिविर सामाजिक संस्थाओं ने रक्तदाओं को आशीर्वाद दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

फरीदाबाद। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन फरीदाबाद द्वारा एक रक्तदान शिविर का आयोजन कम्युनिटी सेन्टर सेक्टर-15 फरीदाबाद में आयोजित किया गया। इस कैंप में 120 लोगों ने रक्तदान कर के इसमें भाग लिया। बहुत से डाक्टरों ने स्वयं भी रक्तदान करके यह संदेश दिया कि रक्त दान करने से कोई नुकसान नहीं होता। मुख्य अतिथि के रूप में हरियाणा सरकार के मंत्री राजेश नागर आए। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी रक्तदाताओं को आशीर्वाद दिया। सबसे बड़ा आकर्षण का केंद तब रहा जब विपुल शर्मा, जोकि एक दिव्यांग है और व्हील चेयर पर चलते हैं, उन्होंने स्वयं व्हील चेयर से उतर कर टेबल पर चढ़ कर पहली बार रक्तदान किया। रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाने के लिये मेयर प्रवीन बतरा जोशी, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, पार्षद कुलदीप साहनी, मनोज नासवा, जसवंत सैनी, दीपक यादव, रमेश अग्रवाल, राजेश चेची, बिजेन्द्र सोरोत, पुरुषोत्तम सैनी, दीपक प्रसाद, संजय वधावन, रविंदर डूडेजा, विपुल शर्मा, ममता राघव, संगीता नेगी, अनुराग गर्ग, राजेश खटाना एडवोकेट ने इस कैंप में भाग लिया। आईएमए के प्रधान डॉ राजीव गुंबर ने सभी रक्तवीरों का दिल से धन्यवाद किया। रक्तदाताओं में सबसे पहले डॉ राकेश कपूर ने रक्तदान किया। उनके अलावा डॉ अमित अरोड़ा, डॉ अर्चित अग्रवाल, डॉ कुमार आशुतोष, डॉ पुनीत मित्तल, डॉ प्रतुल, डॉ अधिश्वर, डॉ अभिषेक गुंबर ने भी रक्तदान किया। सचिव डॉ अनुज ढींगरा ने डॉ पुनीता हसीजा, डॉ सुरेश अरोड़ा, डॉ हेमंत अत्री, डॉ विनय अरोड़ा आदि।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सूरज पुत्रः जय नन्दन प्रसाद पताः मकान नं. 413, फेस–4, सेक्टर–26, रोहिणी दिल्ली** ने case **FIR No. 472/2020 U/s 325/341/506/34 IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सूरज** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 472/2020 U/s 325/341/506/34 IPC, थानाः शाहबाद डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सूरज** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकद्मा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 17.07.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पंवार
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी–05
उत्तर, कोर्ट नं. 114, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8048/ON/2026 (Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **राजू** पुत्र मो. मियाँ, निवासी मकान नं. बी–87, गली नं. 7, कबीर नगर, दिल्ली दूसरा पताः मोहम्मद मियाँ, चौक चमन सराय के पास, संभल, (उ.प्र.) ने प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 158 / 2019 धारा 153ए / 295ए / 34 भा.द.स. के तहत थाना शाहदरा, दिल्ली के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **राजू** मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **राजू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसके खिलाफ माननीय अदालत द्वारा धारा 82 Cr.P.C. की कार्यवाही जारी हो चुकी है। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि प्रथम सूचना रिपोर्ट सं. 158 / 2019 धारा 153ए / 295ए / 34 भा.द.स. के तहत थाना शाहदरा, दिल्ली के उक्त अभियुक्त **राजू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **27.07.2026** को हाजिर हो।

आदेशानुसारः श्री मोहित शर्मा,
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी,
कमरा नं. 59, तृतीय तल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/7954/SHD/2026

भाजपा सरकार पर लगाया आरोप

एसआईआर को लेकर सरकार की मंशा में खोट समय से पहले ही कर दी मैंपिंगः करण सिंह दलाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा के पूर्व मंत्री एवं फरीदाबाद-पलवल की एसआईआर (मतदाता पुनरीक्षण अभियान) के कमेटी के प्रभारी करण सिंह दलाल ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार एसआईआर के नाम पर लोगों को गुमराह करने का काम कर रही है और गड़बड़झाले में लगी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज तक कांग्रेस के फरीदाबाद व पलवल जिलों के अध्यक्षों के अलावा पार्टी द्वारा बनाए गए बीएलए-2 को चुनाव आयोग द्वारा 2002 और 2024 की वोटर लिस्ट अभी तक नहीं उपलब्ध कराई हैं।

जबकि एसआईआर का काम आज से शुरू हो गया है और न ही चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी द्वारा बनाए गए बीएलए-2 की लिस्ट को अपनी वेबसाइट अपलोड़ नहीं किया है। जबकि कांग्रेस पार्टी ने उनको लिस्ट सौंप दी है। जबकि पूछे जाने पर आयोग का कहना है कि कांग्रेस पार्टी द्वारा कोई लिस्ट सौंपी ही नहीं गई। वहीं एसआईआर मैंपिग पहले ही कर दी है जबकि मैंपिग राजनैतिक पार्टियों के बीएलए टू व बीएलए वन के सामने की जानी थी। इससे साफ जाहिर है कि एसआईआर को लेकर भाजपा सरकार की नीयत ठीक नहीं है। उन्हें तो इसमें गड़बड़ घोटाले की बू आ रही है। दलाल आज सैनिक कालोनी स्थित जिला कांग्रेस के सचिव बलजीत अरोड़ा के कार्यालय पर बडख़ल विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस द्वारा बनाए गए बीएलए-2 की बैठक को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बलजीत कौशिक ने की। जबकि विशेष रूप से विजय प्रताप सिंह के पुत्र एवं युवा कांग्रेस नेता विधान प्रताप ने आए हुए सभी नेताओं का स्वागत किया और बड़खल विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलए-2 से परिचय करवाया। दलाल ने बीएलए टू से आह्वान किया कि सरकार द्वारा एसआईआर की मैंपिग का कार्य आज से शुरू होना था मगर उन्हें सूचना मिली है कि मैंपिंग कार्य पहले ही शुरू कर दिया गया है। बीएलए टू इसका ध्यान रखें। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों से मतदाता सूचियों में गड़बडिय़ों तथा पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जाने संबंधी शिकायतें सामने आ रही हैं। ऐसी स्थिति में कांग्रेस के सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे पुनरीक्षण प्रक्रिया पर लगातार नजर रखें तथा आम नागरिकों की सहायता करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती मतदाता की भागीदारी पर निर्भर करती है और मतदान का अधिकार प्रत्येक नागरिक का सबसे महत्वपूर्ण संवैधानिक अधिकार है। यदि किसी पात्र मतदाता का नाम सूची से हट जाता है तो उसे दोबारा जुड़वाने की प्रक्रिया कई बार जटिल, समय लेने वाली और परेशान करने वाली साबित होती है।

पुलिस चौकी नवीन नगर की सराहनीय

13 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को 24 घंटे के भीतर सकुशल बरामद कर परिजनों से मिलाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम ने तत्परता एवं तकनीकी दक्षता का परिचय देते हुए एक 13 वर्षीय गुमशुदा बच्चे को मात्र 24 घंटे के भीतर उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों से मिलाने का सराहनीय कार्य किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 जून को पुलिस चौकी नवीन नगर में सूचना प्राप्त हुई कि शिव एन्क्लेव पार्ट-3 निवासी एक 13 वर्षीय बालक बिना किसी को बताए घर से कहीं चला गया है। बच्चे के अचानक लापता होने से परिवार के सदस्य बेहद चिंतित थे। सूचना मिलते ही चौकी प्रभारी नवीन नगर उप निरीक्षक रमेश चंद ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एक विशेष टीम का गठन किया तथा बच्चे की तलाश के लिए विभिन्न स्तरों पर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस टीम ने तकनीकी सहायता एवं अन्य संसाधनों का उपयोग करते हुए उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद क्षेत्र में बच्चे के होने बारे जानकारी प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम बिना समय गंवाए मुरादाबाद के लिए रवाना हुई और लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप पुलिस टीम ने 15 जून की सुबह बच्चे को मुरादाबाद से सकुशल बरामद कर लिया। आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने के उपरांत बच्चे को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। अपने बच्चे को सकुशल वापस पाकर परिजनों ने फरीदाबाद पुलिस, विशेष रूप से पुलिस चौकी नवीन नगर की टीम का आभार व्यक्त करते हुए उनके त्वरित एवं संवेदनशील प्रयासों की सराहना की है।

गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'जनता दर्शन' में 200 लोगों की सुनी समस्याएं

आर्थिक सहायता हो या आवास, हर जरूरत पर आपके साथ खड़ी है योगी सरकार, एस्टिमेट उपलब्ध कराइए, तत्काल सहायता मिलेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'जनता दर्शन' में आए लोगों को विश्वास दिलाया कि आर्थिक सहायता हो या आवास, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। उन्होंने इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों से कहा कि आप एस्टिमेट बनवाइए और मरीज का ध्यान रखिए, इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दीजिए। वहीं आवास की मांग को लेकर पहुंचे फरियादियों को भी सीएम ने आश्वस्त किया कि सरकार हर जरूरतमंद को निरंतर प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास दिला रही है।

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर प्रवास के दौरान लगातार दूसरे दिन सोमवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित 'जनता दर्शन' में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से उन्होंने कहा कि सरकार इलाज में पूरी मदद करेगी। इसके लिए जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा, फिर भी जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाना सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें इलाज के लिए परेशान न होना पड़े। गोरखनाथ मंदिर परिसर में महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन के दौरान सीएम योगी करीब 200 लोगों से मिले। उनके पास जाकर समस्याएं सुनीं। उनके प्रार्थना पत्रों का अवलोकन कर समस्या, शिकायत का संज्ञान लिया। उन्होंने लोगों को भरोसा दिया कि किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर जरूरतमंद के साथ खड़ी है। कुछ लोगों ने पुलिस व राजस्व से जुड़े मामलों में लेटलतीफी की शिकायत की, तो सीएम ने डीएम को तत्काल मामले का संज्ञान लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए। सीएम योगी ने आवास, शिक्षा, चिकित्सा, बिजली, राजस्व, पुलिस आदि से जुड़े अलग-अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित करते हुए निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए।

गोसेवा की, बच्चों से पढ़ाई के बारे में भी पूछा

समस्याओं का निस्तारण निष्पक्ष व संतुष्टिप्रद हों

बच्चों को पास बुलाकर दुलारा-पुचकारा, चॉकलेट दी

गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान सोमवार सुबह भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दिनचर्या परंपरागत रही। प्रातःकाल गुरु गोरखनाथ और ब्रह्मलीन गुरुदेव महंत अवेद्यनाथ जी का आशीर्वाद लेने के बाद सीएम योगी ने मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। गोवंश को अपने हाथ से गुड़-रोटी खिलाकर उन पर स्नेह बरसाया। मंदिर परिसर का भ्रमण करते हुए उन्होंने परिजनों के साथ आए बच्चों को पास बुलाकर दुलारा-पुचकारा। चॉकलेट दी और पढ़ाई के बारे में भी पूछा। सीएम ने बच्चों को खूब पढ़ने-आगे बढ़ने का आशीर्वाद भी दिया।

खबर संक्षेप

चढ़ावे में गबनः अयोध्या पहुंची एसआईटी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की दान पेटिका में कथित

अनियमितता की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय एसआईटी अयोध्या पहुंच गई है। टीम ने दस्तावेजों व अभिलेखों की जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है। शासन ने एसआईटी को सात दिनों के भीतर प्रारंभिक आतंरिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

प्रणव झा के लिए 28 का आंकड़ा जुटाना चुनौती

रांची। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के समक्ष दोहरी चुनौतियां हैं। पहली जीत दर्ज करने की है तो दूसरी

बड़ी हार को टालने की है। भाजपा समर्थित परिमल नथवाणी की सक्रियता ने प्रदेश कांग्रेस की बेचैनी बढ़ा दी है। प्रदेश कांग्रेस के लिए चुनाव राष्ट्रीय नेतृत्व के समक्ष विश्वास बनाए रखना महत्वपूर्ण है। प्रणव झा राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के सलाहकार हैं।

सीएम का आभार जताने पहली उड़ान से लखनऊ आए किसानों ने कहा-

उनके गांव में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनने से उन्हें मिली बड़ी पहचान, इस विकास कार्य पर गर्व

टी एन मिश्र ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। इसी क्रम में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सोमवार को पहली उड़ान लखनऊ के लिए रवाना हुई, जो कई किसानों के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक पल बन गई। इस उड़ान की सबसे खास बात यह रही कि इसमें यात्री के रूप में वे किसान भी सवार थे, जिन्होंने एयरपोर्ट निर्माण के लिए अपनी जमीन दी थी।

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उतरे किसानों के चेहरे पर खुशी, गर्व और भावुकता साफ दिखाई दी। वे अपने गांव से सीधे प्रदेश की राजधानी में उतरे थे। किसानों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि हवाई जहाज में सफर करने का सालों पुराना उनका सपना आज पूरा हो गया है। किसानों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया। जेवर की रहने वाली पूनम ने बताया कि एयरपोर्ट परियोजना के लिए उनकी जमीन अधिग्रहीत हुई थी। उन्होंने कहा कि आज पहली बार हवाई जहाज में बैठने का अवसर मिला है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद करते हुए कहा कि सरकार ने किसानों का सम्मान बढ़ाया है। पूनम ने बताया कि वह मुख्यमंत्री से मिलने आईं हैं और इस अवसर को जीवन का सबसे सुखद पल मानती हैं।

जेवर की महिला किसानों ने योगी सरकार को सराहा

विकास का सहभागी बनने की चेहरों पर दिखी खुशी

योगी ने हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठा दिया

किसान हाजी जफर ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने ऐसा काम किया है कि हवाई चप्पल पहनने वालों को हवाई जहाज में बैठा दिया। उन्होंने बताया कि भूमि अधिग्रहण के दौरान घर-घर जाकर किसानों की सहमति ली गई थी और किसानों ने खुशी-खुशी अपनी जमीन दी। हाजी जफर ने कहा कि उन्हें इस विकास कार्य पर गर्व है। उन्होंने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है और इससे आम लोगों का जीवन बदल रहा है। उन्होंने कहा कि योगी जी मुस्लिम समाज में काफी लोकप्रिय हैं क्योंकि उन्होंने सरकारी योजनाओं का लाभ भेदभाव के बिना सभी लोगों तक पहुंचाया है। सभी को सुरक्षा दी है।

कई सरकारें देखी, इतना अच्छा दौर पहले नहीं देखा

बुजुर्ग किसान जयवीर ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन में कई सरकारें देखी हैं, लेकिन विकास का ऐसा दौर पहले कभी नहीं देखा। जयवीर ने कहा कि किसानों को सम्मान देने की यह पहल हमेशा याद रखी जाएगी। जयकरन सिंह ने कहा कि किसान पूरी तरह संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट बनने से आने वाली पीढ़ियों को नए अवसर मिलेंगे।

सम्राट चौधरी ने अफसरों से कहा-

न खाना है, न खाने देना है और न सोना , न सोने देना है

एजेंसी ▶▶ गया जी

मुख्यमंत्री संम्राट चौधरी ने अधिकारियों से दो टूक लहजे में कहा है कि बिहार को विकसित और समृद्ध बनाने का सपना पूरा करना है तो हमें 24 घंटों में 20 घंटे काम करना पड़ेगा। पहले ही हमारा राज्य 15 साल पीछे जा चुका है। उसकी भरपाई के लिए तेजी से और अधिक समय देकर काम करना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने पीएम नरेंद्र मोदी और पूर्व सीएम नीतीश कुमार जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अपराध और भ्रष्टाचार से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। हमें हर हाल में बिहार को बदलना है।

बिहार में अपराधी अब नहीं बचेंगे

सीएम ने कहा है कि बिहार में अपराधी अब नहीं बचेंगे। अधिकांश अपराधी बिहार छोड़कर निकल चुके हैं। जो बचे हैं उनके बारे में जानकारी देते रहिए। पुलिस उनका इलाज कर देगी। हमे पूरी व्यवस्था को बदल देना है। इसके लिए एनडीए की सरकार पूरी क्षमता से काम कर रही है। अधिकारी राज्य को आगे बढ़ाने के लिए मेहनत से काम करें।

टेक्नोलॉजी सेंटर का शिलान्यास

सोमवार को गया जी में सीएम सम्राट चौधरी ने 170 करोड़ की लागत से टेक्नोलॉजी सेंटर का शिलान्यास किया। उन्होंने कहा कि बिहार तब तक ठीक से नहीं बदलेगा जब तक उद्योगों का तेजी से विकास नहीं है। उद्योग और प्रशासनिक व्यवस्था ठीक नहीं होगी तब तक बिहार में बदलाव नहीं आएगा। इसलिए अब सोने का समय खत्म हो गया। हमारे राज्य में दूसरे राज्यों की तुलना में 15 साल का गैप है, क्योंकि नीतीश कुमार से पहले इतने दिनों तक हम लोग सोते रहे। अब तेजी से काम करना है। सम्राट चौधरी ने इशारों में 15 सालों के लालू यादव और रबड़ी देवी के मुख्यमंत्री काल में राजद के शासन पर तंज कसा।

पेज एक का शेष

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026...

ने यह भी जानकारी दी कि मुख्य समारोह से पहले आयोजित एक विशेष योग कार्यक्रम में 4 लाख से अधिक लोगों ने एक साथ लाइव योग सत्र में भाग लिया। इस आयोजन ने नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो योग के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि और सहभागिता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि देशभर के 100 प्रतिष्ठित और विरासत स्थलों पर विशेष योग दिवस कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस पहल का उद्देश्य भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, ऐतिहासिक स्मारकों और योग परंपरा को एक साथ जोड़ना है। इससे अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का स्वरूप केवल एक स्वास्थ्य अभियान तक सीमित न रहकर एक राष्ट्रव्यापी सांस्कृतिक उत्सव का रूप लेगा। आयुष मंत्री ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि योग को समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जाए और इसे स्वस्थ जीवनशैली का अभिन्न अंग बनाया जाए। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे योग को केवल एक दिन के आयोजन तक सीमित न रखें, बल्कि इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाकर बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन की दिशा में कदम बढ़ाएं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 के आयोजन को लेकर देश और विदेश में व्यापक तैयारियां चल रही हैं। सरकार को उम्मीद है कि इस वर्ष का योग दिवस सहभागिता, जनजागरूकता और वैश्विक पहुंच के मामले में अब तक के सभी रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

अमेरिका द्वारा भारतीय...

के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समक्ष यह मामला मजबूती से उठाएं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को स्वयं मृतकों के परिजनों से संपर्क कर न्याय दिलाने का भरोसा देना चाहिए।कांग्रेस प्रवक्ता ने केंद्र सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और डॉ. मनमोहन सिंह के कार्यकाल में भारत ने राष्ट्रीय हितों से जुड़े मामलों में अधिक दृढ़ता दिखाई थी।उन्होंने वर्ष 2013 में भारतीय राजनयिक देवयानी खोबरागड़े से जुड़े विवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भारत सरकार ने अमेरिका के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया था और नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास से कुछ विशेष सुरक्षा सुविधाएं भी वापस ले ली थीं। उनके अनुसार, इसके बाद तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री जॉन केरी को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार से संपर्क कर खेद व्यक्त करना पड़ा था।

कांग्रेस ने मांग की कि मृतक नाविकों के पार्थिव शरीरों को शीघ्र भारत लाया जाए और उन्हें राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाए। साथ ही प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता, आश्रितों को रोजगार तथा अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। पार्टी ने अमेरिका से औपचारिक माफी और मुआवजे की मांग के अलावा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाने, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में कार्यरत भारतीय नाविकों की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करने तथा संसद में इस विषय पर सर्वदलीय चर्चा कराने की भी मांग की।

सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि इस मामले में अंतरराष्ट्रीय कानून भारत के पक्ष में हैं और अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय मानकों तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के प्रावधानों का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इस मुद्दे को वैश्विक मंचों पर मजबूती से उठाकर न्याय सुनिश्चित करना चाहिए।कांग्रेस ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की निष्क्रियता से देश की संप्रभुता, स्वतंत्रता और गरिमा प्रभावित हो रही है तथा सरकार को इस मामले में अधिक सख्त और प्रभावी रुख अपनाना चाहिए।

एआई का भविष्य विश्वास...

देशों के सहयोग को नई गति-ऊर्जा देने के साथ ही संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर तक ले जाने को लेकर सहमति जताई है। भारत, स्लोवाकिया सभी समस्याओं, विवादों का शांतिपूर्ण ढंग से समाधान निकाले जाने के पक्ष में हैं और इसे लेकर अन्य भागीदारों के साथ मिलकर आगे बढ़ते रहेंगे। दोनों यह भी मानते हैं कि अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को 21 वीं सदी की वास्तविकताओं, चुनौतियों के हिसाब से स्वयं को पुनः तैयार करना पड़ेगा। मामले पर हम वैश्विक प्रयासों को सशक्त बनाने को लेकर काम करेंगे। उन्होंने विश्वास प्रकट करते हुए कहा कि हमारी व्यापक साझेदारी आगामी वर्षों में नए अवसरों, साझा समृद्धि और हमारे लोगों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनेगी।

ईयू संग एफटीए के लिए जताया आभार : उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने में स्लोवाकिया से मिले सहयोग के लिए प्रधानमंत्री फिको का आभार जताया। साथ ही कहा कि हम जल्द से जल्द इसके क्रियान्वयन के लिए काम करेंगे। जिससे दोनों देशों के उद्योग, स्टार्टअप और व्यापारी इसका अधिकतम लाभ उठा सकें। हमारी क्षमताएं, आकांक्षाएं काफी विशाल हैं। ऑटोमोबाइल, रेलवे, उन्नत मैन्युफैक्चरिंग, ग्रीन तकनीक दोनों देशों के लिए विशेष रुचि के क्षेत्र हैं। इन सभी में हमने अपनी ताकतों को जोड़कर दोनों देशों की भलाई के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

डीआरडीओ ने किया...

परीक्षण में संगठन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ नौसेना, वायुसेना के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

रक्षा मंत्री ने बढ़ाया हौसला : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मिसाइल के सफल उड़ान परीक्षण को लेकर डीआरडीओ के वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और सभी उद्योग साझेदारों को बधाई दी है। इसके अलावा डीआरडीओ अध्यक्ष राजेश कुमार सिंह ने भी परीक्षण से समय हुई सभी गतिविधियों की लगातार निगरानी की है। उन्होंने इस मिशन की सफलता में योगदान देने वाली समूची टीम को शुभकामनाएं देते हुए उनके योगदान की सराहना की है।

ब्रिटेन में 16 वर्ष से...

डिजिटल दुनिया में बच्चों को बढ़ते जोखिमों से बचाना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया और अन्य ऑनलाइन सेवाओं के अनियंत्रित उपयोग से बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक विकास और व्यक्तिगत सुरक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए सरकार ऐसे कदम उठा रही है जिससे बच्चे सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण में इंटरनेट का उपयोग कर सकें। सरकार के आधिकारिक बयान के अनुसार, नए नियम केवल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों तक सीमित नहीं होंगे। ये प्रतिबंध विभिन्न ऑनलाइन सेवाओं और गेमिंग वेबसाइटों पर भी लागू होंगे, जहां बच्चों के अजनबियों से संपर्क स्थापित करने या अनुचित सामग्री तक पहुंचने की आशंका रहती है।

ब्रिटिश सरकार का मानना है कि वर्तमान डिजिटल युग में बच्चों को साइबर बुलिंग, ऑनलाइन शोषण, हानिकारक सामग्री और डिजिटल लत जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में तकनीकी कंपनियों की जिम्मेदारी तय करना और बच्चों के लिए सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण सुनिश्चित करना आवश्यक हो गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह फैसला दुनिया भर में बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा को लेकर चल रही बहस के बीच आया है। कई देशों में सरकारें सोशल मीडिया कंपनियों पर आयु सत्यापन प्रणाली को मजबूत करने और नाबालिगों के लिए अतिरिक्त सुरक्षा उपाय लागू करने का दबाव बना रही हैं। हालांकि, इस कदम को लेकर कुछ डिजिटल अधिकार समूहों और तकनीकी विशेषज्ञों ने निजता, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और आयु सत्यापन प्रणाली की व्यवहारिक चुनौतियों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके लिए अपनाए जाने वाले उपायों को संतुलित और पारदर्शी होना चाहिए। इसके बावजूद ब्रिटेन सरकार का दावा है कि नए नियम बच्चों को ऑनलाइन खतरों से बचाने और उनके स्वस्थ मानसिक एवं सामाजिक विकास को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। सरकार का कहना है कि इन उपायों का उद्देश्य बच्चों को इंटरनेट से दूर करना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना है। ब्रिटेन का यह फैसला वैश्विक स्तर पर सोशल मीडिया नियमन और बाल सुरक्षा से जुड़े कानूनों के लिए एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जा रहा है, जिस पर अन्य देशों की सरकारें भी नजर बनाए हुए हैं।

क्या है ई100 ...

और एमजी भी ई100-संगत वाहन बाजार में उतार सकती हैं। वर्तमान में ई20 पेट्रोल के लिए डिजाइन किए गए वाहन सीधे ई100 फ्यूल पर नहीं चल सकते क्योंकि ई100 के लिए इंजन कैलिब्रेशन, फ्यूल इंजेक्शन सिस्टम, पाइपलाइन और अन्य कई कंपोनेंट्स में विशेष बदलाव की आवश्यकता होती है। इसी वजह से ई100 के लिए अलग फ्लेक्स-फ्यूल वाहनों की जरूरत होगी।

बैरिकेडिंग-वाटर कैनन लेकर पुलिस तैयार

पटना में छात्रों ने भरी हुंकार दारोगा परीक्षा रद्द की मांग

एजेंसी ▶▶ पटना

राजधानी पटना की सड़कों पर आज एक बार फिर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों का भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। दारोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी और धांधली का आरोप लगाते हुए सैकड़ों की संख्या में दारोगा अभ्यर्थी सड़क पर उतर आए हैं। आक्रोशित छात्र लगातार 'मेन्स परीक्षा को रद्द करो' के नारे लगाते हुए जेपी गोलंबर की तरफ कूच कर रहे हैं। छात्रों का कहना है कि एसआई की परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक हुआ था। पटना कॉलेज परिसर से छात्रों ने आक्रोश मार्च निकाला। छात्रों का आरोप है कि 27 मई को 1799 पदों के लिए हुई मुख्य परीक्षा का पेपर लीक हो गया था। पेपर लीक के संबंध में उन्होंने ईओयू, सीएमओ, और डीजीपी को भी आवेदन दिया था लेकिन परीक्ष रद्द करने को लेकर को ठोस ऐक्शन नहीं लिया गया है।

दारोगा अभ्यर्थियों के इस बड़े मार्च व जेपी गोलंबर पहुंचने की सूचना मिलते ही पटना पुलिस, जिला प्रशासन तुरंत अलर्ट मोड पर आ गया है। आंदोलनकारी छात्रों को गांधी मैदान के पास ही रोकने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा जेपी गोलंबर पर बेहद मजबूत बैरिकेडिंग की गई थी।

कुशवाहा के मंत्री बेटे की मुसीबत बढ़ी

सुप्रीम कोर्ट से दीपक प्रकाश व सम्राट सरकार को नोटिस

एजेंसी ▶▶ पटना

सुप्रीम कोर्ट ने बिना विधायक या विधान पार्षद बने ही दूसरी बार मंत्री बनाए गए दीपक प्रकाश कुशवाहा समेत सम्राट चौधरी सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर दिया है। दीपक प्रकाश को दोबारा मंत्री बनाने को सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका के जरिए चुनौती दी गई है और दीपक को पद से हटाने की मांग की गई है। राज्यों में सदन का सदस्य रहे बिना कोई नेता एक बार अधिकतम छह महीने के लिए मंत्री या मुख्यमंत्री तक भी बन सकता है, लेकिन दीपक प्रकाश पहले नीतीश कुमार की सरकार में 5 महीने तक मंत्री रहने के बाद अब सम्राट चौधरी की नई सरकार में दोबारा मंत्री बने हैं। लेकिन इस दौरान दीपक प्रकाश एमएलए या एमएलसी नहीं बन पाए हैं। हाल में संपन्न विधान परिषद की 10 सीटों के चुनाव और उप-चुनाव में भी उन्हें भाजपा ने सदन में नहीं भेजा।

सर्वोच्च अदालत के नोटिस से

बिहार की राजनीति में बड़ी हलचल पैदा होनी तय है। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बेटे पर अब कोर्ट की तलवार लटक गई है। सरकार को नोटिस का जवाब देना है, इसलिए अगली सुनवाई से पहले कुछ ऐक्शन होता दिख सकता है। एक्टिविस्ट राकेश सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने मामले को काफी गंभीर माना। कोर्ट से दीपक और सरकार को नोटिस जारी होने के बाद कुशवाहा के बेटे की मुसीबत बढ़ गई है। अदालत ने सरकार और दीपक के साथ ही चुनाव आयोग (ECI) को भी नोटिस जारी कर इस मामले में जवाब मांगा है।

गांवों में बनेंगे पंचगव्य क्लस्टर, 3 लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार, 7500 गोशालाओं से जुड़ेंगी 40-40 युवाओं की टीमें

सीएम योगी का बड़ा ग्रामीण रोजगार मॉडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में गो संरक्षण को रोजगार और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए योगी सरकार बड़ा मॉडल तैयार कर रही है। प्रदेश की 7500 से अधिक गोशालाओं के जरिए गांवों में पंचगव्य क्लस्टर विकसित किए जाएंगे, जहां 40-40 युवाओं की टीमें उत्पादन और उद्यमिता का जिम्मा संभालेंगी। इस पहल से प्रदेश के करीब तीन लाख युवाओं को स्वरोजगार और आय के अवसर मिलने की संभावना है। महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और ग्रामीण युवाओं को इस योजना में प्राथमिकता दी जाएगी। योगी सरकार का लक्ष्य गोशालाओं को केवल पशु संरक्षण केंद्र तक सीमित न रखकर उन्हें उत्पादन और रोजगार के केंद्र में बदलना है। गांवों में बनने वाले पंचगव्य क्लस्टरों में देसी गायों से प्राप्त दूध, दही, घी, गोमूत्र और गोबर के आधार पर जैविक कीटनाशक, जैव उर्वरक, औषधियां, धूपबत्ती, साबुन, पेंट तथा अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री तैयार की जाएगी। इन उत्पादों के विपणन की व्यवस्था भी क्लस्टर स्तर पर विकसित की जाएगी।

महिला समूहों, किसानों और युवाओं को दी जाएगी

पंचगव्य से बनेंगे साबुन, पेंट, खाद, औषधियां व अन्य उत्पाद

गो आधारित उद्योगों को मिलेगा संगठित स्वरूप

उत्तर प्रदेश गो सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि पंचगव्य क्लस्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती देने के साथ गो-आधारित उद्योगों को संगठित स्वरूप प्रदान करेंगे। इससे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिलेगा और किसानों की लागत कम होगी। साथ ही गांवों में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उत्पादन से विपणन तक की व्यवस्था

प्रदेश की 7500 गोशालाओं को क्लस्टर से जोड़ा जाएगा और प्रत्येक क्लस्टर में 40 युवाओं की टीम रहेगी। ये टीम उत्पादन से लेकर विभिन्न गतिविधियों की मॉनिटरिंग करेगी। महिला स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी हुई महिलाओं की इसमें सक्रिय भागीदारी रहेगी। टीम स्थानीय स्तर पर उत्पादन से लेकर विपणन तक की व्यवस्था संभालेगी।

हरिभूमि सहेली
नई दिल्ली, मंगलवार
16 जून 2026

विशेष
पिता दिवस-योग दिवस
21 जून

पिता अब छिपी-छिपी नहीं रही प्रेम की अभिव्यक्ति

एक समय था, पिता की छवि एक सख्त व्यक्ति की होती थी, ऐसा भी नहीं था कि वे अपने बच्चों से स्नेह-प्रेम नहीं करते थे, करते थे लेकिन अभिव्यक्त नहीं करते थे। इस कारण बच्चों और पिता के बीच रिश्तों में वह ऊष्मा नजर नहीं आती थी, जो होनी चाहिए। लेकिन आज पिता अपने बच्चों के साथ अपने रिश्तों को अभिव्यक्त कर रहे हैं। बेटियों के साथ तो उनके रिश्तों के रंग बहुत ही अलग हैं।

आवरण कथा

कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

मां का प्रेम-स्नेह अकसर शब्दों और स्पर्शों में सहज ही दिखाई देता है, जबकि पिता अपने प्रेम को व्यक्त नहीं कर पाते। पीढ़ी-दर-पीढ़ी उन्होंने अपने पिता को मौन रहकर जिम्मेदारियां निभाते देखा, इसलिए वे भी अपने प्रेम को त्याग और कर्तव्य के पीछे छिपाते रहे। पिता हर संघर्ष का चुपचाप सामना करते हुए परिवार की सुरक्षा-स्थिरता का आधार बने रहे। पिता की इस छवि को गढ़ने की जिम्मेदारी केवल समाज की नहीं, परिवार की स्त्रियों की भी रही। आखिर हर पिता पहले एक बेटा होता है, उसे पिता बनने का कोई औपचारिक पाठ नहीं पढ़ाया जाता। वह अपने आस-पास के व्यवहारों, संकेतों और अपेक्षाओं से सीखता रहा। बचपन से अपनी मां, दादी, बुआ, मौसी और नानी से उसे मजबूत बने रहने, कमजोरी न दिखाने और भावनाओं पर नियंत्रण रखने की सीख दी जाती रही। कोमलता और कठोरता के बीच एक अदृश्य रेखा खींच दी गई। पिता से अपेक्षा की गई कि वह घर की जिम्मेदारियां उठाए, कठिन परिस्थितियों में संयम बनाए रखे और हर संकट में अडिग खड़ा रहे। नतीजा यह हुआ ये बातें समय के साथ उसके स्वभाव का हिस्सा बन गईं। पिता अपनी संतान से प्रेम तो करता रहा, पर उसे व्यक्त करने में संकोच करता।

पिता की परंपरागत छवि

पुरानी पीढ़ी के परिवारों में पिता का व्यक्तित्व अनुशासन का पर्याय माना जाता था। उनकी मौजूदगी भर से घर का माहौल बदल जाता था। बच्चे उनसे डरते थे, लेकिन एक भरोसा भी करते थे। वे बच्चों के साथ बैठकर लंबी बातचीत भले न करते हों, लेकिन उनकी पढ़ाई, भविष्य को लेकर लगातार सजग रहते थे। अपने संघर्षों का बोझ परिवार पर डालने के बजाय पिता उसे स्वयं ही उठाते रहे। कई लोगों की स्मृतियों में पिता ऐसे व्यक्ति के रूप में बसे हैं, जिन्होंने उनके लिए हर संभव प्रयास किया, लेकिन शायद ही कभी सिर पर हाथ रखकर पूछा हो, 'तुम खुश तो हो बेटा?' यह अभाव हमेशा बच्चों के मन में शिकायत नहीं बनता, फिर भी किसी कोने में बना रहता है। बच्चे उनके स्नेह को शब्दों में नहीं, कर्मों में पढ़ना जानते थे-फीस भर देने में, देर रात तक काम करते रहने में, बीमारी के दौरान सिरहाने बैठे रहने में या अपनी इच्छाओं को पीछे रख देने में। दरअसल, पुरुषों की कई पीढ़ियां ऐसे वातावरण में बड़ी हुईं, जहां कोमलता को मान नहीं मिलता था। उन्हें बताया गया कि भावुक होना एक कमजोरी है। आंसू छिपाने हैं, डर प्रकट नहीं करना है, मन की बात अपने भीतर रखनी है। यही कारण है कि अनेक पिता अपने बच्चों के सामने सहज नहीं हो पाए। उन्होंने अपने लगाव को जिम्मेदारियों में ढाल दिया।

तोड़ी है परंपरागत छवि

आज समय बदल चुका है, उसके साथ रिश्तों की भाषा भी बदली है। आज पितृत्व के स्वरूप में परिवर्तन दिखाई देने लगा है। यह परिवर्तन हर जगह एक जैसा नहीं है, लेकिन उसकी मौजूदगी से इंकार नहीं किया जा सकता। अब पिता केवल बच्चों के भविष्य की चिंता भर नहीं करते, वे उनके वर्तमान का भी हिस्सा बनते हैं। पिता यह जानना चाहते हैं कि उनका बच्चा क्या सोचता है, किस बात से डरता है, किस बात पर खुश होता है? नई पीढ़ी के पिता बच्चों से खुलकर बातचीत करते हैं। वे उनके साथ खेलते हैं, उनकी बातें सुनते हैं, उनकी दुनिया को समझने का प्रयास करते हैं। आज के पिता यह सोचते हैं कि केवल सुविधाएं जुटा देना पर्याप्त नहीं है। बच्चों को समय चाहिए, भरोसा चाहिए और ऐसा साथ चाहिए, जहां वे बिना झिझक अपने मन की बात कह सकें।

अलग रंग लिए है पिता-बेटी का रिश्ता

पिता और बेटी का रिश्ता परिवार के अन्य रिश्तों से कुछ अलग रंग लिए होता है। बेटी अपने पिता के माध्यम से दुनिया के पुरुष समाज को देखना और समझना शुरू करती है। उसके भीतर आत्म-सम्मान, सुरक्षा और अपने अस्तित्व के मूल्य का जो पहला बोध बनता है, उसमें पिता की भूमिका अहम होती है। एक पिता अपनी बेटी के साथ जैसा व्यवहार करता है, वह उसके आत्मविश्वास, संबंधों और जीवन दृष्टि को गहराई से प्रभावित करता है। शायद यही कारण है कि अब बेटियों को पापा की परी कहा जाता है। बहुत-सी बेटियों के लिए पिता केवल अभिभावक भर नहीं, बल्कि ऐसे इंसान हैं, जिन पर वे सबसे ज्यादा भरोसा करती हैं। कई बार वे अपने मन की वो बातें भी पिता से कह देती हैं, जिन्हें कहना सहज नहीं है। दूसरी ओर पिता भी अब तमाम परंपरागत अवधारणाओं से उबर कर अपनी बेटियों के प्रति कोमल भाव संजोए दिखते हैं। उन्हें अपनी बेटी की इच्छाओं को पूरा करने में खुशी मिलती है, उनकी उपलब्धियों पर वे गर्व से भर उठते हैं। बदलते हुए इस दौर में आज के पिता बेटियों को संरक्षण देने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्हें अपना स्वतंत्र व्यक्तित्व गढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। आज के दौर में पिता को यह भी समझ में आ गया है कि दुनिया केवल अनुशासन से नहीं, प्रेम और संवेदनाओं से भी फलती-फूलती है।

समाज समयानुकूल बदल रहा है। पिता भी अपनी परंपरागत छवि से उबरे हैं। लेकिन वह वास्तव में कितने बदले हैं, उनका बदलना कितना जरूरी है, एक विवेचन।

वास्तव में कितने बदले हैं आज के पिता

बदलाव

अलका 'सोनी'

भारत सहित दुनिया भर में पिता की भूमिका तेजी से बदल रही है। पहले जहां 'अच्छा पिता' वही माना जाता था, जो आर्थिक रूप से परिवार को सुरक्षित रखे, वहीं आज अच्छा पिता वो है, जो बच्चों के साथ समय बिताए, भावनात्मक रूप से उन्हें सपोर्ट करे। यूनिसेफ और कई पारिवारिक अध्ययन बताते हैं कि जिन बच्चों के जीवन में पिता सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, उनमें आत्मविश्वास, सामाजिक कौशल और मानसिक संतुलन बेहतर पाया जाता है। आज सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भी 'हैंड्स-ऑन डैड' की छवि तेजी से उभर रही है। वे अपने बच्चे को खाना खिलाते हुए, स्कूल के लिए तैयार करते हुए, उनके साथ खेलते हुए दिखते हैं, आज ये पिताओं के सामान्य दृश्य बनते जा रहे हैं।

क्यों जरूरी है इमोशनल फादरहुड: पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स का कहना है कि केवल आर्थिक सुरक्षा बच्चों के स्वस्थ विकास के लिए पर्याप्त नहीं होती है, भावनात्मक सुरक्षा भी जरूरी है। आज की तेज और डिजिटल दुनिया में बच्चे कई मानसिक दबावों से गुजर रहे हैं, जैसे पढ़ाई का तनाव, सोशल मीडिया का प्रभाव, अकेलापन और प्रतिस्पर्धा। ऐसे समय में यदि पिता बच्चों के साथ खुलकर बातचीत करते हैं, उनकी बात सुनते हैं और भावनात्मक समर्थन देते हैं, तो बच्चे अधिक मजबूत बनते हैं। एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों के पिता नियमित रूप से उनके साथ समय बिताते हैं, उनमें व्यवहार संबंधी समस्याएं कम होती हैं, पढ़ाई में आत्मविश्वास अधिक होता है।

भारतीय समाज कितना बदला: हालांकि बदलाव साफ दिखाई दे रहा है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि भारतीय समाज अभी संक्रमण के दौर में है। कई परिवारों में आज भी यह धारणा मौजूद है कि बच्चों की देखभाल मुख्यतः मां की जिम्मेदारी है। ग्रामीण और छोटे शहरों में अभी भी ऐसे पिता कम दिखाई देते हैं, जो खुलकर भावनात्मक जुड़ाव दिखाते हों। 'मर्द को दर्द नहीं होता' जैसी सोच पुरुषों को अपनी भावनाएं व्यक्त करने से रोकती हैं। इसके अलावा लंबे कार्य घंटे, नौकरी का दबाव और डिजिटल व्यस्तता, कई पिताओं को बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताने से दूर कर देते हैं। मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि बच्चों के साथ समय बिताने के लिए हमेशा घंटों की जरूरत नहीं होती। यदि पिता रोज कुछ समय पूरी ईमानदारी से बच्चों के साथ बातचीत करें, तो यह रिश्ता गहरा बन सकता है।

विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि पिता यदि घर के छोटे कामों और बच्चों की देखभाल में भाग लेते हैं, तो बच्चे लैंगिक समानता भी सीखते हैं। यह बदलाव केवल परिवारों को नहीं, बल्कि पूरे समाज को अधिक संवेदनशील बना सकता है। क्योंकि जिन बच्चों को बचपन में भावनात्मक सुरक्षा मिलती है, वे बड़े होकर अधिक आत्मविश्वासी और सहानुभूतिपूर्ण इंसान बनते हैं।

पिता का 'परफेक्ट' नहीं 'उपलब्ध' होना जरूरी

पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स के अनुसार अच्छे पिता बनने के लिए 'परफेक्ट' होना जरूरी नहीं, 'उपलब्ध' होना जरूरी है। जैसे कि-

- बच्चों की बात बिना टोके सुनें।
- बतौर पिता आप हर दिन कुछ समय केवल अपने बच्चों के लिए जरूर निकालें।
- डांट के बजाय संवाद को प्राथमिकता दें।
- बच्चों की छोटी उपलब्धियों की भी सराहना करें।
- अपनी भावनाएं व्यक्त करने से न हिचकें।
- स्क्रीन टाइम कम करके फैमिली टाइम बढ़ाएं।

स्पेशलः इंटरनेशनल डोमेस्टिक वर्कर्स-डे, 16 जून

डोमेस्टिक हेल्पर यानी घरेलू सहायक रखने से पहले इनकी पुलिस वेरिफिकेशन बहुत जरूरी है। यह सिर्फ आपकी सुरक्षा के लिए ही नहीं, डोमेस्टिक हेल्पर की सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। साथ ही इन्हें इसके कई फायदे भी मिल सकते हैं। डोमेस्टिक हेल्पर रखते हुए किन बातों की सावधानियां रखें, बहुत ही जरूरी जानकारी।

डोमेस्टिक हेल्पर रखने से पहले जरूर बरतें कुछ सावधानियां

अवेयरनेस

डॉ. मोनिका शर्मा

घरेलू काम में मदद की बात हो या बच्चों-बुजुर्गों की देखभाल। अब अधिकतर शहरी परिवारों में डोमेस्टिक हेल्पर (घरेलू सहायक/कामगार) या मेड रखने का चलन है।

रखते वक्त रहें सतर्कः घरेलू सहायकों को रखते समय बेहद सतर्क रहने की जरूरत होती है, क्योंकि आए दिन कई खतरनाक और दुःखद घटनाएं सुनाई देती हैं। इसलिए कानूनी नियमों से लेकर डोमेस्टिक हेल्पर के व्यवहार और नागरिकता तक कई पहलुओं पर सही जानकारी लेने की दरकार है। पूरी और सही इंफॉर्मेशन आपकी और आपके परिवार की सुरक्षा से जुड़ी होती है। साथ ही आपकी यह सजगता डोमेस्टिक हेल्पर को एजेंसियों के शोषण और दूसरे कई तरह के डर और अनिश्चितता से भी बचाती है।

वेरिफिकेशन है जरूरीः आमजन में अवेयरनेस लाने के प्रयासों के बावजूद कई लोग बिना वेरिफिकेशन, घरेलू कामगार रखते हैं। ऐसे में किसी अनहोनी होने की स्थिति में घरेलू कामगार से जुड़ी सही जानकारी जुटाना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए काम पर रखने से पहले लोकल पुलिस स्टेशन में हेल्पर की पुलिस वेरिफिकेशन करवाना न भूलें। जरूरी डॉक्यूमेंट्स जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड आदि की कॉपी भी घरेलू कामगार से मांगें। अपनी मेड, ड्राइवर, कुक, केयर टेकर, बेबी सिटर, माली आदि के इन कागजों को आपका अपने पास रखना बहुत जरूरी है। इस औपचारिकता को परेशानी मानने के बजाय पुलिस स्टेशन जाकर प्रक्रिया पूरी करने की राह चुनें। याद रखें, किसी डोमेस्टिक हेल्पर का अपनी पहचान छुपाकर आपके यहां काम करना, आपके परिवार के साथ ही सोशल, नेशनल सिक्योरिटी से जुड़ा विषय भी है। भविष्य में कोई अनहोनी होने पर बिना वेरिफिकेशन वाले कामगार को रखने के लिए आप भी कानूनी मुश्किल में पड़ सकते हैं।

सजग रहें-सुरक्षित रहेंः घरेलू कामगार को सम्मान जरूर दें पर व्यवहार को गंभीरता से समझें। उनकी बातों में किसी तरह का बदलाव दिखे तो सचेत हो जाएं। खासकर बिना कोई स्पष्ट कारण बताए छुट्टी लेना, छुपकर फोन पर बतियाना, अपने जानकारों को मिलने बुलाना और अपनी जिंदगी के बारे में हर बार नई बात बताना। ऐसे मामलों में बरती गई सजगता आपको किसी बड़े संकट से बचा सकती है। आपकी सोसाइटी के दूसरे घरों में उसके काम करने के बारे में भी जानकारी लें। उसके फैमिली मेंबर का कॉन्टेक्ट नंबर और घर का पता भी आपके पास होना चाहिए।

उनकी सुरक्षा और लाभ के लिए भी जरूरी है वेरिफिकेशनः एंप्लॉयर द्वारा की गई कानूनी औपचारिकताएं खुद घरेलू कामगारों की सुरक्षा से भी जुड़ी होती है। नियमानुसार काम मिलने पर उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्हें एजेंसीज या एजेंट्स का कोई भय नहीं रहता। उनसे जुड़ी सही जानकारी लेने से बीमारी या किसी परेशानी के समय उनके परिवार को सूचित किया जा सकता है।

बच्चों के लिए योग से जुड़ी जरूरी बातें

बच्चों के शारीरिक-मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग बहुत जरूरी है। बच्चों को किस उम्र से योग का प्रशिक्षण दिया जाए, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए? जानिए, योग प्रशिक्षक से।

बच्चे और योग

अजेश कुमार

योग बच्चों के शारीरिक-मानसिक विकास के लिए अत्यंत लाभकारी होता है। बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र क्या है, उन्हें कितनी देर तक योगाभ्यास करना चाहिए, यह जानना जरूरी है। मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के पूर्व योगाचार्य **उदय जी** के अनुसार, 'अगर आपका बच्चा अभी तक योग नहीं करता है, तो उसे जल्द से जल्द योग सिखाना शुरू करें। योग से बच्चे शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होते हैं। यह उनकी एकाग्रता, लचीलापन और सहनशक्ति को बढ़ाता है। छोटी उम्र से योग करने से बच्चे जीवन भर स्वस्थ रहते हैं।' उदय जी ने बच्चों को योग सीखने से जुड़ी कुछ जरूरी बातें बताईं, आप भी इनके बारे में जानिए।

सही उम्रः बच्चों को योग सिखाने की सही उम्र 4-5 साल मानी जाती है। इस उम्र में बच्चे आसानी से योग की बुनियादी मुद्राएं सीख सकते हैं।

योग कितनी देर करेंः शुरुआत में बच्चों को 10-15 मिनट तक योग कराना चाहिए। धीरे-धीरे इस समय को बढ़ाकर 20-30 मिनट किया जा सकता है। बच्चों के लिए रोजाना योग करना अच्छा होता है, लेकिन अगर वे हर दिन योग नहीं कर पाते हैं तो सप्ताह में 3-4 दिन भी योग करना पर्याप्त है।

योग के फायदेः योग से बच्चों का शारीरिक विकास बेहतर ढंग से होता है। उनकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं, शरीर में लचीलापन बढ़ता है। योग से ध्यान केंद्रित करने की क्षमता बढ़ती है, मानसिक शांति भी मिलती है। ध्यान केंद्रित होने से बच्चों की पठन-पाठन क्षमता बढ़ती है।

इन बातों का रखें ध्यानः शुरुआत में बच्चों को सरल और आसान योग मुद्राएं सिखाएं। बच्चों के लिए योग को मजेदार बनाएं ताकि वे इसे खुशी-खुशी करें। छोटे बच्चों के लिए योग को खेल के रूप में सिखाना चाहिए, जिससे वे इसे आसानी से और मजे से कर सकें। खेल-खेल में योग करने से बच्चों को आनंद मिलता है, वे आसानी से योग की ओर आकर्षित होते हैं।

स्टार फिटनेस

बढ़ती उम्र में, वर्क स्ट्रेस में भी योग कैसे फिट और एनर्जेटिक बनाए रखता है, बता रही हैं एक्ट्रेस करीना कपूर खान और आलिया भट्ट।

योग ने दी हेल्दी लाइफ

मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं, खुद की देखभाल का नायाब तरीका है

करीना कपूर खान

मैं तो यही कहूंगी कि अगर आपकी जिंदगी में योगासन का साथ है तो आप सही दिशा की तरफ चल रही हैं, क्योंकि योग ही एक ऐसी प्रक्रिया है, जो आपके बिखरे हुए लाइफस्टाइल को सही दिशा में ले जाता है। अगर मैं अपनी जिंदगी में योग की अहमियत की बात करूं तो योगासन मेरी भाग-दौड़ भरी जिंदगी में शांति और एकाग्रता का सुख लाता है। मेरे हिसाब से योग ऐसा तरीका है, जो सिर्फ शारीरिक फिटनेस नहीं बल्कि मन, शरीर, हृदय के बीच संतुलन बनाए रखने का काम भी करता है। मैंने अपने एक्टिंग करियर में एक फिल्म में किरदार को निभाने के लिए जीरो फिगर बनाने का जोखिम उठाया था। एक खाती-पीती लड़की के लिए, जो फिल्मों में आने से पहले थोड़ा मोटी भी थी, उसके लिए जीरो फिगर बनाना आसान नहीं था। लिहाजा जीरो फिगर तक पहुंचने के बाद मुझे कुछ शारीरिक कठिनाइयों का भी सामना करना पड़ा, लेकिन जब से मैंने प्रतिदिन योग को अपनी जिंदगी में शामिल कर लिया, इससे मुझे न सिर्फ मानसिक शांति मिली, शारीरिक परेशानियां भी दूर हुईं। मेरे लिए योग सिर्फ एक एक्सरसाइज नहीं है, खुद की देखभाल का नायाब तरीका भी है। सच कहूं तो योग में कई ऐसे प्रकार होते हैं, जो आपको न सिर्फ अच्छा महसूस कराते हैं, बल्कि आप एक आत्म दृढ़ता भी महसूस करती हैं। योग दिवस के अवसर पर मैं यही कहना चाहूंगी, योगासन को स्कूल कॉलेज में भी शामिल किया जाना चाहिए। बच्चों को भी बचपन से ही मजबूत बनाने की प्रक्रिया शुरू होनी चाहिए।

योग से सिर्फ हेल्थ ही ठीक नहीं रहती पर्सनालिटी भी निखरती है

आलिया भट्ट

अपने एक्टिंग करियर में बहुत ज्यादा बिजी रहने की वजह से मुझे कुछ हेल्थ इश्यूज होने लगे थे, जिसकी वजह से मेरी लाइफ बहुत डिस्टर्ब हो रही थी। इसी दौरान मैंने पावर योगा और योगा की कुछ बेहतरीन टेक्नीक्स के बारे में सुना। लगा कि मुझे भी योगासन शुरू करना चाहिए। जब मैंने रेग्युलर योग करना शुरू किया तो मुझे एहसास हुआ कि योगासन एक इंसान के जीवन को पूरी तरह बदलने की कैपेसिटी रखता है। सच कहूं तो जब आप रेग्युलर योग करती हैं तो सिर्फ आपकी हेल्थ ही ठीक नहीं रहती, आपकी पर्सनालिटी में भी निखार आता है। रोज योग करने से आप अपने आप को खुश और फ्रेश महसूस करती हैं। बता दूं, फिल्मों में आने से पहले मैं बहुत मोटी थी, उस वक्त मेरा वजन 67 से 70 किलो के बीच था। फिल्मों में आने के बाद जब मैंने क्रैश डाइट और ज्यादा एक्सरसाइज की तो मुझे हेल्थ इश्यू होने लगे थे। लेकिन जब से मैंने योग करना शुरू किया है, तब से मैं अंदरूनी तौर पर अपने आप को स्वस्थ और तरोताजा महसूस करने लगी। योग के अलग-अलग फॉर्म्स से बहुत फायदे हुए। जैसे मेडिटेशन से मानसिक तौर पर शांति महसूस करती हूं। सच कहूं तो अपनी बिजी लाइफ में फिट और फाइन रहने के लिए मुझे योग नामक गुरु मंत्र मिल गया है। मैं तो सभी से कहना चाहूंगी कि आपकी जिंदगी आपकी अपनी है। आप जैसे चाहें वैसे जिएं, लेकिन अगर आपने योगासन को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लिया तो आप अपने जीवन में कई सारे अच्छे बदलाव महसूस करेंगी, जैसा मैं महसूस करती हूं।

प्रस्तुतिः आरती सक्सेना

स्वागत-अभिनंदन...

भोपाल। मप्र झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ के वरिष्ठ नेता महेंद्र दवे केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का स्वागत करते हुए।

प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों ने सीएम से की भेंट

मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता के लिए दी बधाई एवं शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से सोमवार को राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ प्रशासन अकादमी निमोरा में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय प्रशासनिक सेवा के तीन प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री साय ने प्रशिक्षु अधिकारियों को उनकी सफलता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रशासनिक सेवा जनसेवा का सबसे प्रभावी माध्यम है और प्रशासनिक अधिकारी के रूप में आपकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा कि एक प्रशासनिक अधिकारी के निर्णय हजारों लोगों के जीवन को प्रभावित करते हैं, इसलिए प्रत्येक निर्णय में जनहित सर्वोपरि होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि वे संवेदनशीलता, निष्पक्षता और समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें और लोगों के बीच जाकर उनकी समस्याओं को समझें। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान का वास्तविक महत्व तभी है, जब उसका उपयोग समाज और आमजन के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए किया जाए। छत्तीसगढ़ संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है।

प्रशिक्षण के दौरान कई जिलों का भ्रमण करने का मिला मौका

प्रशिक्षु अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि प्रशिक्षण के दौरान उन्हें बस्तर संभाग के सुकमा और बीजापुर जिलों सहित सरगुजा संभाग के जशपुर, सरगुजा और कोरिया जिलों का भ्रमण करने का अवसर मिला। इस दौरान उन्होंने स्थानीय जनजीवन, संस्कृति, विकास गतिविधियों और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का अध्ययन किया तथा मां दंतेश्वरी के दर्शन भी किए। उन्होंने कहा कि छग विविधताओं, सांस्कृतिक समृद्धि और आत्मीयता से भरपूर है।

मुख्यमंत्री ने सुनाए अपने सार्वजनिक जीवन के अनुभव

प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्रशासनिक सेवा की तैयारी से जुड़े अनुभव, चुनौतियां और प्रेरणादायक प्रसंग भी साझा किए। मुख्यमंत्री ने अपने सार्वजनिक जीवन और जनसेवा के अनुभवों का उल्लेख करते हुए उन्हें निरंतर सीखते रहने, जमीनी स्तर से जुड़े रहने तथा मानवीय दृष्टिकोण अपनाकर कार्य करने की प्रेरणा दी। जिला प्रशिक्षण पर रवाना होने से पूर्व उन्होंने मुख्यमंत्री से भेंटकर उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री ने समृद्ध एमएसएमई- विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम में उद्यमियों से किया संवाद

सीएम ने एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ रुपए से अधिक की प्रोत्साहन राशि की वितरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंगल क्लिक से 900 एमएसएमई यूनिट्स को 360 करोड़ से अधिक की प्रोत्साहन राशि का वितरण किया। इसके साथ ही 31 मार्च 2026 तक की समस्त देयताओं का भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री ने 6 ईटीपी निर्मित करने वाली इकाइयों को दो करोड़ 02 लाख की रुपए सहायता, विशेष पैकेज के तहत इकाइयों को एक करोड़ 7 लाख रुपए मण्डी शुल्क की प्रतिपूर्ति और 11 इकाईयों का विद्युत टैरिफ रुपए तीन करोड़ 69 लाख रुपए का वितरण सिंगल क्लिक से किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एमएसएमई उद्यमियों, स्टार्ट-अप्स तथा अन्य योजनाओं के हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से प्रोत्साहन राशि और हितलाभ वितरण के लिए आयोजित 'समृद्ध एमएसएमई-विकसित मध्यप्रदेश' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत ऋण राशि, भू-आवंटन पत्रक तथा स्टार्टअप नीति 2025 के अंतर्गत प्रोत्साहन राशि का वितरण भी किया। इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के प्रदेश अध्यक्ष राजेश मिश्रा, अलाना ग्रुप के संस्थापक राशि बहल मेहरा और उद्यमी कुणाल ज्ञानी ने मध्यप्रदेश में उद्यम स्थापित करने के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री ने डिक्की के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अनिल सरवैया तथा उद्यमी प्रतिभा यादव, डॉ. सुरेश दुबे, दिनेश चंदवानी, यशराज वर्मा से संवाद भी किया।

वर्ष 2047 तक प्रदेश में एक करोड़ एमएसएमई संचालित होगी

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार

एमएसएमई निवेश प्रोत्साहन एवं संवर्धन 2026 कार्यक्रम में शामिल मुख्यमंत्री।

स्टार्ट-अप रैंकिंग में मध्यप्रदेश को लीडर श्रेणी का सम्मान मिला

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मप्र के स्टार्टअप आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। प्रदेश में स्टार्टअप की संख्या 7 हजार 400 से अधिक हो चुकी है, जिनमें लगभग 50 प्रतिशत 3 हजार 400 से अधिक स्टार्ट-अप्स का नेतृत्व हमारी बहनें कर रही हैं। स्टार्ट-अप्स के लिए मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना' के तहत पिछले ढाई वर्षों में 23 हजार 500 से अधिक युवाओं को 1 हजार 630 करोड़ रुपए से अधिक का ऋण उपलब्ध कराया गया है। स्टार्टअप रैंकिंग में मध्यप्रदेश को लीडर श्रेणी का सम्मान मिला है। हमारा संकल्प है कि प्रदेश के हर जिले में कम से कम एक इंक्यूबेशन सेंटर हो। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में सब्सिडी युक्त 'प्लग-एंड-प्ले' मॉडल पर को-वर्किंग स्पेस तैयार किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने किए हितलाभ वितरित- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत इन्दौर के रवि बोबड़े तथा रेखा वर्मा और भोपाल के सुधीर कुमार शर्मा व मोहम्मद शिफर को ऋण राशि के चैक प्रदाय किए। मुख्यमंत्री ने निवाड़ी की श्रीमती जयश्री रैकवार, कटनी की श्रीमती भारती चौधरी व रामप्रसाद लड़िया और अनूपपुर के नागेश सिंह नरवरिया को भूमि आंवटन के लिए आशय पत्र प्रदान किए। निवाड़ी के सागर जामरा को भूमि आवंटन आदेश प्रदान किया गया। मप्र स्टार्टअप नीति-2025 के अंतर्गत ऐरी राइड्स प्रायवेट लिमिटेड इंदौर की संस्थापक सुश्री आरती मतानी, ग्लाफिक्स इंडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड भोपाल के अरिहंत आर्या, कोनार्क एग्रो. सोल्युशन्स भोपाल के सौरभ गोस्वामी और सर्विस जेट प्राइवेट. लिमिटेड भोपाल के दिनेश चांदवानी को सहायता राशि प्रदान की गई।

24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में सवा करोड़ से अधिक लोगों को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमशीलता और नवाचारों में मप्र देश में अग्रणी है। प्रदेश में 24 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों में सवा करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिला है। इसमें 4 लाख 41 हजार से अधिक इकाइयों की कमान बहनें संभाल रही हैं, यह महिला सशक्तिकरण का उदाहरण भी है। आगामी ढाई वर्षों में 4 हजार 500 करोड़ रुपये देकर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों को मजबूती देने का लक्ष्य है। इसके तहत निवेश पर 40 प्रतिशत, खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों को 60 प्रतिशत तक प्रोत्साहन तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला उद्यमियों को 8 प्रतिशत अतिरिक्त सहायता प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उद्यमियों को उद्योग स्थापित करने के लिए रियायती दरों पर भूमि उपलब्ध कराने के लिए नियमों को सरल किया गया है। पिछले ढाई वर्षों में 30 नए औद्योगिक क्षेत्र और 14 क्लस्टर स्वीकृत किए गए हैं। साथ ही 1 हजार 63 भूखंड, उद्यमियों को आवंटित किए जा चुके है। आने वाले ढाई वर्षों में 60 नए औद्योगिक क्षेत्र और क्लस्टर विकसित करने और 6 हजार से अधिक भू-खंड नए उद्यमियों को देने का लक्ष्य है।

छग विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से होगा आरंभ

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होगा। सत्र 17 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान कुल पांच बैठकें होंगी। सत्र के दौरान वित्तीय कार्य के साथ ही अन्य शासकीय कार्य संपादित किए जाएंगे। इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से शुरू होकर 17 जुलाई तक चलेगा। इस दौरान विपक्ष कई मुद्दों को लेकर सत्तापक्ष को घेरेगा।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त नाम **सोनू रावत उर्फ सोहन लाल पुत्रः** राम निवास **पताः** झुग्गी नंबर एन–7/322/489 राजू की झुग्गी शहीद सुखदेव नगर डब्ल्यूपीआईए, अशोक विहार दिल्ली ने **FIR No. 997/19 U/s 379/411 IPC थानाः भारत नगर, दिल्ली,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू रावत उर्फ सोहन लाल** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सोनू रावत उर्फ सोहन लाल** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 997/19 U/s 379/411 IPC थानाः भारत नगर, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **सोनू रावत उर्फ सोहन लाल** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.08.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री अनुराधा जिंदल
एसीजेएम, कमरा नंबर 101
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/8020/NW/2026
(Court Matter)

हरियाणा लोक सेवा आयोग
बेज नं. 1-10, ब्लॉक-बी, सेक्टर-4, पंचकूला

घोषणा

विषय : 2026 में भर्ती परीक्षाओं का कलेंडर

उम्मीदवारों की सामान्य जानकारी हेतु एतद द्वारा यह घोषणा की जाती है कि आयोग ने विभिन्न पदों के लिए नीचे वर्णित अनुसार विषय ज्ञान परीक्षाएं आयोजित करने का निर्णय लिया है :-

क्र. सं.	विज्ञा. सं.	पद व विभाग का नाम	विषय ज्ञान परीक्षा की तिथि
1.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में संहिता और सिद्धांता का रीडर।	
2.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में रचना शरीर का रीडर।	
3.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में क्रिया शरीर का रीडर।	
4.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में द्रव्यगुण का रीडर।	
5.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में रसशास्त्र एवं भैशज्य कल्पना का रीडर।	
6.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में रोग निदान एवं ऐवाम विकृति विज्ञान का रीडर।	13.09.2026 (रविवार)
7.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में स्वस्थ वृत्त एवं योग का रीडर।	
8.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकडा, नारनौल में अगद तंत्रएवं विधि वैधाक्य का रीडर।	
9.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में प्रसूति तंत्रम एवं स्त्रीरोग का रीडर।	
10.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में काया चिकित्सा का रीडर।	
11.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में शल्य तंत्र का रीडर।	
12.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में शालक्य तंत्र का रीडर।	
13.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में कौमार भृत्या बालरोग का रीडर।	
14.	71/2024	स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग, हरियाणा में बाबा खेता नाथ राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय और हस्पताल, पटीकड़ा, नारनौल में पंचकर्मा का रीडर।	
15.	02/2026	विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा में सब डिवीजनल इंजीनियर (इलैक्ट्रिकल) पंचायती राज	20.09.2026 (रविवार)
16.	03/2025	हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड, पंचकूला में जिला विपणन प्रवर्त्तन अधिकारी (ग्रुप-बी)	
17.	05/2026	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में सहायक महाप्रबंधक (वित्त)	
18.	06/2026	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में वरिष्ठ प्रबंधक (वित्त)	
19.	07/2026	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में प्रबंधक (पी एंड ए)	
20.	10/2026	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में प्रबंधक (ए/सीएस)	20.09.2026 (रविवार)
21.	1(7)/2018	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में प्रबंधन प्रशिक्षु (वित्त)	
22.	09/2021	विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा में लैक्चरर (प्रबंधन एवं प्लानिंग)	
23.	06/2022	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास निगम में वरिष्ठ प्रबंधक (पी एंड ए)	
24.	18/2026	विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा में लैक्चरर (वित्तीय प्रबंधन)	
25.	1(5)/2018	हरियाणा राज्य औद्योगिक अवसंरचना विकास में वरिष्ठ प्रबंधक (अकाउंट्स)	
26.	33/2022	हरियाणा राज्य बीज विकास निगम में मुख्य वित्त एवं लेखा अधिकारी (ग्रुप-ए)	25.09.2026 (शुक्रवार)
27.	36/2022	हरियाणा राज्य बीज विकास निगम में मुख्य प्रबंधक (पी एंड ए) (ग्रुप-ए)	25.09.2026 (शुक्रवार)
28.	39/2022	हरियाणा राज्य बीज विकास निगम में कार्यकारी अभियंता (ग्रुप-ए)	25.09.2026 (शुक्रवार)
29.	15/2023	कंटीन्यूइंग एयर वर्दिनेस मैनेजर (सीएएम) नागरिक उड्डयन	25.09.2026 (शुक्रवार)
30.	55/2023	पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा में क्यूरेटर	
31.	56/2023	पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा में न्यूमिसमेटिक	25.09.2026 (शुक्रवार)
32.	39/2024	पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग, हरियाणा में सहायक निदेशक (ग्रुप-बी)	
33.	19/2025	लोक निर्माण (भ व प) विभाग, हरियाणा में सहायक अभियंता (सिविल) और विकास एवं पंचायत विभाग, हरियाणा में सब डिवीजनल इंजीनियर (सिविल) पंचायती राज	27.09.2026 (रविवार)
34.	03/2026	फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री मधुबन, करनाल, हरियाणा में सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (डीएनए)	27.09.2026 (रविवार)
35.	20/2026	फोरेंसिक साइंस लैबोरेट्री मधुबन, करनाल, हरियाणा में सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर (सीन ऑफ क्राइम)	27.09.2026 (रविवार)
36.	06/2025	एचपीजीसीएल में अंग्रेजी लैक्चरर	27.09.2026 (रविवार)
37.	70/2024	एचवीपीएनएल, बिजली विभाग, हरियाणा में चिकित्सा अधिकारी	27.09.2026 (रविवार)
38.	07/2022	रोजगार विभाग, हरियाणा में सहायक रोजगार अधिकारी (व्यवसायिक मार्गदर्शन)	27.09.2026 (रविवार)
39.	10/2024	श्रम विभाग, हरियाणा में सहायक श्रम आयुक्त	27.09.2026 (रविवार)
40.	69/2024	श्रम विभाग, हरियाणा में फिजियोथैरेपिस्ट	27.09.2026 (रविवार)
41.	17/2024	महिला एवं बाल विकास, हरियाणा में गैजेटेड में न्यूट्रीशनिस्ट (महिला)	27.09.2026 (रविवार)

दिनांक : 15.06.2026
हस्ता/- सचिव
संवाद-1156/13/384/2027/46275/88/7 दि. 15.06.26
हरियाणा लोक सेवा आयोग, पंचकूला

रोहतक डी-पार्क आगजनी पीड़ितों से मिले सीएम संवेदना व्यक्त की

मृतकों के परिजनों को 10-10 लाख रुपये की मदद

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ रोहतक/ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री हरियाणा नायब सिंह सैनी ने रोहतक के डी-पार्क क्षेत्र में गत 9 जून को हुई भीषण आगजनी की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने प्रभावित बाजार का दौरा कर दुकानदारों से संवाद किया तथा दुकानों को हुए नुकसान का जायजा लिया। मुख्यमंत्री ने आगजनी में मृतक अमन कुमार, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 10-10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि आग से भारी नुकसान झेलने वाले प्रतिष्ठानों को भी मुख्यमंत्री राहत कोष से तत्काल सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने प्रेस प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार एसी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। उन्होंने कहा कि इस दुखद घटना में अमन कुमार, रोहित खुराना तथा कपिल कुमार की मृत्यु हुई है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए परमपिता परमात्मा से प्रार्थना की तथा शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

आग से भारी नुकसान झेलने वाले आठ व्यापारिक प्रतिष्ठानों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 5-5 लाख रुपये की सहायता दी जाएगी।

सरकार नुकसान की भरपाई का हरसंभव प्रयास करेगी

नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार भीषण आगजनी से प्रभावित परिवारों और व्यापारियों के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन की क्षति की भरपाई संभव नहीं है, फिर भी राज्य सरकार पीड़ित परिवारों और प्रभावित व्यापारियों की हरसंभव सहायता करेगी। मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

दो महिलाओं सहित आठ लोगों को किया गिरफ्तार

कृषि जमीन विवाद के विवाद पर बुजुर्ग किसान की लाठी-डंडों से पीटकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सरगुजा

जिले में कृषि भूमि विवाद को लेकर एक 60 वर्षीय किसान की हत्या कर दी गई। उसे लाठियों से पीटा गया और फिर ट्रैक्टर से कुचल दिया गया। पुलिस ने बताया कि इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना रविवार को बतौली थाना क्षेत्र के पथराई गांव में हुई। गिरफ्तार किए गए आठ आरोपियों में दो महिलाएं भी शामिल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मुख्य आरोपी बजरंग पैकरा पथराई गांव का निवासी है। मृतक किसान की पहचान सिलमा गांव निवासी होसराम पैकरा के रूप में हुई है।

दो परिवारों के बीच लंबे समय से चल रहा था विवाद

विवादित 6.30 एकड़ कृषि भूमि कामेश्वरी नाम की एक निःसंतान महिला के स्वामित्व में थी। कामेश्वरी मृतक होसराम पैकरा के पिता के बड़े भाई की पत्नी थी। वह मुख्य आरोपी बजरंग पैकरा की बुआ भी थी। इस भूमि को लेकर दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते यह हिंसक घटना हुई।

कोयले से भरी मालगाड़ी के वैगन में भड़की आग

अंजोरा चौकी पुलिस क्षेत्र के रसमड़ा रेलवे स्टेशन पर बड़ा हादसा टला

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दुर्ग

अंजोरा चौकी पुलिस क्षेत्र के रसमड़ा रेलवे स्टेशन पर एक बड़ा रेल हादसा होने से टल गया। सोमवार दोपहर कोयले से भरी एक मालगाड़ी के वैगन में अचानक आग लग गई थी। यह मालगाड़ी दुर्ग से राजनांदगांव की ओर जा रही थी और रसमड़ा स्टेशन पर खड़ी थी। मालगाड़ी के एक डिब्बे से धुआं निकलते देखा गया। कोयले के ढेर से अचानक लपटें और काले धुएं का गुबार उठने लगा। तुरंत दमकल विभाग को इस घटना की सूचना दी गई। जिला प्रशासन का दमकल विभाग मौके पर पहुंचा। दमकल कर्मचारियों ने आग बुझाने का काम शुरू किया। उन्होंने पानी की तेज बौछारें मारकर आग पर काबू पाया। दमकल कर्मियों की कड़ी मशक्कत और सूझबूझ से आग को पूरी तरह से नियंत्रित किया गया। उन्होंने आग को उसी वैगन तक सीमित रखा। इससे आग शेष ट्रेन में फैलने से रुक गई।

आग लगने के कारणों की जांच जारी

मालगाड़ी के वैगन में आग लगने का कारण अभी अज्ञात है। कोयले से भरी वैगन में लगी आग ने गंभीर स्थिति पैदा कर दी थी। दमकल कर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आग को फैलने से रोका। उनकी तत्परता से एक बड़े रेल हादसे को टाला जा सका। यह घटना सोमवार दोपहर को हुई थी। यह घटना रसमड़ा रेलवे स्टेशन पर हुई, जो अंजोरा चौकी पुलिस क्षेत्र में आता है। आग लगने से स्टेशन पर कुछ समय के लिए तनाव का माहौल बन गया था। हालांकि, दमकल कर्मियों की सूझबूझ से कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ। रेलवे अधिकारियों ने घटना की जांच के आदेश

बैठक में पीसीसीएफ को ज्ञापन सौंपने का निर्णय

आईटी शाखा के कम्प्यूटर ऑपरेटर के समान ही दी जाएं संविदा नियुक्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मध्य प्रदेश कर्मचारी मंच के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे के नेतृत्व में रविवार को प्रदेश के कंप्यूटर ऑपरेटर की बैठक संपन्न हुई। बैठक में मंच के पदाधिकारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर उनके निराकरण को लेकर रणनीति बनाई। बैठक में संघर्ष करने का संकल्प पारित किया गया। बैठक में कंप्यूटर ऑपरेटरो ने पीसीसीएफ को दो सूत्रीय ज्ञापन सौंपेंने का निणर्य लिया गया।

इसके बाद मंच के पदाधिकारी शासन को अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपेंगे ताकि कंप्यूटर ऑपरेटर को आईटी शाखा के कंप्यूटर ऑपरेटर के समान ही संविदा नियुक्ति प्रदान की जाएं। कंप्यूटर ऑपरेटर श्याम चौधरी ने बताया कि 10 से 15 साल की सेवा करने के बावजूद भी कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोगामरों को ठेका मजदूर का वेतन दिया जा रहा है। जबकि कंप्यूटर ऑपरेटर विभाग के महत्वपूर्ण कार्य संपादित करते हैं और जन-जन तक विभाग की योजनाओं को पहुंचाते है। वन विभाग कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्राम का शोषण कर रहा है। उनके श्रम अधिकारों का हनन कर रहा है। जिस कारण कंप्यूटर ऑपरेटर में प्रोग्राम में असंतोष का वातावरण निर्मित है।

बैठक में दीपक उपाध्याय, देवेंद्र, मनोज परमार, प्रीतम सिंह सिसोदिया, राकेश साहू, श्याम प्रजापति, आसिफ खान समेत बड़ी संख्या में कंप्यूटर ऑपरेटर बैठक में शामिल हुए।

चिंतन

ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा ईरान

आखिरकार 107 दिन से अधिक समय तक जारी संघर्ष के बाद अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो ही गया। अब उम्मीद है कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव खत्म होगा और महंगाई से जूझ रही दुनिया को कुछ राहत मिलेगी। हालांकि समझौते की शर्तों को देखकर लगता है कि यह काफी पहले ही हो जाना चाहिए था, लेकिन दोनों देशों के अड़ियल रुख के कारण अटका हुआ था। अब ईरान आखिरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दबाव में लेने में सफल रहा और दोनों देश शांति समझौते पर सहमत हुए हैं। यदि 19 जून को जेनेवा में प्रस्तावित समझौते पर हस्ताक्षर हो जाते हैं तो यह केवल दो देशों के बीच युद्धविराम नहीं होगा, बल्कि वैश्विक राजनीति में शक्ति संतुलन का एक महत्वपूर्ण संकेत भी होगा। दिलचस्प बात यह है कि जिस ईरान को अमेरिका लगातार आर्थिक प्रतिबंधों, सैन्य दबाव और कूटनीतिक अलगाव के जरिए झुकाने की कोशिश कर रहा था, वही ईरान आज अपनी प्रमुख शर्तें मनवाने में सफल रहा। ट्रंप ने समझौते की घोषणा करते हुए इसे अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया है। उन्होंने होर्मुज़ जलडमरूमध्य को वाणिज्यिक जहाजों के लिए खोलने और नौसैनिक नाकेबंदी हटाने की बात कही है, लेकिन सवाल यह है कि यदि अमेरिका को अंततः यही कदम उठाने थे तो फिर 107 दिनों की तबाही, क्षेत्रीय अस्थिरता और वैश्विक आर्थिक संकट की आशंका क्यों पैदा की गई? दरअसल यह समझौता बताता है कि केवल सैन्य शक्ति के दम पर किसी राष्ट्र को हमेशा झुकाया नहीं जा सकता। ईरान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि उसने दबाव झेलते हुए भी अपने मूल हितों से समझौता नहीं किया। तेहरान ने स्पष्ट कर दिया कि यदि अमेरिका को स्थायी शांति चाहिए तो उसे नौसैनिक नाकेबंदी हटानी होगी, सैन्य कार्रवाई रोकनी होगी और ईरान के जमे हुए फंड जारी करने होंगे। हालांकि इस समझौते को अंतिम सफलता मान लेना जल्दबाजी होगी। स्वयं ट्रंप ने कहा है कि परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका की संतुष्टि जरूरी होगी, अन्यथा सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि अविश्वास अभी भी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। दोनों देशों के बीच दशकों पुरानी दुश्मनी किसी एक दस्तावेज पर हस्ताक्षर से समाप्त नहीं होगी। इस पूरे घटनाक्रम में इजराइल का रुख भी महत्वपूर्ण है। समझौते की घोषणा से ठीक पहले लेबनान में की गई बमबारी और इजराइली नेताओं की तीखी प्रतिक्रिया इस बात का संकेत है कि क्षेत्रीय राजनीति अभी भी जटिल बनी हुई है। ऐसे में यदि अमेरिका और ईरान के बीच रिश्तों में नरमी आती है तो यह इजराइल की रणनीतिक चिंताओं को बढ़ा सकती है। यही वजह है कि शांति प्रक्रिया के सामने सबसे बड़ी चुनौती केवल वाशिंगटन और तेहरान नहीं, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया की जटिल भू-राजनीति है। इस समझौते का सबसे बड़ा सकारात्मक प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ सकता है। होर्मुज़ जलडमरूमध्य से दुनिया के तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा गुजरता है। वहां तनाव बढ़ने पर तेल की कीमतों में उछाल और महंगाई का खतरा लगातार बना हुआ था। यदि समुद्री मार्ग सामान्य होते हैं और क्षेत्रीय स्थिरता लौटती है तो ऊर्जा बाजार को राहत मिलेगी। इसका लाभ उन देशों को भी मिलेगा जो पहले से महंगाई और आर्थिक सुस्ती से जूझ रहे हैं। फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि इस दौर में कूटनीति ने हथियारों पर बढ़त बनाई है और ईरान ने यह साबित किया है कि दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति और रणनीतिक धैर्य के बल पर बड़ी से बड़ी महाशक्ति को भी बातचीत की मेज तक लाया जा सकता है।

डिजिटल पंचायत

बलकार सिंह

ई-गवर्नेंस पुरस्कार से दिखी गांवों की बदलती तस्वीर

भारत के लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति उसकी पंचायतों में निहित है। संविधान के 73वें संशोधन ने जिस पंचायती राज व्यवस्था को संवैधानिक आधार प्रदान किया था, आज वही व्यवस्था डिजिटल तकनीक, डेटा आधारित निर्णय और नागरिक-केंद्रित सेवाओं के माध्यम से विकास की नई इबारत लिख रही है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के परिणाम इस परिवर्तन के सशक्त प्रमाण हैं। इन पुरस्कारों ने न केवल पंचायतों की उपलब्धियों को राष्ट्रीय पहचान दी है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि विकसित भारत 2047 का सपना गांवों की भागीदारी के बिना साकार नहीं हो सकता। पंचायती राज मंत्रालय की चार पहलों का राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 के लिए चयनित होना अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल तकनीक के उपयोग का सम्मान नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और प्रभावी बनाने के प्रयासों की स्वीकृति है। यह पहल देशभर की ग्राम पंचायतों के विकास प्रदर्शन का वैज्ञानिक और डेटा-आधारित मूल्यांकन करती है। स्थानीय सतत विकास लक्ष्यों के नौ विषयों पर आधारित यह सूचकांक पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन तक सीमित नहीं रखता, बल्कि उन्हें परिणामोन्मुख शासन की ओर प्रेरित करता है। यह पहली बार है जब ग्राम पंचायतों के विकास को इतने व्यापक और तथ्यपरक तरीके से मापा जा रहा है। डेटा आधारित शासन की यह संस्कृति आने वाले समय में ग्रामीण प्रशासन की दिशा और दशा दोनों बदल सकती है। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 में महाराष्ट्र के सांगली जिले की कादेपुर ग्राम पंचायत का स्वर्ण पुरस्कार जीतना विशेष रूप से प्रेरणादायक है। यह पंचायत आज डिजिटल भारत की वास्तविक तस्वीर प्रस्तुत करती है। यहां 4,300 से अधिक लाभार्थियों को 1,355 से अधिक सेवाएं पूर्णतः ऑनलाइन उपलब्ध कराई जा रही हैं। पूरी पंचायत कागज रहित ई-ऑफिस प्रणाली पर कार्य कर रही है। आठ एआई-संचालित प्रशासनिक अनुप्रयोग, ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन और जीआईएस आधारित संपत्ति जियो-टैगिंग जैसी अत्याधुनिक तकनीकों का उपयोग यह दर्शाता है कि तकनीकी नवाचार केवल महानगरों तक सीमित नहीं है। कादेपुर देश की एकमात्र ग्राम पंचायत है जिसके पास कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन, नैनो तकनीक, जैव प्रौद्योगिकी और रोबोटिक्स पर औपचारिक रूप से स्वीकृत नीतियां हैं। यह उपलब्धि बताती है कि यदि नेतृत्व दूरदर्शी हो तो गांव भी वैश्विक स्तर की तकनीकी प्रयोगशाला बन सकते हैं। इसी प्रकार त्रिपुरा की बिजॉय नगर ग्राम पंचायत ने रजत पुरस्कार प्राप्त कर यह सिद्ध किया है कि डिजिटल परिवर्तन केवल तकनीक का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक भागीदारी का भी विषय है। इस पंचायत ने सहभागी शासन, वित्तीय जवाबदेही और डिजिटल समावेशन का उत्कृष्ट मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत उन्नति सूचकांक में इसका स्कोर 88.55 तक पहुंच गया है, जो पिछले संस्करण की तुलना में 38 प्रतिशत अधिक है। सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि महिलाओं में 100 प्रतिशत डिजिटल साक्षरता प्राप्त करना है। यह उदाहरण बताता है कि जब तकनीक समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचती है, तभी उसका वास्तविक उद्देश्य पूरा होता है। महाराष्ट्र के नंदुरबार जिला परिषद की 'ई-आरोग्य धामनी' पहल को मिला स्वर्ण पुरस्कार ई-गवर्नेंस की सामाजिक उपयोगिता को रेखांकित करता है। आदिवासी और दूरस्थ क्षेत्रों में डिजिटल माध्यमों से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना आसान कार्य नहीं है। इस पहल ने सिद्ध किया है कि तकनीक का सर्वोत्तम उपयोग तभी है जब वह उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। पंचायत उन्नति सूचकांक, कादेपुर, बिजॉय नगर और ई-आरोग्य धामनी जैसी पहलें दिखाती हैं कि गांवों में परिवर्तन की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। महात्मा गांधी ने ग्राम स्वराज का जो सपना देखा था, वह आत्मनिर्भरता, पारदर्शिता और जनभागीदारी पर आधारित था। आज डिजिटल तकनीक उस स्वप्न को आधुनिक स्वरूप प्रदान कर रही है। यदि देश की पंचायतें इसी प्रकार तकनीक को जनकल्याण का माध्यम बनाती रहीं, तो विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक साकार होती हुई वास्तविकता बन जाएगा। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार 2026 ने यह साबित कर दिया है कि भारत की विकास यात्रा की सबसे मजबूत नींव गांवों में ही रखी जा रही है और डिजिटल पंचायतें ही भविष्य के भारत की नई पहचान बनने जा रही हैं।

(लेखक इग्नू में सहायक प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

राष्ट्रभक्ति

महेन्द्र तिवारी

वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है। इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है।

सैन्य परंपरा-पोशाक में ऐतिहासिक बदलाव

भारतीय सेना का इतिहास पराक्रम, शौर्य और अप्रतिम बलिदान की गाथाओं से समृद्ध है। स्वतंत्रता के बाद से ही हमारी सेना ने देश की सीमाओं की रक्षा करने और राष्ट्रीय संप्रभुता को अक्षुण्ण बनाए रखने में अभूतपूर्व भूमिका निभाई है। हालांकि, स्वतंत्रता के कई दशकों बाद भी सेना की कुछ आंतरिक व्यवस्थाओं, नियमों, पोशाक और प्रतीकों में ब्रिटिश काल की स्पष्ट छाप दिखाई देती थी। वर्तमान समय में भारतीय सेना अपनी इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि में एक युगांतरकारी और अत्यंत महत्वपूर्ण परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। सेना द्वारा अपनी वेशभूषा नीति, औपचारिक परंपराओं और सदियों पुराने रीति-रिवाजों में किए जा रहे बदलाव इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि अब देश अपनी औपनिवेशिक विरासत को पीछे छोड़ने के लिए मानसिक रूप से पूरी तरह तैयार हो चुका है।

इन महत्वपूर्ण और दूरगामी सुधारों का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को विदेशी प्रभाव से मुक्त कराकर विशुद्ध रूप से भारतीय संस्कृति, सभ्यता और अपनी ऐतिहासिक जड़ों से गहराई से जोड़ना है। यह संपूर्ण प्रक्रिया भारत सरकार के उन 5 महासंकल्पों का एक अनिवार्य हिस्सा है, जिन्हें पंच प्रण के नाम से जाना जाता है। इन संकल्पों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रण गुलामी की हर सोच और उसके प्रत्येक प्रतीक से पूर्ण मुक्ति पाना है, जिसे भारतीय सेना अब धरातल पर पूरी निष्ठा के साथ उतार रही है। ब्रिटिश शासनकाल से ही यह व्यवस्था निरंतर चली आ रही थी कि जब भी कोई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी किसी सैनिक कदमताल या विदाई समारोह की सलामी लेता था, तो वह समीक्षा अधिकारी के रूप में अपने साथ एक विशेष औपचारिक तलवार रखता था। यह तलवार ब्रिटिश काल में औपनिवेशिक शासकों द्वारा अपनी शक्ति, सर्वोच्च कमान और भारतीय सैनिकों पर अपने प्रभुत्व का प्रदर्शन करने का एक मुख्य माध्यम मानी जाती थी। स्वतंत्र भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था और संप्रभु राष्ट्र में इस तरह के सामंती प्रतीकों की कोई आवश्यकता नहीं रह गई थी।

इसी ऐतिहासिक तथ्य को ध्यान में रखते हुए अब समीक्षा अधिकारी द्वारा सैन्य मार्च के दौरान या किसी भी अन्य औपचारिक निरीक्षण में तलवार रखने की इस पुरानी प्रथा को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है। इसके साथ ही, वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों द्वारा अपनी कमान और नेतृत्व के प्रतीक के रूप में ले जाई जाने वाली विशेष छड़ी के इस्तेमाल को अब बेहद सीमित कर दिया गया है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि भारतीय सेना में नेतृत्व और सम्मान का आधार कोई बाहरी वस्तु या औपनिवेशिक दिखावा नहीं, बल्कि अधिकारी की अपनी योग्यता, कर्तव्यपरायणता और अपने देश के प्रति अटूट निष्ठा है।

इस वैचारिक परिवर्तन का सीधा और गहरा असर सैन्य अधिकारियों के पहनावे और पोशाक से जुड़े नियमों पर भी दिखाई दे रहा है। एक लंबे समय से यह देखा जा रहा था कि सैन्य अधिकारियों के भोजनालयों और अन्य महत्वपूर्ण औपचारिक आयोजनों में पश्चिमी देशों के कोट, औपचारिक वस्त्रों और गले के बंध का ही प्रचलन अनिवार्य बना हुआ था। भारतीय जलवायु और यहां की गौरवशाली संस्कृति के सर्वथा विपरीत इस तरह के विदेशी पहनावे को ढोना भी एक प्रकार की मानसिक परतंत्रता का ही हिस्सा माना जा सकता है। इस पुरानी व्यवस्था को बदलते हुए अब अधिकारियों की औपचारिक

पोशाक में पहली बार 'बंदी' नाम के पारंपरिक भारतीय परिधान को आधिकारिक तौर पर स्थान दिया गया है। यह बिना आस्तीन का एक विशेष वस्त्र है, जिसे आम बोलचाल में पारंपरिक कुर्ता या भारतीय नेहरू वेशभूषा के रूप में भी जाना जाता है। अब सैन्य अधिकारी इसे अपनी कमीज और पतलून के साथ अत्यंत गर्व से धारण कर सकते हैं। यह कदम न केवल भारतीय वस्त्र उद्योग और स्थानीय शिल्पकला को नया सम्मान देता है, बल्कि सैन्य जीवनशैली में एक विशिष्ट भारतीय पहचान का समावेश भी करता है। इसके माध्यम से यह दृढ़ संदेश दिया गया है कि हमारे अपने पारंपरिक परिधान भी दुनिया के किसी भी उच्च स्तरीय आधिकारिक आयोजन के लिए पूरी तरह से गरिमापूर्ण और सर्वश्रेष्ठ हैं। इस प्रकार, सैन्य व्यवस्था और उसकी जीवनशैली में किए गए ये सभी बदलाव केवल ऊपरी या सतही परिवर्तन नहीं हैं, बल्कि यह भारतीय समाज और राष्ट्र की सोच में आ रहे एक व्यापक गुणात्मक सुधार को रेखांकित करते हैं। सेना के सभी संगीत दल अब विदेशी धुनों की बजाय भारतीय शास्त्रीय संगीत, लोक संगीत और देश की माटी से जुड़ी देशभक्ति की धुनों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहे हैं। यह युगांतरकारी बदलाव भविष्य की पीढ़ियों को भी अपनी अनूठी संस्कृति पर गर्व करने की निरंतर प्रेरणा देता रहेगा। परंपराओं के इस शुद्धिकरण के अंतर्गत केवल पहनावा ही नहीं बदला गया है, बल्कि अधिकारियों की विदाई के तौर-तरीकों में भी बड़े सुधार किए गए हैं। पूर्ववर्ती नियमों के अनुसार, जब भी सेना के शीर्ष पदों पर आसीन अधिकारी, जैसे थल सेनाध्यक्ष या सैन्य कमान प्रमुख अपनी लंबी सेवा के बाद सेवानिवृत्त होते थे, तो उन्हें विदाई देने के लिए घोड़ों से खिंचने वाली एक पुरानी पारंपरिक बग्घी का उपयोग किया जाता था। यह घोड़ों वाली बग्घी प्रथा पूरी तरह से ब्रिटिश राजसी ठाट-बाठ और आम जनता तथा साधारण सैनिकों से दूरी बनाए रखने की औपनिवेशिक मानसिकता से प्रेरित थी, जो एक लोकतान्त्रिक देश की सेना में उचित नहीं जान पड़ती थी। अब सेना ने इस सामंती विदाई प्रथा को भी हमेशा के लिए बंद करने का ऐतिहासिक फैसला किया है। अब अधिकारियों की विदाई बेहद सादगीपूर्ण, अनुशासित और भारतीय मूल्यों के अनुरूप की जाती है। यह बदलाव सैन्य अधिकारियों और उनके अधीन काम करने वाले जवानों के बीच की दूरी को कम करने तथा सेना के भीतर एक समतावादी और आत्मीय वातावरण स्थापित करने में बहुत सहायक सिद्ध हो रहा है।

सैन्य संस्कृति का एक और बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण हिस्सा उसका संगीत होता है, जो सैनिकों के भीतर अदम्य साहस का संचार करता है। युद्ध के मैदान से लेकर शांति काल के समारोहों तक, सैन्य संगीत दल हमेशा से जवानों में जोश और देशप्रेम की भावना भरते रहे हैं। लेकिन स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी हमारे विभिन्न सैन्य संगीत दल पुरानी अंग्रेजी और स्कॉटिश धुनों को बजाने के लिए विवश थे। गणतंत्र दिवस उत्सव के समापन समारोह के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रम में वर्षों तक एक विदेशी प्रार्थना धुन बजाई जाती थी, जिसका भारतीय जनमानस से कोई भी भावनात्मक जुड़ाव नहीं था। अब इस व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए उस पुरानी विदेशी धुन के स्थान पर 'ऐ मेरे वतन के लोगों' जैसी अमर, लोकप्रिय और हृदयस्पर्शी भारतीय देशभक्ति धुन को शामिल किया गया है। जब सैन्य वाद्यों से भारतीय राग और लोक धुनें निकलती हैं, तो वे न केवल सैनिकों का मनोबल बढ़ाती हैं बल्कि पूरे देश को एक सांस्कृतिक सूत्र में पिरोने का काम करती हैं। इन सुधारों के माध्यम से सेना ने यह साबित कर दिया है कि वह आधुनिकतम तकनीकों और घातक हथियारों से लैस होने के साथ-साथ वैचारिक रूप से पूरी तरह भारतीय मूल्यों, सिद्धांतों और राष्ट्रभक्ति के प्रति समर्पित है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

भजन ही शरीर का प्राण

संकलित

दर्शन

काकभुशुंडि जी कहते हैं, मेरे इस भाव परिवर्तन से मेरे परमकृपालु सदाशिव विश्वनाथ मुझ पर और भी अधिक प्रसन्न हो गए। उन्हें लगा कि मेरे इस भक्त (काकभुशुंडि) का प्रवेश मेरे हृदय में हो गया है और इसने देख लिया कि मेरे इष्ट तो बालक राम हैं, जो अयोध्या में दशरथ के अजिर में मालपुआ लेकर घूमते रहते हैं। काकभुशुंडि जी हमें और आपको यह बताना चाहते हैं कि जब उन्होंने कौआ होकर भी भगवान को पा लिया तो हम लोगों के भाग्य के लिए तो शब्द ही नहीं हैं। प्रभु श्रीरामचंद्र जी ने स्वयं भी समस्त चराचर के कल्याण के लिए मनुष्य का ही शरीर धारण कर लिया है। वे कहते हैं कि इस शरीर को पाने का मात्र एक ही लाभ है कि व्यक्ति भगवान का भजन करे। भक्त काकभुशुंडि ने मनुष्य शरीर से भजन करने के प्रताप और फल को बताते हुए कहा कि ज्ञानी ऋषि लोमश ने मेरे अंदर भक्ति के प्रति पक्षपात देखकर भले ही मुझे अपनी दृष्टि से कौआ बनने का शाप दिया था, पर वह मेरे लिए वरदान हो गया। महत्व इसका नहीं है कि हम किस शरीर, किस देश, किस जाति और धर्म के हैं। काकभुशुंडि जी कहते हैं कि महत्वपूर्ण यह है कि हम भगवान की भक्ति और भजन कर रहे हैं या नहीं? भजन ही शरीर का प्राण है। गोस्वामी जी ने इस बात पर जोर दिया है कि जिसने इस धरा पर जन्म लेकर भगवान का भजन कर लिया, बस वही धन्य है। उसी की विजय होती है, वही संसार में सबके प्रति विनयी होता है, वही गुणों की खान होता है और सारे विश्व में उसी का यश त्रैलोक्य में उजागर होता है।

ईश्वर बहुत दयालु है

संकलित

प्रेरणा

एक राजा का एक विशाल फलों का बगीचा था, उसमें तरह-तरह के फल होते थे और उस बगीचा की सारी देखरेख एक किसान अपने परिवार के साथ करता था। वह किसान हर दिन बगीचे के ताज़े फल लेकर राजा के राजमहल में जाता था। एक दिन किसान ने पेड़ों पे देखा नारियल, अमरुद, बेर, और अंगूर पक कर तैयार हो रहे हैं, किसान सोचने लगा आज कौन सा फल महाराज को अर्पित करूँ। फिर उसे लगा अँगूर करने चाहिए, क्योंकि वो तैयार हैं। इसलिए उसने अंगूरों की टोकरी भर ली और राजा को देने चल पड़ा! किसान राजमहल में पहुंचा, राजा किसी दूसरे ख्याल में खोया हुआ था और नाराज भी लग रहा था। किसान रोज की तरह मीठे रसीले अंगूरों की टोकरी राजा के सामने रख दी और थोड़े दूर बैठ गया। अब राजा उसी ख्यालों-ख्यालों में टोकरी में से अंगूर उठाता एक खाता और एक खींच कर किसान के माथे पे निशाना साधकर फेंक देता। राजा का अंगूर जब भी किसान के माथे या शरीर पर लगता था तो किसान कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। राजा फिर और जोर से अंगूर फेकता था, किसान फिर वही कहता था, ईश्वर बड़ा दयालु है। थोड़ी देर बाद राजा को एहसास हुआ कि वो क्या कर रहा है और प्रत्युत्तर क्या आ रहा है, वो सम्भल कर बैठा। उसने किसान से कहा, मै तुझे बार-बार अंगूर मार रहा हूँ और ये अंगूर तुम्हे लग भी रहे हैं, फिर भी तुम यह बार-बार क्यों कह रहे हो कि ईश्वर बड़ा दयालु है।

अंतर्मन

आज की पाती

बढ़ती असहिष्णुता

राजधानी रायपुर में मामूली विवाद से शुरू हुआ झगड़ा हत्या तक पहुंच रहा है। ऐसी घटनाएं समाज में बढ़ती असहिष्णुता, गुस्से और संवाद की कमी की गंभीर समस्या को उजागर करती है। आज देशभर में छोटी-छोटी बातों पर हिंसा, मारपीट और हत्याओं की घटनाएं बढ़ती दिखाई दे रही हैं। इसके पीछे घटता धैर्य, बढ़ता तनाव, नशे का दुरुपयोग, सोशल मीडिया पर भड़काऊ सामग्री और न्याय प्रक्रिया में देरी जैसे कई कारण जिम्मेदार माने जा सकते हैं। हालांकि कानून कमजोर नहीं है। भारतीय न्याय संहिता हत्या, दंगा और हिंसा के लिए कड़े दंड का प्रावधान करती है। चुनौती कानूनों की कमी नहीं, बल्कि उनके प्रति सम्मान और सामाजिक मूल्यों को मजबूत करने की है।

- सुधीर यादव, रायपुर

ट्रेंड

भारत-स्लोवाकिया दोस्ती

प्रधानमंत्री फिको के साथ बहुत अच्छी बैठक हुई। भारत-स्लोवाकिया दोस्ती के लिए यह एक बहुत खास पल है। ऑटोमोबाइल, रेलवे, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा हुई।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

जीवन में ठोस सुधार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में,पिछले 12 वर्षों में टैक्स में राहत, मेट्रो नेटवर्क के विस्तार, आधुनिक कनेक्टिविटी और 'ईज़ ऑफ़लिविंग' (जीवन को आसान बनाने) पर लगातार ध्यान दिए जाने से भारत के मध्यम वर्ग के जीवन में ठोस सुधार आए हैं।

- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

ईडी पार्टी जिम्मेदार

ईडी पार्टी के अधिकारी खुद पंजाब में ड्रग्स बेचते हुए पकड़े गए। क्या उसके तार ड्रग्स से जुड़े हैं? आज पंजाब में 70% ड्रग्स गुजरात के रास्तों से आ रही है। पंजाब के युवाओं को बर्बाद करने के लिए ईडी पार्टी और 'चिट्टा पार्टी' ज़िम्मेदार हैं।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

मातृभूमि की नई कहानी

नफरत के कांटे बहुत बढ़ गए हैं, अब 'फूलों का मौसम' लाने का समय आ गया है। 'प्यार, करुणा और अपनापन' लेकर हमें हर गांव और गली तक पहुंचना है। मिलकर, हम सभी को अपनी मातृभूमि की एक नई कहानी लिखनी है।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

पिचाई के भाषण में छात्रों ने लहराए फलस्तीन झंडे

अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में गूगल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई के संबोधन के दौरान फलस्तीन समर्थक कई छात्रों ने बहिर्गमन किया और झंडे लहराए। स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से 'मैटीरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग' में मास्टर ऑफ साइंस (एमएस) की डिग्री प्राप्त कर चुके पिचाई रविवार को वर्ष 2026 की कक्षा को संबोधित करने के लिए अपने पूर्व शिक्षण संस्थान लौटे थे। 'स्टैनफोर्ड रिपोर्ट' के अनुसार विश्वविद्यालय के 135वें दीक्षांत समारोह में 3,600 छात्रों सहित 20,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। 'एसएफगेट' की एक खबर में कहा गया है कि पिचाई द्वारा छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित किए जाने के दौरान लगभग 200 छात्र समारोह स्थल से बाहर चले गए। खबर के अनुसार, दर्शक दीर्घा में मौजूद कुछ समूहों ने बैनर और फलस्तीनी झंडे लहराए तथा सीटी बजाई। बाद में वे भाषण के बीच में ही बाहर निकल गए। खबर में कहा गया कि फलस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने इजराइल सरकार के साथ गूगल के संबंधों, विशेष रूप से वर्ष 2021 में हुए 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर के क्लाउड कंप्यूटिंग समझौते 'प्रोजेक्ट निम्बस' का विरोध किया।

ऑफ बीट

भोजन के साथ आपके संबंध कैसे हैं

क्या आप अपने शरीर के संकेतों को समझते हैं, जिसका अर्थ है कि आपको पता है कि आपको कब भूख लगी है, कब नहीं और कब पेट भरा हुआ महसूस हो रहा है? सभी खाद्य समूहों में नियमित अंतराल पर उचित मात्रा और विभिन्न प्रकार के खाद्य पदार्थ खा रहे हैं ताकि आपकी पोषक तत्व, स्वास्थ्य और कल्याण संबंधी ज़रूरतें पूरी हों? दूसरों के साथ खाना और अकेले खाना भी आरामदायक है? क्या आप भोजन का आनंद लेने में सक्षम हैं, यदि आपको अधिक जवाब हां में नहीं मिले, तो आपको भोजन के साथ अपने रिश्ते को बेहतर बनाने पर काम करने की आवश्यकता हो सकती है। समस्या यह है कि यह मस्तिष्क के पुरस्कार केंद्र को ट्रिगर करता है, जिसका अर्थ है कि यद्यपि आप बेहतर महसूस करते हैं, यह व्यवहार प्रबल हो जाता है, इसलिए नकारात्मक भावनाओं के जवाब में आपके खाते रहने की संभावना अधिक होती है। भावनात्मक खान-पान और अनियंत्रित खान-पान की प्रवृत्ति खाने के विकार के लक्षणों और खराब गुणवत्ता वाले आहार से जुड़ी होने की अधिक संभावना है, जिसमें सब्जियों का कम सेवन और कम पोषक तत्वों वाले खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन शामिल है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

सोमवती अमावस्या पर हरिद्वार में उमड़ा आस्था का सैलाब

लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी, पूजा की

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 सुपर जोन, 16 जोन और 40 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें डिप्टी एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों की तैनाती की गई है

एजेंसी ⏭ हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार में सोमवती अमावस्या के पावन पर्व पर आस्था का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सुबह तड़के से ही हर की पौड़ी समेत गंगा के प्रमुख घाटों पर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में आस्था की डुबकी लगाकर पूजा-अर्चना की। सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट रहा, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित और एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने खुद ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

सुबह तड़के पहुंचे लोग घाटों पर लगी भीड़

पुलिस प्रशासन अलर्ट हर जगह बल तैनात रहा

हरिद्वार में हर की पौड़ी घाट पर स्नान करते श्रद्धालु

300 वर्ष बाद दुर्लभ योग बना

अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष रवींद्र पुरी ने बताया कि लगभग तीन सौ वर्षों बाद ज्योतिषीय गणना के अनुसार ऐसा दुर्लभ योग बना है। ग्रहों की वर्तमान स्थिति, समवर्ती अमावस्या और अधिक मास का यह संयोग बना है। यह अपने आप में अत्यंत विशेष है। उन्होंने कहा कि जो लोग पूरे मास व्रत रखते हैं, उन्हें सोमवती अमावस्या के दिन अपने पूर्वजों और पितरों का तर्पण करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति घर पर ही है, तो वह स्नान के जल में थोड़ा-सा गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकता है और अपने पूर्वजों का स्मरण कर सकता है।

पितरों का तर्पण किया

सोमवती अमावस्या के दिन श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के बाद भगवान शिव का अभिषेक किया। अपने कुल के दिवंगत सदस्यों अर्थात पितरों का तर्पण किया। जरूरतमंद ब्राह्मणों को यथाशक्ति दान-दक्षिणा देनी चाहिए तथा उन्हें भोजन भी कराया।

घाटों पर सभी व्यवस्थाएं की गईं

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने बताया कि प्रशासन की ओर से घाटों पर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। वहीं एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने बताया कि मेले को सकुशल संपन्न कराने के लिए 6 सुपर जोन, 16 जोन और 40 सेक्टर बनाए गए हैं, जिनमें डिप्टी एसपी, सीओ, इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर स्तर के अधिकारियों की तैनाती की गई है।

बम डिस्पोजल स्क्वाड तैनात

एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने कहा कि सुरक्षा के लिए एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। सुरक्षा जांच के लिए बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस) और डॉग स्क्वाड भी तैनात हैं।

खबर संक्षेप

फोर्ब्स सफल प्रवासियों की सूची में 30 भारतवंशी

नई दिल्ली। अमेरिका की स्थापना के 250 साल पूरे होने के ऐतिहासिक मौके पर प्रसिद्ध बिजनेस पत्रिका फोर्ब्स ने अमेरिका के सबसे सफल 250 प्रवासियों की एक विशेष सूची जारी की है। इस प्रतिष्ठित सूची में भारतीय मूल के 30 दिग्गजों ने अपनी जगह बनाकर वैश्विक पटल पर भारत का नाम रोशन किया है।

सीएम भगवंत मान खालसा पंथ विरोधी करार

अमृतसर। श्री अकाल तख्त साहिब ने पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान को खालसा पंथ विरोधी करार दिया है। श्री अकाल तख्त के जत्थेदार ने पंजाब विधानसभा के सभी सिख विधायकों व कैबिनेट को 29 जून को तलब किया है। एक बैठक में सीएम मान के खिलाफ शिकायत में आपत्तिजनक वीडियो पाया गया।

नागौर जिले में सड़क हादसा, 3 लोगों की मौत

नागौर। राजस्थान के नागौर जिले में सोमवार को सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई तथा पांच अन्य घायल हुए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा लूणी नदी पर से गुजरने के रास्ते के पास हुआ जब एक वैन और निजी बस की टक्कर हो गई। वैन में सवार सभी आठ लोग एक ही परिवार के थे।

रिलायंस अनिल ग्रुप के दो ग्रुप एमडी अरेस्ट

नई दिल्ली। ईडी ने 'प्रिवेंशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002' के तहत अपराधों के लिए रिलायंस अनिल अंबानी ग्रुप के ग्रुप एमडी सतीश सेठ और गौतम भाईलाल दोषी को अरेस्ट किया है। सतीश सेठ को मेसर्ज रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लि. और गौतम दोषी को रिलायंस कम्युनिकेशंस लि. में अरेस्ट किया।

पंजाब के निजी स्कूलों में 25% गरीब बच्चों के प्रवेश का मुद्दा

15 साल से क्यों लागू नहीं हुआ शिक्षा का अधिकार कानून? सुको ने केंद्र व राज्य से मांगा जवाब

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वह कम से कम एक जिले में सर्वेक्षण करे ताकि यह पता चल सके कि वहां कितने निजी स्कूल हैं। उनमें से कितने अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं कर रहे हैं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र और पंजाब सरकार से उस याचिका पर जवाब मांगा है। जिसमें राज्य में बाल शिक्षा के निशुल्क और अनिवार्य अधिकार (आरटीई) अधिनियम 2009 के कार्यान्वयन न होने का दावा किया गया है। याचिका में केंद्र को यह निर्देश देने की मांग की गई है कि पंजाब सरकार की ओर से अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी और निरंतर अनुपालन सुनिश्चित किया जाए, जिसमें निजी स्कूलों में कक्षा 1 में कम से कम 25 प्रतिशत कमजोर वर्ग और वंचित समूह के बच्चों को प्रवेश देने से संबंधित प्रावधान भी शामिल है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने उपस्थित याचिकाकर्ता से पूछा, 'क्या आप कुछ ऐसे स्कूलों की पहचान कर पाए हैं जो ऐसा नहीं कर रहे हैं?'

50000 गरीब छात्र लाभ से वंचित

याचिकाकर्ता को एक जिले का सर्वेकरने को कहा

करीब 450 छात्रों को ही मिला प्रवेश

याचिकाकर्ता ने दावा किया कि पंजाब में पिछले 15 वर्षों से अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं किया जा रहा है। उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय के 2012 के उस फैसले का हवाला दिया जिसमें आरटीई अधिनियम की वैधता को बरकरार रखा गया था। पीठ ने राज्य की ओर से पहले दायर किए गए एक हलफनामे का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के 450 से अधिक छात्रों को निजी स्कूलों में प्रवेश दिया गया था।

हम नोटिस जारी कर रहे

याचिकाकर्ता ने कहा कि यह संख्या लगभग 50,000 होनी चाहिए थी, क्योंकि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, प्रवेश स्तर पर हर साल लगभग दो लाख छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। बेंच ने कहा कि हम नोटिस जारी कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सुझाव दिया कि वह कम से कम एक जिले में सर्वेक्षण करे ताकि यह पता चल सके कि वहां कितने निजी स्कूल हैं। उनमें से कितने अधिनियम के प्रावधानों को लागू नहीं कर रहे हैं।

पारदर्शी तंत्र स्थापित करने की मांग

याचिका में केंद्र को यह निर्देश देने की भी मांग की गई है कि वह पंजाब में अधिनियम की धारा 12(1)(सी) के प्रावधानों को लागू करने के लिए एक पारदर्शी, समयबद्ध और प्रभावी कार्यान्वयन तंत्र की स्थापना सुनिश्चित करे, जिसमें उपलब्ध सीटों का निर्धारण और प्रकाशन, प्रवेश कार्यक्रम का प्रकाशन, सुलभ आवेदन प्रक्रिया, प्रतिपूर्ति ढांचा और गैर-अनुपालन के लिए वैधानिक परिणामों का प्रवर्तन शामिल है।

क्या है धारा 12?

अधिनियम की धारा 12 निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा के लिए विद्यालय की जिम्मेदारी की सीमा से संबंधित है। धारा 12 (1) (सी) कहती है कि एक विद्यालय कक्षा 1 में, उस कक्षा की कुल संख्या के कम से कम 25 प्रतिशत तक, आस-पड़ोस के कमजोर वर्गों और वंचित समूहों से संबंधित बच्चों को प्रवेश देगा। इसकी साथ ही उसकी पूर्णता तक मुफ्त और अनिवार्य प्राथमिक शिक्षा देंगे।

ट्रांसजेंडर कानून: अलग-अलग अदालत में सुनवाई पर रोक

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को उस याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें देश के विभिन्न हाईकोर्टों में लंबित उन याचिकाओं को अपने पास स्थानांतरित करने की मांग की गई है, जो ट्रांसजेंडर पर्सन्स (प्रोटेक्शन ऑफ राइट्स) अमेंडमेंट एक्ट, 2026 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देती हैं।

यह नया व्यवसाय बन गया है, आरोपियों को अग्रिम जमानत देने से इनकार

सुप्रीम कोर्ट ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत सक्रियता को 'एक नया व्यवसाय' करार देते हुए एक आरटीआई कार्यकर्ता और सड़क निर्माण कार्य में सरकारी कर्मचारी को बाधा पहुंचाने के आरोपी अन्य लोगों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी। जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार बहल और उनके सहयोगी को जमानत देने से इनकार कर दिया और सड़क निर्माण के काम की निगरानी करने के उनके अधिकार पर भी सवाल उठाए। जस्टिस मेहता ने कहा, आरटीआई सक्रियता लोगों के बीच एक नया व्यवसाय बन गया है। केंद्र सरकार ने फंड जारी किया है, वही सड़क निर्माण का ध्यान रखेगी। आप कोई नहीं हैं। तथाकथित आईटीआई एक्टिविस्ट! यलो जर्नलिज्म... याचिका खारिज।

आरटीआई सक्रियता पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

20 टीएमसी सांसदों के कथित अलग गुट वाले मामले में रमेश ने अमित शाह पर लगाए गंभीर आरोप

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस महासचिव एवं पार्टी के संचार प्रभारी जयराम रमेश ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया है कि भारतीय लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए राजनीतिक तौर पर अनैतिक और असंवैधानिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के 20 सांसदों को अलग कर एक नए राजनीतिक दल में शामिल कराया जा रहा है, जिसका उद्देश्य लोकसभा में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की ताकत बढ़ाना है। बाद में उक्त पार्टी का विलय भाजपा में करा लिए जाने का अंदेशा है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री का यह कदम भारतीय लोकतंत्र को नए निम्न स्तर पर ले जाने वाला है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी के 20 सांसदों के कथित रूप से अलग होकर एक छोटे और अपेक्षाकृत अपरिचित राजनीतिक संगठन नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय की योजना बनाई गई है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि यह राजनीतिक दल लगभग तीन वर्ष पहले बना था और इसकी राजनीतिक पहचान तथा जनाधार बेहद सीमित है। उन्होंने कहा कि यदि इस तरह का विलय होता है तो एनसीपीआई एनडीए के भीतर दूसरी सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी बन सकती है, जिससे लंबे समय से गठबंधन का हिस्सा रहे दलों को पीछे धकेला जा सकता है। जयराम रमेश ने विशेष रूप से के नेतृत्व वाली और के नेतृत्व वाले का उल्लेख करते हुए कहा कि इन दलों को भी इस घटनाक्रम पर आपत्ति जतानी चाहिए, क्योंकि इससे गठबंधन में उनकी राजनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है। कांग्रेस महासचिव ने आरोप लगाया कि यह पूरा घटनाक्रम लोकसभा में एनडीए के लिए दो-तिहाई बहुमत सुनिश्चित करने की व्यापक राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है। उनके अनुसार, संसद में संख्या बल बढ़ाने के लिए लोकतांत्रिक परंपराओं और संवैधानिक मूल्यों की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने गृह मंत्री पर निशाना साधते हुए कहा कि जिस पद को कभी जैसे नेता ने सुशोभित किया था, आज उस पद की गरिमा को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि शालीनता, लोकतांत्रिक मर्यादाएं और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता लगातार खतरे में हैं।

राष्ट्रीय खेल बोर्ड के लिए चयन समिति गठित

कैबिनेट सचिव डॉ. सोमनाथन बोर्ड की 5 सदस्यीय समिति के प्रमुख होंगे

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम, 2025 के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल बोर्ड (खोज-सह-चयन समिति) नियमावली, 2026 के तहत राष्ट्रीय खेल बोर्ड के लिए खोज-सह-चयन समिति का गठन किया। चयन समिति की अध्यक्षता कैबिनेट सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन करेंगे और इसमें खेल सचिव हरि रंजन राव, खेल प्रशासक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हरपाल सिंह (भारतीय ओलंपिक संघ) और दो राष्ट्रीय खेल पुरस्कार विजेता गगन नारंग और एन. कुंजुरानी देवी शामिल होंगी। समिति को अध्यक्ष और बोर्ड के दो सदस्यों के पदों के लिए ऐसे व्यक्तियों के नामों की एक सूची की सिफारिश करने का कार्य सौंपा गया है, जो सक्षम, ईमानदार और प्रतिष्ठित हों और जिन्हें लोक प्रशासन, खेल शासन, खेल कानून और अन्य संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान या व्यावहारिक अनुभव हो। मंत्रालय द्वारा चयन-सह-चयन समिति का गठन राष्ट्रीय खेल बोर्ड के अध्यक्ष और सदस्यों के चयन की प्रक्रिया को गति प्रदान करेगा, जो राष्ट्रीय खेल संगठनों को बोर्ड की मान्यता प्रदान करने और शासन, वित्तीय और नैतिक मानकों के जिम्मेदार प्राधिकरण के रूप में कार्य करेगा।

पश्चिम बंगाल में मानवता हुई तार तार

केरल के व्यक्ति को भीड़ ने पीट-पीट कर मार डाला, वेणुगोपाल ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं लोकसभा की लोक लेखा समिति (पीएसी) के अध्यक्ष केसी वेणुगोपाल ने पश्चिम बंगाल में केरल के एक व्यक्ति की कथित मॉब लिंचिंग की घटना को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी को पत्र लिखकर तत्काल जांच और आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। पत्र में वेणुगोपाल ने दक्षिण 24 परगना जिले में हुई इस घटना को दुखद और बेहद चिंताजनक बताया है। उन्होंने कहा कि केरल का रहने वाला एक व्यक्ति कामकाज से जुड़े उद्देश्य से पश्चिम बंगाल के कुलतली क्षेत्र में अपने एक परिचित से मिलने आया था। स्थानीय भौगोलिक स्थिति से अपरिचित होने के कारण वह गलती से दूसरे इलाके में पहुंच गया। वहां स्थानीय लोगों ने उससे पूछताछ की, लेकिन स्थानीय भाषा नहीं जानने के कारण वह अपनी पहचान और आने का उद्देश्य स्पष्ट रूप से नहीं बता सका। सहायता करने के बजाय कुछ लोगों ने उस व्यक्ति पर चोरी का संदेह जताया। आरोप है कि भीड़ ने उसे बांध दिया और बेरहमी से पीटा। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को बाद में जयनगर-कुलतली ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

कांग्रेस नेता ने पत्र में कहा कि भीड़ द्वारा न्याय करने (मॉब जस्टिस) और सतर्कतावादी हिंसा (विजिलांटिज्म) की बढ़ती प्रवृत्ति कानून के शासन के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने इस घटना को केवल एक आपराधिक मामला नहीं बल्कि सामाजिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर चुनौती बताया। उन्होंने यह स्वीकार किया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है और शुरुआती गिरफ्तारियां भी की हैं, लेकिन उनका कहना है कि अपराध की क्रूरता और उसके व्यापक प्रभावों को देखते हुए केंद्रीय गृह मंत्रालय का हस्तक्षेप आवश्यक हो गया है। वेणुगोपाल ने गृह मंत्री से आग्रह किया कि मामले की तत्काल और व्यापक जांच कराई जाए तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को शीघ्र न्याय दिलाने के लिए केंद्र सरकार को आवश्यक कदम उठाने चाहिए। इस तरह की घटनाएं देश में कानून-व्यवस्था और नागरिक सुरक्षा से जुड़े गंभीर सवाल खड़े करती हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह राज्यों के साथ समन्वय कर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी उपाय करे। कांग्रेस ने इस घटना को मानवता और कानून के शासन पर हमला बताते हुए दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

अल नीनो से कमजोर मानसून की चिंता में सरकार ने कसी कमर

किसानों को वैकल्पिक उपाय बताए जा रहे

'खेत बचाओ अभियान' शुरू, हर राज्य के लिए आकस्मिक योजना भी तैयार

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

मौसम विभाग ने जून-सितंबर 2026 के मानसून कमजोर रहने का अनुमान जताया है। इसके चलते देश के 25 फीसदी हिस्से में सूखा पड़ने की आशंका है। इसका असर फसल उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य कीमतों पर पड़ सकता है। केंद्र सरकार सूखे से होने वाले नुकसान को कम करने की तैयारी में जुट गई है। इस कमजोर मानसून की वजह अल नीनो को बताया जा रहा है। इससे बचने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्रालय ने 'खेत बचाओ अभियान' भी शुरू किया है, जिसके जरिए किसानों तक समय रहते मौसम संबंधी चेतावनियां, फसल प्रबंधन सलाह और वैकल्पिक कृषि उपाय पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। सरकार की कोशिश संकट आने के बाद राहत देने के बजाय पहले से तैयारी कर नुकसान को कम करना है।

देश में पर्याप्त मात्रा में खाद्यान्न का स्टॉक

एआई इमेज

साप्ताहिक समीक्षा बैठकें की जा रहीं

कृषि मंत्रालय ने देशभर में 197 ऐसे जिलों की पहचान की है जिन पर अल नीनो का सबसे ज्यादा असर पड़ सकता है। सरकार ने प्रत्येक राज्य के लिए अलग-अलग आकस्मिक योजना तैयार की है, ताकि तुरंत कदम उठाए जा सकें। स्थिति की समीक्षा के लिए साप्ताहिक बैठकें की जा रही हैं।

पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध

सरकार का दावा है कि खाद्य सुरक्षा को लेकर भी तैयारी की गई है। केंद्रीय वित्त मंत्री वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के अनुसार देश में पर्याप्त खाद्यान्न बफर स्टॉक मौजूद है और अल नीनो के बावजूद खाद्य संकट की आशंका नहीं है। खरीफ सीजन के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जबकि आगामी रबी सीजन के लिए उर्वरकों की आपूर्ति नवंबर से शुरू करने की योजना है।

क्या है अल नीनो?

अल-नीनो एक स्पैनिश भाषा का शब्द है, जिसका शाब्दिक अर्थ है- लिटिल बॉय यानी छोटा लड़का। यह प्रशांत महासागर में होने वाली एक प्राकृतिक जलवायु घटना है, जो हर दो से सात साल में होती है। इससे दुनिया के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बाढ़ आती है, जबकि अन्य हिस्सों में गंभीर सूखा और अत्यधिक गर्मी का सामना करना पड़ता है।

कुत्तों के हमले से 8 वर्षीय बच्ची की मौत, मानवाधिकार आयोग ने लिया स्वतः संज्ञान

हरिभूमि ब्यूरो ⏭ नई दिल्ली

पंजाब के रूपनगर जिले में आवारा कुत्तों के हमले में आठ वर्षीय बच्ची की दर्दनाक मौत के मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने गंभीरता से लिया है। आयोग ने मीडिया में प्रकाशित खबरों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पंजाब सरकार से विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। एनएचआरसी ने इस मामले में पंजाब के मुख्य सचिव को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए कहा कि यह नागरिकों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी से जुड़ा महत्वपूर्ण विषय है।

विदित हो कि रूपनगर जिले में आठ वर्षीय बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी, तभी आवारा कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले में बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। उसकी चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह उसे कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया। घटना के बाद परिजन और स्थानीय निवासी बच्ची को तत्काल इलाज के लिए चंडीगढ़ स्थित पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर) ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह मामला सार्वजनिक सुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही से जुड़ा हुआ प्रतीत होता है। आयोग ने राज्य सरकार से घटना के सभी पहलुओं की जानकारी मांगी है, जिसमें स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए उठाए गए कदम, घटना की परिस्थितियां तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रस्तावित उपाय शामिल हैं। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। एनएचआरसी ने स्पष्ट किया है कि मामले की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद आयोग आगे की कार्रवाई और आवश्यक निर्देशों पर निर्णय लेगा।

कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा

पहली बार उत्पादक मूल्य सूचकांक के आंकड़े जारी अगले पांच साल में लेगा डब्ल्यूपीआई की जगह

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सरकार ने सोमवार को पहली बार वस्तुओं एवं सेवाओं दोनों के लिए 'उत्पादक मूल्य सूचकांक' (पीपीआई) के आंकड़े जारी किए। इससे कीमतों में बदलाव का अधिक सटीक आकलन संभव होगा और अगले पांच वर्षों में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) को चरणबद्ध ढंग से हटाने की राह तैयार होगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि यह कदम उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के व्यवहार और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है, जिसमें भारत को डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई को अपनाने की जरूरत पर बल दिया गया था।

कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीकों से समझा जा सकेगा

मंत्रालय के मुताबिक, आउटपुट और इनपुट दोनों प्रकार के पीपीआई उपलब्ध होने से उद्योगों में उपयोग होने वाले कच्चे माल (इनपुट) और तैयार उत्पाद (आउटपुट) की कीमतों में बदलाव को बेहतर तरीके से समझा जा सकेगा। इससे यह भी स्पष्ट होगा कि उत्पादकों पर इनपुट लागत में बढ़ोतरी का अंतिम उत्पाद की कीमतों पर किस तरह असर पड़ता है।

अगले पांच वर्षों में डब्ल्यूपीआई हटाने की राह तैयार होगी

बदलाव नीति आयोग की सिफारिश के बाद किया गया

यह बदलाव नीति आयोग के पूर्व सदस्य रमेश चंद की अध्यक्षता वाले कार्य समूह की सिफारिशों के बाद किया गया है। इस समूह का गठन 30 दिसंबर, 2024 को किया गया था। चंद ने अपनी रिपोर्ट में कहा था, ''थोक मूल्य सूचकांक के उलट, पीपीआई उत्पादकों के दृष्टिकोण से कीमतों में बदलाव को अधिक सटीक रूप से दर्शाता है और इस तरह यह राष्ट्रीय आय/ सकल घरेलू उत्पाद के आकलन में अधिक उपयोगी है।''

- कदम उन्नत अर्थव्यवस्थाओं व आईएमएफ की सिफारिशों के अनुरूप
- डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई को अपनाने पर जोर दिया जा रहा

पीपीआई मुद्रास्फीति भी बढ़कर आई : मई में थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति दर अप्रैल के 8.26 प्रतिशत से बढ़कर 9.68 प्रतिशत हो गई। इसी के अनुरूप आउटपुट पीपीआई मुद्रास्फीति भी अप्रैल के 8.1 प्रतिशत से बढ़कर मई में 9.4 प्रतिशत हो गई है। सरकार ने डब्ल्यूपीआई और पीपीआई दोनों के लिए आधार वर्ष को संशोधित कर 2022-23 कर दिया है। इसमें कुल 957 वस्तुओं को शामिल किया गया है।

विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक : आउटपुट पीपीआई (वस्तुएं) में विनिर्मित उत्पादों का भारांश सबसे अधिक 69.93 प्रतिशत है जबकि कृषि, वानिकी एवं मत्स्य का 22.16 प्रतिशत, बिजली का 4.49 प्रतिशत और खनन का भारांश 3.42 प्रतिशत है। पीपीआई के पहले चरण में सात सेवाओं- बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवा एवं दूरसंचार को शामिल किया गया है।

पीपीआई 109.6 दर्ज किया गया

मई, 2026 के लिए अखिल भारतीय आउटपुट पीपीआई (सभी वस्तुएं) 109.6 दर्ज किया गया, जो अप्रैल में 108.6 था। वहीं, विनिर्माण क्षेत्र के लिए परीक्षण आधार पर जारी इनपुट पीपीआई मई में 104.9 रहा। मंत्रालय ने बताया कि इनपुट पीपीआई को फिलहाल प्रायोगिक आधार पर जारी किया जा रहा है ताकि आंकड़ों की गुणवत्ता का आकलन किया जा सके और हितधारकों से सुझाव प्राप्त किए जा सकें।

हरियाणा में मोबाइल व होम ब्रॉडबैंड सब्सक्राइबर्स में जियो सबसे आगे

चंडीगढ़। हरियाणा में 83.03 लाख मोबाइल ग्राहकों और 6.25 लाख होम ब्रॉडबैंड (जियो होम) ग्राहकों के साथ रिलायंस जियो राज्य का नंबर-1 डिजिटल सर्विस प्रोवाइडर बना हुआ है। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) की अप्रैल 2026 की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, जियो ने हरियाणा में मोबाइल और होम ब्रॉडबैंड, दोनों सेवाओं में अपनी शानदार बढ़त बरकरार रखी है। अप्रैल में जियो ने राज्य में 83,000 से ज़्यादा मोबाइल सब्सक्राइबर जोड़े, जो सबसे ज़्यादा बढ़त थी, साथ ही जियो ने फिक्स्ड वायरलेस और वायरलाइन हाई-स्पीड होम ब्रॉडबैंड सर्विसेज में 15,000 से ज़्यादा सब्सक्राइबर जोड़े, जो भी सबसे ज़्यादा वृद्धि थी। हरियाणा में अपनी जियो होम सेवाओं का तेज़ी से विस्तार करके, जियो राज्य भर के ग्राहकों को अपनी विभिन्न डिजिटल सेवाओं का बुके उपलब्ध करा रहा है जिसमें राज्य के विशाल ग्रामीण इलाकों के साथ शहरी क्षेत्र भी शामिल हैं।

एनएफआर ने नवजात के सुरक्षित जन्म के लिए तमेडिकल सहायता सुनिश्चित की

मालीगांव। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने एक बार पुनः यात्रियों की देखभाल के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। 14 जून, 2026 को ट्रेन संख्या 15910 (लालगढ़-डिब्रूगढ़) अवध असम एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक गर्भवती महिला को समय पर मेडिकल सहायता पहुँचाई गई। जब ट्रेन रंगिया के पास पहुँची, तो महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हुई। जानकारी मिलते ही रेल कर्मचारी तुरंत हरकत में आया और अविलंबआपातकाल चिकित्सीय सहायता के लिएसमन्वित होकर कार्य करना प्रारंभ कर दिया। ड्यूटी पर मौजूद ट्रेन कर्मियों की सतर्कता और तत्काल कार्रवाई की वजह से रंगिया के नियंत्रण, वाणिज्य और चिकित्सीय विभागों को समय रहते मदद पहुँचाने की व्यवस्था करने में आसानी हुई। रंगिया मंडल के मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. शरत चंद्र के नेतृत्व में एक मेडिकल टीम ट्रेन के पहुँचने से पहले ही रंगिया रेलवे स्टेशन पहुँच गई।

खाड़ी में शांति की उम्मीद से बाजार दूसरे दिन भी झूमा

मुंबई (एजेंसी)। अमेरिका-ईरान शांति समझौते पर सहमति बनने से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आने और वैश्विक बाजारों में तेजी के बीच घरेलू शेयर बाजार सोमवार को लगातार दूसरे सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 736 अंक चढ़ गया जबकि निफ्टी में 231 अंक की तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 736.38 अंक चढ़कर 76,264.33 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,293.12 अंक चढ़कर 76,821.07 अंक तक पहुंच गया था। इसी तरह निफ्टी 231 अंक बढ़कर 23,853.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 388.5 अंक चढ़कर 24,011.40 अंक तक चला गया था। इस समझौते के तहत होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने पर सहमति बनी है, जिससे वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है।

एनसीसी ने आंध्र प्रदेश और झारखंड में दो नए राज्य निदेशालय स्थापित किए

नई दिल्ली। एनसीसी महानिदेशालय मुख्यालय ने युवाओं को सशक्त बनाने और राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) तक पहुंच का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आंध्र प्रदेश और झारखंड में स्वतंत्र राज्य निदेशालयों के गठन को मंजूरी दे दी है। इससे भारत में एनसीसी राज्य निदेशालयों की कुल संख्या 17 से बढ़कर 19 हो गई है। आंध्र प्रदेश और झारखंड में स्वतंत्र राज्य निदेशालयों की स्थापना से एनसीसी कैडेटों और शिक्षण संस्थानों के साथ और अधिक निकटता से जुड़ सकेगी। नई प्रशासनिक संरचना से अधिक केंद्रित समन्वय, बेहतर पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण एवं विकासात्मक कार्यकलापों के लिए बेहतर समर्थन संभव हो सकेगा। साथ ही, बेहतर प्रशिक्षण अवसंरचना और सहायता तंत्र के माध्यम से इन राज्यों के युवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के भारत के युवाओं को सशक्त बनाने के विजन से प्रेरित यह निर्णय लिया गया है।

उत्तर रेलवे

संशोधन

संदर्भ: i) टेंडर नंबर – 02261951, जिसकी अंतिम तारीख 15.06.2026 थी
ii) टेंडर नोटिस नंबर – 03

(1) ऊपर दिए गए टेंडर के संदर्भ में, अंतिम तारीख को 15.06.26 से बदलकर 29.06.26 कर दिया गया है।
(2) ऊपर दिए गए टेंडर के संदर्भ में, ऑफर की वैधता को 60 दिनों से बढ़ाकर 90 दिन कर दिया गया है।
(3) ऊपर दिए गए टेंडर के संदर्भ में, भुगतान की शर्तों में बदलाव किया गया है।

बाकी सभी शर्तें और नियम पहले जैसे ही रहेंगे।
यह संशोधन वेबसाइट www.ireps.gov.in पर प्रकाशित किया गया है।

2044/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

खबर संक्षेप

रुपया 47 पैसे चढ़कर 94.71 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया सोमवार को 47 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.71 (अस्थायी) पर रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता होने की घोषणा करने के बाद वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट से घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

मार्केट न्यूज

फिल्म 'गवर्नरः द साइलेंट सेवियर' दे रहा जिम्मेदारी और दृढ़ता का संदेश, डा. ऑर्थो दे रहा हर कदम को मजबूती

फिल्म 'गवर्नर' के साथ आयुर्वेदिक 'डा. ऑर्थो' की विशेष बांड साझेदारी

चंडीगढ़। चिन्मय डी. मांडलेकर के निर्देशन में बनी फिल्म 'गवर्नर : द साइलेंट सेवियर' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। फिल्म यह दर्शाती है कि सच्चा नेतृत्व केवल शक्ति का प्रदर्शन नहीं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने और लोगों के हितों की रक्षा करने की जिम्मेदारी भी है। फिल्म अभिनेता मनोज बाजपेयी ने एक प्रमोशन के दौरान डा. ऑर्थो बारे कहा कि चाहे कितने ही मुश्किल रास्तों पर चलना हो, मजबूत कदमों से हर जंग जीती जा सकती है और ऐसे मजबूत कदमों के लिए चाहिए डा. ऑर्थो एक्यूप्रेशर स्लीपर एवं शूज, जो आपको हर पल देते हैं एक नई ऊर्जा, मजबूती और दर्द से पूरी आजादी। डा. ऑर्थो, अब दर्द भी घुटने टेकेगा। वहीं, फिल्म 'गवर्नर : द साइलेंट सेवियर' की रिलीज पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए एंटरप्रेन्योर और इन्वेस्टर डा. संजीव जुनेजा ने कहा कि आज के समय में ऐसी फिल्मों की आवश्यकता है, जो केवल मनोरंजन ही नहीं, बल्कि दर्शकों को सकारात्मक सोच और प्रेरणा भी दें। उन्होंने फिल्म की टीम को बधाई देते हुए इसकी शानदार सफलता की कामना की।

सोना 2,500 रुपये चढ़ा और चांदी 5,000 रुपये मजबूत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोमवार को सोने की कीमतें 2,500 रुपये बढ़कर 1.59 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि चांदी की कीमत 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई। अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की रूपरेखा बनने के बाद वैश्विक बाजार में मजबूत रुख का असर इन कीमतों पर दिखा। बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत शुक्रवार के 1,56,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद स्तर से 2,500 रुपये बढ़कर 1,59,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। चांदी की कीमत में भी लगातार दूसरे सत्र में बढ़ोतरी हुई और यह 5,000 रुपये बढ़कर 2,60,700 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) हो गई। पिछले सत्र में चांदी की कीमत 2,55,700 रुपये प्रति किलोग्राम थी। कीमती धातुओं की कीमतों में तेजी तब आई जब अमेरिका और ईरान ने दुश्मनी खत्म करने और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अहम रास्ते होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक अंतरिम समझौते की घोषणा की।

के-2 इंफ्राजेन को कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन से मिला 85 करोड़ का ऑर्डर

गुरुग्राम। के-2 इंफ्राजेन लिमिटेड, जो एक इंजीनियरिंग और कोर इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी है, ने कर्नाटक पावर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड से 85 करोड़ रुपये का प्रोजेक्ट मिलने की घोषणा की है। यह काम कर्नाटक में कई 220 केवी ट्रांसमिशन लाइनों को विकसित करने और 2x20 एमवीए 110/11 केवी सबस्टेशन स्थापित करने से संबंधित होगा। यह बड़ा ऑर्डर के-2 इंफ्राजेन को पावर ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक भरोसेमंद और लंबे समय तक टिकने वाले खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाने में मदद करेगा, जिससे कर्नाटक के बेलगाम जिले में पावर इंफ्रास्ट्रक्चर को और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। यह ऑर्डर एम/एस के-2 इंफ्राजेन लिमिटेड को एम/एस ओम एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड. के साथ मिलकर एक कंसोर्टियम के रूप में दिया गया है, और यही कंसोर्टियम पूरे प्रोजेक्ट को पूरा करेगा। यह ऑर्डर फरवरी 2026 तक कंपनी के पास मौजूद 376 करोड़ रुपये के अधूरे ऑर्डर बुक में जुड़ गया है, जिससे कंपनी का कुल ऑर्डर बुक बढ़कर 461 करोड़ रुपये तक पहुँच गया है।

देश का निर्यात मई में आठ फीसदी बढ़ा पर व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज

नई दिल्ली। देश का निर्यात मई में 18 प्रतिशत बढ़कर छह महीने के उच्च स्तर 45.2 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया। वहीं कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच पेट्रोलियम उत्पादों के आयात में वृद्धि से व्यापार घाटा 28.21 अरब डॉलर तक बढ़ गया। मासिक आधार पर हालांकि व्यापार घाटा अप्रैल के 28.38 अरब डॉलर से मामूली घटा है। पिछले वर्ष मई में व्यापार घाटा 21.88 अरब डॉलर था। आयात मई में सालाना आधार पर 10 प्रतिशत बढ़कर तीन महीने के उच्च स्तर 73.41 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

जेयूआईटी वाकनाघाट ने रोबोटिक्स समर स्कूल का सफलतापूर्वक समापन किया

नई दिल्ली। जेपी यूनिवर्सिटी ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेयूआईटी), वाकनाघाट, हिमाचल प्रदेश ने वर्ष 2026 की अपनी सबसे महत्वाकांक्षी छात्र विकास पहलों में से एक 15 दिवसीय आरओएस 2 रोबोटिक्स समर स्कूल एवं समर एक्सीलेंस इंटर्नशिप कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। यह कार्यक्रम 25 मई से 6 जून तक आयोजित किया गया, जिसमें इंजीनियरिंग के प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के 90 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल का आयोजन डरोबोटिक्स लैब के विशेष प्रयासों के अंतर्गत किया गया। भविष्य की एआई कार्यशक्ति के निर्माण की दिशा में एक दूरदर्शी पहल कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य था भविष्य की कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित कार्यशक्ति का निर्माण, जिसके लिए विद्यार्थियों में प्रारंभिक स्तर से ही सीखने, प्रयोग करने और नवाचार की संस्कृति विकसित की जाए, प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को रोबोट ऑपरेटिंग सिस्टम 2 से परिचित कराया गया।

मुकेश अंबानी ने बदरीनाथ व बाबा केदारनाथ में किए दर्शन, 10 करोड़ रुपये किए दान

चमोली। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी ने सोमवार को भगवान बदरीविशाल और बाबा केदारनाथ के दर्शन पूजा-अर्चना कर देश की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी प्रातः पहले श्री बदरीनाथ धाम दर्शन किए। दर्शनों के दौरान उद्योगपति मुकेश अंबानी ने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को कुल 10 करोड़ रुपये की धनराशि भेंट के दो चेक भेंट किया। इसमें बदरीनाथ धाम की व्यवस्थाओं के लिए 5 करोड़ रुपये तथा केदारनाथ धाम के लिए अलग से 5 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किए। अपने संदेश में श्रीबदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अंबानी परिवार की भगवान श्रीबदरीविशाल तथा भगवान केदारनाथ के प्रति अपार आस्था है। अन्य वर्षों की भांति उन्होंने 10 करोड़ रुपये बीकेटीसी को दान स्वरूप दिये है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2) (ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **गोलू @ भोलू पुत्र** शैतान सिंह, **निवासः** म.नं. D-118, मंगोलपुरी, दिल्ली ने **FIR No. 567/23 दिनांक 24.06.2023 U/s 25/54/59 Act, थानाः नांगलोई, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **गोलू @ भोलू** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **गोलू @ भोलू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 567/23 दिनांक 24.06.2023 U/s 25/54/59 Act., थानाः नांगलोई, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **गोलू @ भोलू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
रेनू
जेएमएफसी-10 (पश्चिम) कमरा नं. 345
तीस हज़ारी कोर्ट, दिल्ली

DP/7741/OD/2026
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **रफीक** पुत्र हासिम निवासी कासिम विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 399/14 धारा 25 शस्त्र अधिनियम, थाना भजन पुरा, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **रफीक** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **रफीक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **रफीक, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 399/14 धारा 25 शस्त्र अधिनियम, थाना भजन पुरा, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.07.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री पंकज राय
मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट
कमरा संख्या 73, 5वीं मंज़िल, उत्तर-पूर्वी ज़िला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली

DP/7425/NE/2026

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

सं.: 7PUB/e-Auction/NIT-2026 दिनांक: 15.06.2026

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जी, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली निम्नलिखित रेलवे स्टेशनों पर एनएफआर के विविध अनुबंधों के आवंटन के लिए ई–निविदा आमंत्रित किया है।

ई–कैटलॉग नं.	परिसंपत्ति का प्रकार	रेलवे स्टेशन	ई–नीलामी के लिए दिनांक और समय
Advt-Jun-03-26	स्टेशन पर डिजिटल लॉकर	हज़रत निजामुद्दीन, आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली	प्रारंभ होने का समय 29.06.2026 को 11:00 बजे
Advt-Jun-04-26	स्टेशन पर डिजिटल लॉकर	दिल्ली	प्रारंभ होने का समय 01.07.2026 को 11:00 बजे
वेबसाइट विवरण जहां ई–नीलामी का पूरा विवरण देखा जा सकता है		https://ireps.gov.in/ (E-Auction Leasing)	

2053/26

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/जी,
उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल, नई दिल्ली

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेगें। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 6258

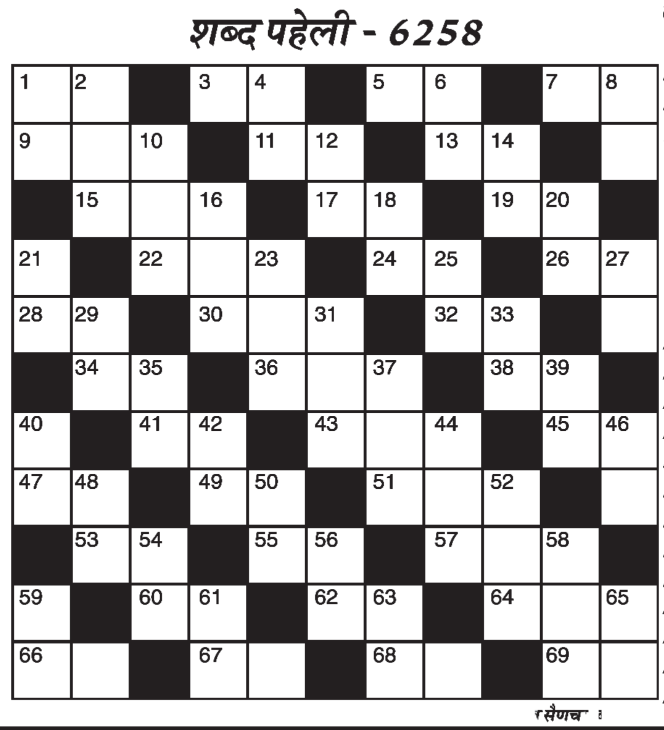

बाएँ से दाए
1.बलगम-2
3.जाप,मंत्र पाठ-2
5.काया,बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट,अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं,अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना,कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात,फालिज-3
32.मनमौजी,अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी,घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी,पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा,परी-2
51.गर्भ,कोख-3
53.दंड,शिक्षा -2
55.पाश,फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट,अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी,नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण,लमहा-2
6.गगन,आकाश-2
8.सरुर,खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म,लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर,बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि,धरा -2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली - 6257 का हल

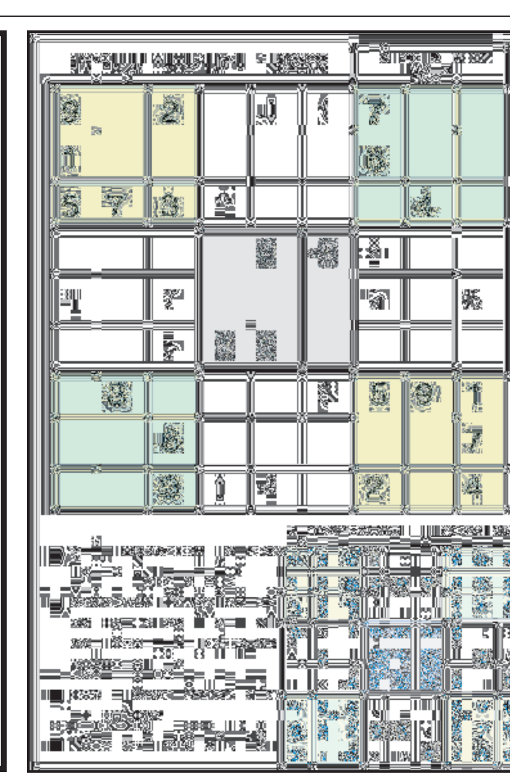

ग्रुप ईः हार के बाद भी क्यूरासाओ ने रचा इतिहास, जर्मनी ने दर्ज की बड़ी जीत

एजेंसी ▸▸ ह्यूस्टन

काई हावर्ट्ज के दो गोल की मदद से चार बार के चैंपियन जर्मनी ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप ई के मैच में इतिहास रचने वाले क्यूरासाओ को 7-1 से हराकर कड़ा सबक सिखाया। क्यूरासाओ को भले ही करारी हार का सामना करना पड़ा लेकिन वह विश्व कप में भाग लेने वाला सबसे छोटा देश बन गया। यही नहीं उसने एक गोल भी किया, जो उसके लिए बड़ी उपलब्धि है। फेलिक्स नेमेचा ने छठे मिनट में गोल करके जर्मनी को बढ़त दिलाई। क्यूरासाओ के लिवानो कोमेनेंसिया ने 21वें मिनट में बॉक्स के केंद्र से बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया। इससे इस छोटे से कैरेबियाई देश के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इसके बाद पूरे मैच में जर्मनी का दबदबा रहा। उसने 38वें मिनट में नथानिएल ब्राउन के कॉर्नर किक पर निको श्लॉटरबेक के हेडर से किए गए गोल से फिर से बढ़त हासिल कर ली। जर्मनी की जीत का अंतर विश्व कप के 9 गोल के रिकॉर्ड से काफी कम है। ऐसा तीन बार हो चुका है। आखिरी बार ऐसा तब हुआ था जब हंगरी ने 1982 में अल साल्वाडोर को 10-1 से हराया था। क्यूरासाओ के भी कुछ दर्शक पहुंचे हुए थे, जिन्होंने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जर्मनी का अगला मैच शनिवार को टोरंटो में आइवरी कोस्ट से होगा, जबकि क्यूरासाओ शनिवार को कैनसस सिटी में इक्वाडोर से भिड़ेगा।

गोलरहित ड्रॉ की ओर बढ़ रहे मैच में डियालो ने पलटा पूरा खेल

फिलाडेल्फिया। अमाद डियालो ने 90वें मिनट में गोल करके पिछले 12 वर्ष में पहली बार विश्व कप फुटबॉल में भाग ले रहे आइवरी कोस्ट को इक्वाडोर पर 1-0 से जीत दिलाई। दोनों टीमों ने मिलकर तीन बार क्रॉसबार पर गेंद मारी, लेकिन गोल करने में नाकाम रही। ऐसे में जब मैच गोलरहित ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था तब मैनचेस्टर यूनाइटेड की तरफ से खेलने वाले स्थानापन्न विंगर डियालो (56वें मिनट में मैदान पर उतरे) ने पेनल्टी क्षेत्र के ठीक अंदर गोता लगाते हुए बाएं पैर से जोरदार शॉट लगाकर गोलकीपर हर्नान गैलिंडेज़ को चकमा देकर गोल कर दिया। विल्फ्रेड सिंगो ने दाहिनी ओर से शानदार दौड़ लगाते हुए इस गोल की नींव रखी थी। इस तरह से विश्व कप में चौथी बार और 2014 के बाद पहली बार हिस्सा ले रहे आइवरी कोस्ट ने नॉकआउट चरण में पहुंचने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया।

68,274 दर्शकों से भरे स्टेडियम में रोमांच

पांचवीं बार विश्व कप में भाग ले रहा इक्वाडोर के लिए लिंकन फाइनेंशियल फील्ड का माहौल घरेलू मैदान जैसा था क्योंकि 68,274 दर्शकों में से अधिकांश ने ला ट्राई (इक्वाडोर की टीम) की पीली जर्सी पहनी हुई थी। डियालो के गोल से पहले इक्वाडोर की टीम मजबूत नजर आ रही थी। उसे हाफ टाइम के बाद सबसे अच्छा मौका 68वें मिनट में मिला जब गोंज़ालो प्लाटा ने लगभग 25 गज की दूरी से जोरदार शॉट लगाया, जिसे गोलकीपर याहिया फोफाना ने रोक दिया।

स्वीडन की शानदार शुरुआत, ट्यूनीशिया को दी करारी शिकस्त

मॉन्टेरी। यासीन अयारी के दो गोल की मदद से स्वीडन ने ट्यूनीशिया को 5-1 से करारी शिकस्त देकर विश्व कप फुटबॉल में अपने अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए ग्रुप एफ में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। अयारी ने एस्टाडियो बीबीवीए स्टेडियम में स्वीडन के लिए सातवें मिनट और दूसरे हाफ के स्टॉपेज टाइम में लंबी दूरी से गोल दागकर स्कोर की शुरुआत और अंत किया। उन्होंने संयमित तरीके से जश्न मनाया और अपने पिता के जन्मस्थान के प्रति सम्मान दिखाते हुए अपने हाथ ऊपर उठाए। अलेक्जेंडर इसाक (30वें मिनट) और विक्टर ग्योकेरेस (59वें) ने एक-एक गोल करने के साथ एक दूसरे के गोल में मदद की। स्वीडन की तरफ से मैटियस स्वानबर्ग (84वें) ने भी गोल किया। स्वीडन विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर है और आठ साल पहले रूस में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने के बाद 2022 के विश्व कप में जगह बनाने से चूक गया था।

कामाडा ने 88वें मिनट में दागा गोल समुराई ब्लू के फैंस खुशी से झूमे

ग्रुप एफ : जापान ने नीदरलैंड को बराबरी पर रोका

आर्लिंगटन। दाइची कामाडा ने अंतिम सीटी बजने से कुछ मिनट पहले गोल किया, जिससे जापान ने विश्व कप फुटबॉल के ग्रुप एफ के मैच में नीदरलैंड को 2-2 से बराबरी पर रोक दिया। जब जापान की हार सुनिश्चित लग रही थी तब कामाडा ने यह महत्वपूर्ण गोल किया, जिसे उनका देश वर्षों तक याद रखेगा। कोकी ओगावा के कॉर्नर किक पर कामाडा ने 88वें मिनट में हेडर से गोल किया, जिससे समुराई ब्लू (जापानी टीम) के प्रशंसक खुशी से झूम उठे। इससे जापान ने अपने से अधिक रैंकिंग वाले नीदरलैंड की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। नीदरलैंड की टीम को भले ही अंक बांटने पड़े लेकिन इस ड्रॉ से उसने विश्व कप के ग्रुप चरण में अपने अजेय अभियान को 17 मैच तक पहुंचा दिया है। कामाडा के गोल से नारंगी रंग की जर्सी पहने नीदरलैंड के प्रशंसक सन्न रह गए। दोनों टीम हाफ टाइम तक गोल नहीं कर पाई थी। दूसरे हाफ की शुरुआत में वर्जिल वैन डाइक (50वें मिनट) और क्रिसेंसियो समरविले (64वें) ने नीदरलैंड के लिए एक-एक गोल दागा, जबकि कीटो नाकामुरा (57वें) ने जापान की तरफ से गोल किया। यह तीनों गोल 14 मिनट के अंदर किए गए।

अमेरिका युद्ध के कारण विश्व कप का अनुभव सुखद नहीं : ईरानी कप्तान

इंगलवुड। ईरान के कप्तान मेहदी तारेमी ने कहा कि विश्व कप फुटबॉल के सह-मेजबान अमेरिका के साथ चल रहे उनके देश के युद्ध के कारण उन्हें अभी तक कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है और उनके लिए अभी तक का अनुभव सुखद नहीं रहा है। ईरान की टीम मैक्सिको के तिजुआना स्थित अपने अभ्यास स्थल से लॉस एंजिलिस पहुंची। तिजुआना अमेरिकी सीमा के ठीक पार है और उस स्टेडियम से लगभग 140 मील (225 किलोमीटर) दूर है, जहां वह न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप चरण का अपना पहला मैच खेलेगा। जंग के कारण ईरान के अभ्यास स्थल को अमेरिका से स्थानांतरित कर दिया गया था। तारेमी ने कहा, 'विश्व कप के लिए यहां पहुंचते ही मुझे तनाव महसूस होने लगा था। किसी भी टूर्नामेंट में जब तनाव होता है, तो हमें वह सुखद अनुभव नहीं मिलता, जिसके बारे में हम हमेशा शांति और खुशी से बात करते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि ऐसा सिर्फ हमारे साथ ही नहीं हुआ। मुझे पता है कि कई अन्य देशों को भी वीजा संबंधी समस्याओं और अभ्यास शिविरों में बदलाव का सामना करना पड़ा।

खबर संक्षेप

गोवा में 21 से एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप

पणजी। एशिया ओशिनिया क्षेत्र के 16 देशों के लगभग 350 खिलाड़ी 21 से 27 जून तक यहां होने वाली पांचवीं एशिया कप ब्रिज चैंपियनशिप में भाग लेंगे। भारतीय ब्रिज महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष प्रसाद केनी ने कहा कि गोवा प्रत्येक चार साल में होने वाले इस टूर्नामेंट की दूसरी बार मेजबानी करेगा। इससे पहले 2018 में यह चैंपियनशिप गोवा में आयोजित की गई थी। बीएफआई के सचिव देबासिस रे ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया, चीन, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत, हांगकांग, जापान, चीनी ताइपे, फिलीपींस, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, थाईलैंड और मेजबान भारत इस चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा पाकिस्तान ने भी प्रतियोगिता में भाग लेने में दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन उसने अपना आवेदन जमा नहीं किया।

सुपर ओवर में टीम इंडिया की हार, वैभव और सूर्यांश से 17 रन नहीं हुए चेज

एजेंसी ▸▸ कोलंबो

इंडिया ए को ट्राई सीरीज में श्रीलंका ए के हाथों सुपर ओवर में हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित ओवर्स में दोनों टीमें 265 रन ही बना सकी और मुकाबला टाई रहा। इससे सुपर ओवर की जरूरत पड़ी। इसमें इंडिया ए को जीत के लिए 17 रन का लक्ष्य मिला लेकिन केवल 10 ही रन बने।

यह श्रीलंका ए की लगातार दूसरी जीत रही तो इंडिया ए की लगातार दूसरी हार। इंडिया ए ने पहले बैटिंग करते हुए सूर्यांश शेडगे (72) और विप्रज निगम (51) के अर्धशतकों से 265 का स्कोर बनाया। जवाब में मेजबान टीम सदीरा समरविक्रमा के 93 रन के बूते 9 विकेट पर 265 रन तक पहुंच गई। मगर जीत के लिए आखिरी ओवर में पांच रन नहीं बने। सुपर ओवर में श्रीलंका की ओर से साहन अराच्चिगे और अविष्का फर्नान्डो बैटिंग के लिए उतरे। इन दोनों ने मिलकर 16 रन बनाए। जवाब में भारत की ओर से सूर्यवंशी और शेडगे बैटिंग के लिए आए लेकिन दोनों 10 रन ही बना सके।

भारतीय टीम के ओपनर्स रहे नाकाम

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर भारतीय टीम के ओपनर्स एक बार फिर से नाकाम रहे। प्रभसिमरन सिंह 13 गेंद में 11 रन बना सके तो वैभव सूर्यवंशी तूफानी आगाज के बाद भी 21 रन बनाकर आउट हो गए। उन्होंने 14 गेंद खेली और तीन चौके व एक छक्का लगाया। ऋतुराज गायकवाड़ (37) और कप्तान तिलक वर्मा (23) ने तीसरे विकेट के लिए 52 रन की पार्टनरशिप करते हुए टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन दोनों ही लंबी पारी नहीं खेल रहे। निशांत सिंधू (6), आयुष बडोनी (15) और अनुकूल रॉय (8) सस्ते में निपट गए। सूर्यांश और विप्रज ने मिलकर पारी को संभाला।

श्रीलंका के टॉप ऑर्डर की शानदार बैटिंग

लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने ठोस शुरुआत की। निरोशन डिकवेला (37) और अविष्का फर्नान्डो (22) ने पहले विकेट के लिए 4.6 ओवर में ही 56 रन बटोर लिए। सिंधु ने इस जोड़ी को तोड़ा। फर्नान्डो 14 गेंद में 22 रन बनाकर आउट हुए। विशेन हालम्बागे 17 रन बना सके और आयुष बडोनी की गेंद पर आउट हुए। डिकवेला ने 33 गेंद में 37 रन की पारी खेली और वे विप्रज की गेंद पर वापस गए। मिडिल ऑर्डर में कप्तान साहन अराच्चिगे (8) और अहान विक्रमसिंघे (6) ज्यादा कुछ नहीं कर पाए।

'दोहा में मिलते हैं', नीरज चोपड़ा ने किया वापसी का ऐलान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

फिट हो चुके भारत के भालाफेंक स्टार नीरज चोपड़ा ने घोषणा की कि वह 19 जून को होने वाली दोहा डायमंड लीग के जरिए प्रतिस्पर्धा में वापसी करेंगे। 28 वर्ष के चोपड़ा ने 2025 विश्व चैंपियनशिप में निराशाजनक आठवें स्थान पर रहने के बाद प्रतिस्पर्धा में हिस्सा नहीं लिया है। दोहा डायमंड लीग में भाला फेंक की प्रविष्टियों में चोपड़ा का नाम शामिल है जबकि 12 जून को जारी सूची में उनका नाम नहीं था। उन्होंने पिछले साल इसी टूर्नामेंट में 90 मीटर का आंकड़ा पारी किया था। चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर लिखा ,' दोहा में मिलते हैं।'

स्विटजरलैंड में अभ्यास शिविर में हिस्सा ले रहे चोपड़ा

चोपड़ा इस समय स्विटजरलैंड के बियेने में अपने फिजियो ईशान मारवाहा और कोच जय चौधरी के साथ 47 दिन के आफ सीजन अभ्यास शिविर में भाग ले रहे हैं। आगामी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए घोषित भारतीय एथलेटिक्स टीम में भी चोपड़ा का नाम सशर्त शामिल किया गया है। उन्हें इसके लिए भारतीय एथलेटिक्स महासंघ का 82.61 मीटर का क्वालीफिकेशन मार्क हासिल करना होगा। अगर वह ग्लास्गो में अगले महीने होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेते हैं तो भारत के तीन भालाफेंक खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे।

वेस्टइंडीज ने पांच विकेट से जीता तीसरा टी-20

जमैका। वेस्टइंडीज ने रोमांच से भरपूर तीसरे टी20 मुकाबले में श्रीलंका को 5 विकेट से हराया। किंग्स्टन के सबीना पार्क में कैरेबियाई टीम ने श्रीलंका से मिले 170 रनों के लक्ष्य को 19.4 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल किया। श्रीलंका से मिले 170 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही। शाई होप गोल्डन डक पर पवेलियन लौटे। इसके बाद ब्रैंडन किंग को वानिंदु हसरंगा ने 16 रनों के स्कोर पर क्लीन बोल्ड किया। अकीम ऑगस्टे बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और महज एक रन बनाकर आउट हुए। हेटमायर 19 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। 53 रनों के स्कोर पर 4 विकेट खोकर मुश्किल में दिख रही वेस्टइंडीज की पारी को रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड ने संभाला।

आज से उस्ती नाद ग्रां प्री, भारतीय मुक्केबाज लेंगे हिस्सा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन सहित राष्ट्रमंडल खेलों की टीम में शामिल भारतीय मुक्केबाज बुधवार से चेक गणराज्य में शुरू हो रही आमंत्रण ग्रां प्री उस्ती नाद लाबेम में हिस्सा लेंगे। लवलीना (75 किग्रा) के अलावा एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता प्रीति पवार (54 किग्रा), प्रिया घंघास (60 किग्रा), साक्षी (51 किग्रा) और परवीन हुड्डा (65 किग्रा) महिला टीम की सदस्य हैं। दुनिया की नंबर एक

मुक्केबाज जैस्मिन लंबोरिया (57 किग्रा) और अरुंधति चौधरी (70 किग्रा) टीम के साथ यात्रा नहीं करेंगी क्योंकि वे चोट से उबर रही हैं। पुरुष टीम में जादुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिव सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप (65 किग्रा), सुमित (70 किग्रा), अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और नरेंद्र (90 किग्रा से अधिक) को जगह मिली है। इस टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को अपनी तैयारियों को बेहतर बनाने, अलग-अलग संयोजन को आजमाने और यूरोप के प्रतिस्पर्धी माहौल में मजबूत अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का सामना करने का अनुभव मिलेगा।

नेशंस कप : 3 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर भारत

दीपिका के दो गोल, भारत ने अमेरिका के खिलाफ पलटा मैच

एजेंसी ▸▸ ऑकलैंड

दीपिका के दो गोल की मदद से भारतीय महिला हॉकी टीम ने एफआईएच नेशंस कप के पूल ए के अपने पहले मैच में शुरू में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए अमेरिका पर 3-2 से जीत हासिल की। भारत की तरफ से दीपिका के दो गोल के अलावा नवनीत कौर ने भी एक गोल किया। अमेरिका की ओर से एशले सेसा और मैडलीन ज़िमर ने गोल किए।

नेशंस कप की विजेता टीम अगले सत्र में प्रो लीग में खेलेगी। भारत पिछले सत्र में इससे बाहर हो गया था। जीत के साथ भारत ने 3 महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। भारत 3 अंकों के साथ पूल ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। शीर्ष पर काबिज जापान के भी तीन अंक हैं लेकिन उसका गोल अंतर भारत से बेहतर है।

अमेरिका ने की शानदार शुरुआत

अमेरिका ने शानदार शुरुआत की और एशले ने चौथे मिनट में ही मैदानी गोल करके अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके महज तीन मिनट बाद अमेरिका ने अपनी बढ़त दोगुनी कर दी जब मैडलीन जिमर (सातवें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत पर शुरुआती दबाव बना दिया। दो गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने आक्रामक रवैया अपनाया और धीरे-धीरे मैच पर अपनी पकड़ बना दी।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर में मिली बढ़त

भारत को आक्रामक अंदाज में खेलने का फायदा दूसरे क्वार्टर के शुरू में मिला जब ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ दीपिका (17वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अंतर को कम किया। भारतीय टीम ने अपना दबदबा बनाए रखा और उसने दूसरे क्वार्टर में फिर से एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। दीपिका (24वें) एक बार फिर आगे बढ़ीं और उन्होंने फिर से पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। भारत ने दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से पहले एक और गोल करके मैच का रुख पूरी तरह से पलट दिया।

दोनों टीमों को मिले छह-छह पेनल्टी कॉर्नर

नवनीत (28वें) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को मैच में पहली बार बढ़त दिलाई। इस तरह से भारत ने हाफ टाइम तक 3-2 से आगे था। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने गोल करने के अच्छे प्रयास किए। मैच में दोनों टीमों ने छह-छह पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए, लेकिन आखिरी दो क्वार्टर में गोल करने में नाकाम रही।

इंटरवेटेन ओपनः संयुक्त 17वें स्थान पर तलवार

ओबरहास। शीर्ष 10 में जगह बनाने की ओर बढ़ रहे भारत के सप्तक तलवार अंततः अंतिम दौर में दो अंडर 67 के स्कोर से इंटरवेटेन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 17वें स्थान पर रहे। तलवार का कुल स्कोर 10 अंडर रहा। इससे पहले वीर अहलावत कट हासिल करने में नाकाम रहे थे। तलवार ने अच्छी शुरुआत करते हुए शुरुआती नौ होल में चार बर्डी की। उन्होंने अंतिम 9 होल में भी 12वें होल में बर्डी की लेकिन इसके बाद 13वें होल में ट्रिपल बोगी कर गए। उन्होंने 16वें होल में एक और बोगी की लेकिन 18वें होल में बर्डी के साथ दो अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से 17वां स्थान हासिल किया।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी हेतु सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/माल भाड़ा, दिल्ली डिवीजन, उत्तर रेलवे, रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2022/टीसी(एफएम)/10/04 दिनांक 13.06.2022 और रेलवे बोर्ड के पत्र सं. 2024/RS(G)/779/7 (E3471089) दिनांक 13.08.2024, के अनुसार दिल्ली मंडल के विभिन्न स्टेशनों से चलने वाली निम्नलिखित ट्रेनों में एसएलआर कम्पार्टमेंट और पार्सल वान (राउंड ट्रिप के आधार पर) के स्थान को 03 वर्षों के पट्टे पर देने के लिए आईआरईपीएस के ई–नीलामी मॉड्यूल के माध्यम से बोलियां आमंत्रित की जाती है:–

क्र. सं.	ई–नीलामी के आरम्भ होने की तिथि तथा समय	एस्सेट्स जिनकी नीलामी की जानी है
1	19.06.2026 को 10:30 बजे	12212(R1), 12306(F1), 12330(F1), 12457(F1, F2, R1), 12874(F1), 14004(F1), 14303 (F1, F2, R1), 15304 (F1, F2), 20408 (F1), 20473 (F1), 22429 (F1), 22438 (F1, R1), 22472 (F1), 22542 (F1).
2	22.06.2026 को 10:30 बजे	12274(F1), 12596(R1), 12648(F1), 12986(F1), 14087(F1), 14331 (F1, F2, R1), 14507 (F1, F2, R1), 14731(F1, R1), 15116 (F1),15304(R1), 22210 (R1), 22421 (F2,R1), 22454 (F1, R1).

महत्वपूर्ण सूचनाः 1. ई–नीलामी के विभिन्न पहलुओं के बारे में अधिक जानकारी के लिए इच्छुक बोलीदाताओं को https://www.ireps.gov.in/html/helpdesk/learning_centre.html. (e-Auction leasing section) पर जाने की सलाह दी जाती है। 2. रेलवे प्रशासन किसी भी समय इन निविदाओं/अनुबंधों को समाप्त करने का सम्पूर्ण अधिकार रखता है या इनके संबंध में किसी संशोधन अथवा अतिरिक्त नियमों और शर्तों के साथ इन निविदाओं अथवा अनुबंधों के बीच में ही समाप्त करने अथवा जारी रखने के संबंध में, जो की इन ट्रेनों के जारी रहने अथवा समाप्त होने की स्थिति पर निर्भर करता है।

2045/26

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रेल मंत्री वैष्णव ने व्यस्त रेलवे स्टेशनों के लिए मास्टर प्लान की समीक्षा की

अंबाला रेलवे स्टेशन को दो नए प्लेटफॉर्म, 12 मीटर चौड़ा एफओबी, अतिरिक्त एस्केलेटर और लिफ्ट

निर्माण कार्यों के दौरान यात्रियों को कोई असुविधा न दिए जाने पर ज़ोर दिया

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में अंबाला,बोरीवली और मंगलुरु जैसे व्यस्त रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए मास्टर प्लान की समीक्षा की। समीक्षा बैठक के दौरान रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद थे। रेल मंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पुनर्विकास का काम यात्रियों को कम से कम असुविधा पहुँचाए और ट्रेनों के संचालन में बिना किसी रुकावट के किया जाए। उन्होंने स्टेशन के रोज़मर्रा के कामकाज को सुचारू रूप से चलाते हुए भविष्य के लिए तैयार रेलवे प्रणाली तैयार करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। इस बैठक का मकसद मौजूदा भीड़-भाड़ की समस्या को हल करना और भविष्य की ज़रूरतों के हिसाब से क्षमता बढ़ाना था। चर्चा में यात्रियों की सुविधा बढ़ाने पर ध्यान दिया गया, जिसके लिए अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी), प्लेटफॉर्म के बीच बेहतर आवाजाही, स्टेशन में आने-जाने के अतिरिक्त रास्ते, बेहतर सर्कुलेशन एरिया, बेहतर मल्टीमॉडल एकीकरण और यात्रियों की आसान आवाजाही जैसे उपाय शामिल थे। वैष्णव ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे योजना के अगले चरणों में सांसदों, विधायकों, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधियों, राज्य सरकारों और अन्य संबंधित लोगों से भी बातचीत करें। उनके सुझावों और स्थानीय ज़रूरतों को अंतिम पुनर्विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्टेशन के मूलभूत ढ़ांचों का विकास यात्रियों और स्थानीय समुदायों की ज़रूरतों के अनुरूप हो। वैष्णव ने ज़ोर देते हुए कहा कि स्टेशन के डिज़ाइन में गुणवत्ता, मज़बूती और यात्रियों की सुविधा पर ध्यान देने वाली मज़बूत डिज़ाइन वाली सोच अपनाई जानी चाहिए। निर्माण के ऊँचे मानकों को बनाए रखते हुए तेज़ी से काम पूरा करने के लिए आधुनिक निर्माण तकनीकों, जैसे प्रीकास्ट पुर्ज़ों और उन्नत निर्माण प्रणाली के इस्तेमाल पर चर्चा की गई। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे आवंटित राशि का सही इस्तेमाल और मंजूर की गई परियोजनाओं को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करें।

> अंबाला,बोरीवली और मंगलुरु स्टेशनों के पुनर्विकास के तहत अतिरिक्त प्लेटफॉर्म, ज़्यादा एंट्री पॉइंट, चौड़े फुट ओवर ब्रिज और बेहतर संपर्क की योजना

अंबाला कैंट स्टेशन की पुर्नविकास योजना

बैठक में अंबाला कैंट स्टेशन की पुर्नविकास योजना की भी समीक्षा की गई। अंबाला स्टेशन से अभी 328 ट्रेनें गुजरती हैं और यहाँ रोज़ाना 44,000 से ज़्यादा यात्री आते-जाते हैं और आने वाले सालों में इस संख्या के काफी बढ़ने का अनुमान है।भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या और अतिरिक्त ट्रेन सेवाओं को संभालने के लिए, पुर्नविकास योजना में दो नए पूरे लंबाई के प्लेटफ़ॉर्म और 12 मीटर चौड़े नए फ़ुट ओवर ब्रिज के निर्माण का प्रस्ताव है। इस परियोजना में अतिरिक्त एस्केलेटर और लिफ़्ट लगाने की भी योजना है, ताकि यात्रियों की आवाजाही बेहतर हो सके और खासकर बुज़ुर्गों, दिव्यांगों और सामान लेकर चलने वाले यात्रियों के लिए दो प्लेटफ़ॉर्म के बीच आसानी से आना-जाना मुमकिन हो सके। मौजूदा प्लेटफ़ॉर्म को बेहतर बनाने, नए प्लेटफ़ॉर्म शेड लगाने और ज़मीन पर पार्किंग की सुविधाएँ विकसित करने की भी योजना है। इस प्रस्तावित पुर्नविकास का मकसद स्टेशन तक पहुँच को आसान बनाना, यात्रियों के आने-जाने की जगह को बेहतर करना, संपर्क में सुधार, स्टेशन पर आधुनिक सुविधाएँ देना और भविष्य में यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने के लिए बेहतर व्यवस्था तैयार करना है। पूरा होने पर, इस परियोजना से परिचालन क्षमता बढ़ेगी, भीड़ कम होगी, पहुँच आसान होगी और यात्रा का अनुभव ज़्यादा सुरक्षित, आरामदायक और यात्री-अनुकूल बनेगा।

मंगलुरु सेंट्रल स्टेशन का पुनर्विकास

इस समीक्षा में मंगलुरु सेंट्रल स्टेशन की पुनर्विकास योजना पर भी चर्चा की गई। अभी इस स्टेशन से रोज़ाना 28,000 से ज़्यादा यात्री गुज़रते हैं और यहाँ से लगभग 50 ट्रेनें चलती हैं। भविष्य में यात्रियों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है, इसलिए क्षमता बढ़ाने और ढ़ांचागत व्यवस्था को बेहतर करने की ज़रूरत है। भविष्य की ज़रूरतों और ज़्यादा ट्रेनों के संचालन को ध्यान में रखते हुए, पुर्नविकास योजना में दो नए पूरी लंबाई वाले प्लेटफ़ॉर्म बनाने का भी प्रस्ताव है। इस परियोजना में प्लेटफ़ॉर्म को अपग्रेड करना, 6 मीटर चौड़ा नया फ़ुट ओवर ब्रिज बनाना, बेहतर प्लेटफ़ॉर्म शेल्टर लगाना और स्टेशन के अंदर यात्रियों की आवाजाही को आसान बनाने के लिए और एस्केलेटर तथा लिफ़्ट लगाना भी शामिल है।

बोरीवली-कांदिवली रेलवे स्टेशन का पुर्नविकास

समीक्षा में बोरीवली रेलवे स्टेशन पर खास ध्यान दिया गया, जो दक्षिण रेलवे पर यात्रियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण इंटरचेंज हब में से एक है। टर्मिनल स्टेशनों के उलट, बोरीवली लोकल और लंबी दूरी के यात्रियों के लिए चढ़ने, उतरने और बदलने का एक मुख्य केंद्र है। यह स्टेशन फिलहाल रोज़ाना करीब 1,200 लोकल ट्रेन सेवाओं के अलावा करीब 191 लंबी दूरी की ट्रेन सेवाओं को संभालता है, जिससे रोज़ाना लगभग 3.65 लाख यात्रियों को आने जाने की सुविधा मिलती है। आने वाले सालों में यात्रियों की संख्या में काफ़ी बढ़ोतरी होने का अनुमान है। स्टेशन पर लोकल और लंबी दूरी के दोनों तरह के यात्री आते हैं, जिससे बहुत ज़्यादा भीड़ और यात्रियों की आवाजाही होती है, खासकर ज्यादा भीड़भाड़ वाले वक्त में, जब अलग-अलग सेवाओं के यात्री स्टेशन परिसर में एक साथ जमा होते हैं। बोरीवली स्टेशन पर क्षमता बढ़ाने, यात्रियों की आवाजाही को बेहतर करने और भीड़ कम करने के लिए, एक बड़े मास्टर प्लान के तहत कांदिवली स्टेशन को भी साथ-साथ विकसित करने का फ़ैसला किया गया है। कांदिवली स्टेशन, बोरीवली स्टेशन से लगभग 2 किलोमीटर दूर है। रेलवे के पास काफ़ी ज़मीन उपलब्ध होने के कारण, कांदिवली स्टेशन भविष्य में ट्रेनों के संचालन और यात्रियों की बढ़ती संख्या को संभालने में मदद करेगा। इससे बोरीवली स्टेशन पर भीड़ कम होगी और ऑपरेशन की क्षमता, यात्रियों की सुविधा और पहुँच बेहतर होगी। बोरीवली और कांदिवली के एकीकृत विकास से पूर्वी-दक्षिणी संपर्क मज़बूत होने, इंटरचेंज की क्षमता बेहतर होने, मेट्रो और सड़क नेटवर्क के साथ बेहतर तालमेल बनने और लंबे समय तक विकास में मदद करने वाली एक आसान मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट व्यवस्था बनने की उम्मीद है।

उत्तरी रेलवे के अंबाला मंडल के लिए 201 करोड़ रुपये की कवच परियोजना स्वीकृत

'कवच' प्रणाली अंबाला छावनी-लुधियाना, कालका-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-साहनेवाल तथा हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश के अन्य प्रमुख रेल मार्गों पर स्थापित की जाएगी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रेल सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भारतीय रेलवे ने उत्तरी रेलवे के अंबाला मंडल के शेष ब्रॉड गेज रेल खंडों पर 'कवच' प्रणाली स्थापित करने की स्वीकृति प्रदान की है। यह परियोजना 811 किलोमीटर के मार्ग को कवर करती है और इसके लिए 201 करोड़ रुपये की लागत स्वीकृत की गई है।

इस कार्य को भारतीय रेलवे के शेष मार्गों पर 'एलटीई-आधारित संचार नेटवर्क' के साथ कवच प्रणाली के प्रावधान वाले व्यापक कार्यक्रम के तहत मंजूरी दी गई है। इस स्वीकृत कार्य के अंतर्गत अंबाला मंडल के कई महत्वपूर्ण रेल मार्ग शामिल होंगे, जिनमें अंबाला छावनी-लुधियाना, कालका-चंडीगढ़-न्यू मोरिंडा-साहनेवाल, सरहिंद-दौलतपुर चौक, राजपुरा-बठिंडा-श्री गंगानगर और लुधियाना-धुरी-जाखल रेलखंड शामिल हैं। ये मार्ग हरियाणा, पंजाब और हिमाचल प्रदेश राज्यों को जोड़ने वाले प्रमुख रेल गलियारों के रूप में कार्य करते हैं। यहां से भारी मात्रा में यात्री और मालगाड़ियों का आवागमन होता है, जो इस पूरे क्षेत्र में लोगों और सामान की आवाजाही में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'कवच' स्वदेशी रूप से विकसित एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली है, जिसे परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह प्रणाली रेड सिग्नल पार करने (एसपीएडी) की घटनाओं को रोकने में मदद करती है, असुरक्षित स्थितियों से बचने के लिए आवश्यकता पड़ने पर स्वचालित रूप से ब्रेक लगाती है, गंभीर परिस्थितियों में ट्रेन की गति को नियंत्रित करती है और ट्रेनों की आपस में होने वाली टक्करों के जोखिम को काफी हद तक कम करती है।भारतीय रेलवे अपने नेटवर्क पर अधिक व्यस्तता वाले और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों पर सुरक्षा, विश्वसनीयता और क्षमता बढ़ाने के निरंतर प्रयासों के तहत चरणबद्ध तरीके से 'कवच' प्रणाली का विस्तार कर रहा है।

महिला को बचाने नदी में कूदा युवक लापता

देहरादून। ग्वालियर का युवक का परिवार हेंवल नदी के मुहाने पर गंगा नदी में स्नान कर रहा था। एसडीआरएफ निरीक्षक कवींद्र सजवाण ने बताया कि स्नान के दौरान परिवार की एक महिला सदस्य, रेनू गुर्जर,(33) अचानक नदी के तेज बहाव में बहने लगी। महिला को बचाने के चक्कर में ग्वालियर के शैलेंद्र महावी गंगा नदी में कूद गया। महिला नदी से सुरक्षित बाहर निकल आई। लेकिन युवक नदी के तेज बहाव में लापता हो गया। एसडीआरएफ की ओर से रेस्क्यू उपकरणों की सहायता से युवक की तलाश की जा रही है।

युवाओं के लिए होगा सुविधाओं और अवसरों का विस्तार

एनसीसी ने आंध्र प्रदेश, झारखंड में बनाए दो नए राज्य निदेशालय

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) मुख्यालय ने युवाओं को सशक्त बनाने और कोर तक पहुंच का विस्तार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देश के दो राज्यों (आंध्र-प्रदेश और झारखंड) में स्वतंत्र राज्य निदेशालयों के गठन को मंजूरी प्रदान कर दी है। जिससे भारत में एनसीसी के राज्य निदेशालयों की संख्या बढ़कर 19 हो गई है। जो कि पूर्व में 17 थी। रक्षा मंत्रालय ने सोमवार को बताया कि इन दोनों नए निदेशालयों की मदद से कोर के कैडेटों और शिक्षण संस्थान आपस में और अधिक निकटता से एक-दूसरे के साथ जुड़ सकेंगे।

साथ ही इससे अधिक केंद्रित समन्वय, बेहतर पर्यवेक्षण और प्रशिक्षण-विकासात्मक कार्यकलापों के लिए बेहतर समर्थन संभव हो सकेगा। बेहतर प्रशिक्षण अवसंरचना तथा सहायता तंत्र के माध्यम से दोनों राज्यों के युवाओं के लिए पहले के मुकाबले अधिक अवसर भी उपलब्ध होंगे।

कोर में 20 लाख से अधिक कैडेट

मंत्रालय ने कहा कि एनसीसी वर्तमान समय में दुनिया का सबसे बड़ा वर्दीधारी युवा संगठन बन गया है। जिसमें कैडेटों की संख्या 20 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। जबकि 1948 में अपनी स्थापना के समय पर कैडेटों की प्रारंभिक संख्या 20 हजार थी। 20 लाख से अधिक के आंकड़े की बात करें तो वर्ष 2014 से लेकर 2025 तक संगठन में 6 लाख कैडेटों की वृद्धि हुई है। अब यह 750 से अधिक जिलों में विद्यमान है। एनसीसी नई प्रशासनिक शक्ति के साथ जिम्मेदार नागरिकों को तैयार करने, अधिक मजबूत और सक्षम-विकसित भारत के निर्माण में योगदान देने का कार्य जारी रखे हुए है।

यह है प्रधानमंत्री का विजन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एनसीसी को लेकर विजन बिलकुल साफ है। जिसमें उनका कहना है कि देश के युवाओं को सशक्त बनाने के विजन से प्रेरित यह निर्णय, अधिक से अधिक युवाओं को आत्मविश्वास से भरपूर, सक्षम और सामाजिक रूप से प्रतिबद्ध नागरिक बनने में मदद करेगा। जो राष्ट्र की प्रगति में सार्थक योगदान देने के लिए तैयार होंगे।

रक्षा, एआई-सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों की कंपनियों के प्रमुखों से हुई मुलाकात में बोले भारत के प्रधानमंत्री

पीएम मोदी ने स्लोवाकिया की कंपनियों को दिया न्योता, भारत में बढ़ते अवसरों से उठाएं लाभ

भारत को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता के लिए मिला स्लोवाकिया का समर्थन

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको के साथ स्लोवाकिया के व्यापार और उद्योग जगत के दिग्गज प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की है। जिसमें रेलवे, रक्षा, आटोमोटिव, ऊर्जा, आईटी, हेल्थकेयर सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने भारत में व्यापार को बढ़ाने और एक पारदर्शी, स्थिर व निवेशकों को आकर्षित करने वाले माहौल को बढ़ावा देने के लिए हालिया वर्षों में किए गए किए गए बड़े सुधारों तथा नीतिगत निर्णयों को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने दोनों देशों के बीच बढ़ती हुई व्यापारिक गतिविधियों की भी सराहना की है।

भारत में बढ़ती व्यापार संभावनाओं का लाभ उठाने की अपील पीएम ने स्लोवाकिया के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों से की है। जिसमें रक्षा, इंफ्रास्ट्रक्चर, नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल नवाचार, सेमीकंडक्टर, एआई और हेल्थकेयर जैसे क्षेत्र मुख्य हैं। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

यहां बता दें कि वर्ष 1993 में स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के बाद की गई किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह स्लोवाकिया की पहली यात्रा है। जिसके तहत पीएम मोदी बीते रविवार को ब्रातिस्लावा पहुंचे।

यहां अपने सभी तय कार्यक्रमों में भागीदारी करने के बाद वह एक बार फिर से फ्रांस जाएंगे और वहां आयोजित किए जाने वाले जी-7 शिखर सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

सराहे गए भारत में किए गए सुधार

प्रधानमंत्री के संबोधन के बाद स्लोवाकिया के उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने विकसित भारत के मद्देनजर किए जा रहे नई दिल्ली के तमाम सुधारों की प्रशंसा की और भारत की आर्थिक गति को लेकर विश्वास भी जताया। उन्होंने भारत में अपनी उपस्थिति को बढ़ाने को लेकर पीएम के समक्ष रुचि जाहिर की है। जिसमें भारतीय कंपनियों के साथ निवेश बढ़ाने, तकनीकी साझेदारी, संयुक्त वेंचर करना मुख्य रूप से शामिल है। साथ ही भारत, ईयू के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते का भी कंपनियों के प्रमुखों ने स्वागत किया और कहा कि इसके क्रियान्वयन से उनके लिए व्यापार के नए अवसर खुलेंगे। यहां बता दें कि इस कार्यक्रम में स्लोवाकिया की कंपनियों के कुल 17 प्रतिनिधि शामिल हुए। जिसमें टेट्रावागोनका के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष, एजेड समूह के अध्यक्ष, ईएसईटी के सीईओ, ग्रैंड पावर लिमिटेड के सीईओ और मेटाडोर के सीईओ सहित अन्य शामिल हुए।

अज्ञात सैनिकों को दी श्रद्धांजलि: इन सबसे इतर पीएम मोदी ने स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री फिको के साथ स्लोवाकिया की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वालों के पराक्रम, बलिदान और अटल भावना को श्रद्धांजलि के रूप में अज्ञात सैनिकों की समाधि पर माल्यार्पण किया।

यूएनएससी की स्थायी सीट के लिए समर्थन: स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री रॉबर्ट फिको ने पीएम मोदी के साथ हुई उच्च-स्तरीय वार्ता के बाद भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की स्थायी सदस्यता यानी सीट के लिए अपना समर्थन प्रदान किया है। उन्होंने पुरजोर अंदाज में कहा कि हमारा देश वैश्विक संस्थानों में सुधार का समर्थक है। साथ ही हमारे देश का यह अटूट विश्वास है कि भारत जैसे देशों को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109